वर्ष 17
अंक 51
10 पृष्ठ
मूल्य 5 रुपये

मंगलवार, 16 अप्रैल 2024
कोलकाता, चंडीगढ़, **नई दिल्ली**, भोपाल, मुंबई और लखनऊ से प्रकाशित।

भारत का पहला संपूर्ण हिंदी आर्थिक अखबार www.bshindi.com

बिज़नेस स्टैंडर्ड

बैजू रवींद्रन ▸▸ पृष्ठ 2
सीईओ के इस्तीफे के बाद रवींद्रन के हाथ कमान

नरेंद्र मोदी ▸▸ पृष्ठ 10
चुनावी बॉन्ड पर भ्रम फैला रहा विपक्ष

डॉलर रु. 83.50 ▲ 10 पैसे | यूरो रु. 88.90 (अपरिवर्तित) | सोना (10 ग्राम) रु. 72521 ▼ 360 रु. | सेंसेक्स 73399.80 ▼ 845.10 | निफ्टी 22272.50 ▼ 246.90 | निफ्टी फ्यूचर्स 22357.30 ▲ 84.80 | ब्रेंट क्रूड 90.70 ▼ 0.30 डॉलर

एक नज़र

थोक महंगाई तीन महीने के उच्च स्तर पर

देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थोक मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 फीसदी हो गई, जो फरवरी में 0.20 फीसदी थी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 फीसदी थी। दिसंबर 2022 में यह 5.02 फीसदी के स्तर पर थी। आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में मुद्रास्फीति 10.26 फीसदी बढ़ गई। हालांकि मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के कारण इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 फीसदी पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति भी मार्च में बढ़कर 5.66 फीसदी रही थी। पृष्ठ 4

टेस्ला करेगी 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी

इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा और कंपनी के वाहनों की बिक्री घटने के मद्देनजर टेस्ला ने दुनिया भर में अपने 10 फीसदी से ज्यादा कर्मचारियों को छंटनी करने की योजना बनाई है। बाजार मूल्य के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता टेस्ला के दिसंबर 2023 में कुल कर्मचारियों की संख्या करीब 1,40,563 थी। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कैलिफोर्निया और टेक्सस में टेस्ला के कुछ कर्मचारियों को छंटनी के बारे में सूचित किया जा चुका है। टेस्ला के मुख्य कार्याधिकारी ईलॉन मस्क ने कहा कि कंपनी अगले चरण के विकास की तैयारी कर रही है। ऐसे में लागत घटाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए हर पहलुओं पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। इसी प्रयास के तहत कंपनी ने दुनिया भर में 10 फीसदी से ज्यादा कर्मचारियों की छंटनी करने का कठिन निर्णय लिया है।

पूरी क्षमता से चले बिजली संयंत्र

बिजली मंत्रालय ने देश में बढ़ती मांग के बीच बिजली की कमी से बचने के लिए आयातित कोयले का उपयोग करने वाले सभी ताप विद्युत संयंत्रों को 15 अक्टूबर यानी अगले साढ़े तीन महीने तक पूरी क्षमता पर काम करने को कहा है। मंत्रालय ने इस साल गर्मी के मौसम (अप्रैल से जून) में 260 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है। सितंबर 2023 में अधिकतम बिजली की मांग 243 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई थी। बिजली मंत्रालय के 12 अप्रैल के एक नोटिस में 15 आयातित कोयला-आधारित ताप बिजली परियोजनाओं को कहा गया है कि अब ऐसे संयंत्रों वाली उत्पादन कंपनियों के लिए, धारा-11 निर्देश की समय अवधि को 15 अक्टूबर, 2024 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

स्मार्टफोन की बिक्री 3 से 4 फीसदी घटी

काउंटर प्वाइंट रिसर्च के अनुमानों के अनुसार स्मार्टफोन उद्योग के लिए कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली तिमाही निराशाजनक रही है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में स्मार्ट फोन की बिक्री में 3 से 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। मगर कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली तिमाही में नए मॉडलों की पेशकश के साथ कुल शिपमेंट में एक साल पहले की तुलना में 10 से 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। कैलेंडर वर्ष 2023 में शिपमेंट स्थिर रहा था और साल का अंत 15.2 करोड़ मोबाइल फोन के साथ हुआ था। पृष्ठ 2

इजरायल पर ईरान के हमले के बाद निवेशकों ने घबराहट में की बिकवाली

एशिया में रार से लुढ़का बाजार

सुंदर सेतुरामन
मुंबई, 15 अप्रैल

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच इजरायल पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घबराए निवेशकों ने जोखिम वाली संपत्तियां बेचनी शुरू कर दीं, जिससे आज देसी शेयर बाजार में भी भारी गिरावट देखी गई। मगर कूटनीतिक प्रयासों की मदद से बड़ी जंग की चिंता टलने से निवेशकों को थोड़ा सुकून मिला और गिरावट की रफ्तार कुछ थम गई।

सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन आज 1 फीसदी से ज्यादा लुढ़कने के बाद कुल 845 अंक गिरकर 73,400 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 27 मार्च के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट थी। निफ्टी भी 247 अंक नीचे 22,273 पर बंद हुआ।

दमिश्क में ईरान के दूतावास पर हुए हमले में इजरायल के शामिल होने की बात उठने पर ईरान ने शनिवार को इजरायल पर कई मिसाइलें दागते हुए अचानक हमला कर दिया। यह बात अलग है कि ज्यादातर मिसाइलों को इजरायली सेना ने हवा में ही नष्ट कर दिया।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को देखते हुए निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर भागने लगे। इससे 10 वर्षीय अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.6 फीसदी पर पहुंच गई। सोना भी 0.6 फीसदी बढ़कर 2,358 डॉलर प्रति औंस तक चला गया। मध्य एशिया के तनाव का असर एशियाई मुद्राओं पर भी दिखा। डॉलर के मुकाबले रुपया नरम होकर 83.5 पर आ गया।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने आज 3,268 करोड़ रुपये के शेयर बेचे और देसी संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,800 करोड़ रुपये की लिवाली की।

इस बीच ईरान ने संयुक्त राष्ट्र में कहा है कि इस मामले को अब खत्म माना जा सकता है। यह सुनकर कई लोगों को उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच तनाव और नहीं बढ़ेगा। अमेरिका तथा अन्य देशों ने भी संयम बरतने की अपील की है। इस बीच ब्रेंट क्रूड 0.4 फीसदी बढ़कर 90.6 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

ऐक्सिस सिक्योरिटीज पीएमएस में मुख्य निवेश अधिकारी नवीन कुलकर्णी ने कहा, 'पश्चिमी देशों में भू-राजनीतिक तनाव और मुद्रास्फीति की चिंता के कारण दुनिया भर में शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ गया है। हालांकि भारत उनकी तुलना में बेहतर स्थिति में है, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बड़ी बाधा हैं। ताजा खबरों के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव फैल नहीं रहा है। इससे बाजार में बहुत ज्यादा गिरावट आने की आशंका नहीं है। निवेशकों को वैश्विक बाजार की स्थिति के अनुसार गिरावट का फायदा उठाकर निवेश करना चाहिए और अच्छे शेयर खरीद लेने चाहिए।'

विश्लेषकों ने कहा कि जब दुनिया भर के केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को काबू में करने का प्रयास कर रहे हैं तब भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से ईंधन की कीमतों में तेजी आती है तो बाजार में जो खिम बढ़ सकता है। अमेरिकी बैंक बोफा के रिसर्च नोट के अनुसार दर में कटौती जून के बजाय दिसंबर में शुरू होने की संभावना है। अमेरिकी बैंक ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व दिसंबर से दरें घटाने लगेगा। मुझे नहीं लगता कि नीति निर्माताओं में इतना विश्वास आया है कि वे जून में दर में कटौती करें।'

कंपनियों के तिमाही नतीजों और चीन तथा यूरोजोन के वृहद आर्थिक आंकड़ों से आगे बाजार को दिशा मिल सकती है।

निवेशकों का सुरक्षित निवेश पर दांव

- सेंसेक्स 845 अंक टूटकर 73,400 पर बंद हुआ
- निफ्टी 247 अंक नीचे 22,273 पर बंद हुआ
- अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल में भी इजाफा
- सुरक्षित निवेश मांग से सोने की कीमतों में तेजी

रुपया भी नरम

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से एशिया की मुद्राओं पर दबाव बढ़ा है। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.45 के निचले स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले रुपया 4 अप्रैल को इस स्तर पर पहुंचा था। पृष्ठ 4

वित्त वर्ष 2024 में 3 फीसदी घटा निर्यात

श्रेया नंदी
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

कमजोर मांग से निर्यात पर असर

- मार्च में वस्तु निर्यात 0.67 फीसदी घटकर 41.68 अरब डॉलर रहा
- मार्च में व्यापार घाटा 11 महीने के निचले स्तर पर रहा
- मार्च में आयात भी 6 फीसदी घटकर 57.28 अरब डॉलर रहा
- दुनिया भर में जिंसों के दाम गिरने और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात पर असर

लगातार तीन महीने बढ़ने के बाद मार्च में देश से वस्तुओं का निर्यात 0.67 फीसदी घटकर 41.68 अरब डॉलर रहा। जिंसों की कीमतों में गिरावट और भू-राजनीतिक चुनौतियां बनी रहने का असर निर्यात पर पड़ा है।

वाणिज्य विभाग द्वारा आज जारी आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2024 में मार्च सातवां महीना रहा, जब निर्यात में कमी आई। पिछले वित्त वर्ष में कुल निर्यात 3.11 फीसदी घटकर 437.06 अरब डॉलर रहा। 2023-24 में गिरावट आने से पहले लगातार दो वित्त वर्ष में निर्यात में अच्छी बढ़ोतरी हुई थी।

मगर वाणिज्य सचिव सुनील बड़थ्वाल ने भरोसा जताया कि निर्यात सकारात्मक वृद्धि की ओर बढ़ रहा है और कैलेंडर वर्ष 2024 में खास तौर पर ऐसा दिख रहा है। उन्होंने कहा, 'व्यापार के लिहाज से वित्त वर्ष 2024 वाकई काफी मुश्किल भरा था। रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ ही अन्य इलाकों में भी संघर्ष के मामले बढ़ रहे थे। लाल सागर, पनामा नहर क्षेत्र में भी संकट बना था। मंदी के संकेत भी दिख रहे थे मगर हमने सभी अड़चनें लांघ लीं।' बड़थ्वाल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं, दवाओं और फार्मास्युटिकल क्षेत्र ने इन अड़चनों के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया। मार्च में निर्यात घटा भले ही हो मगर मगर वित्त वर्ष 2024 में सबसे ज्यादा मूल्य का निर्यात इसी महीने हुआ।

आंकड़ों के अनुसार निर्यात की तुलना में आयात ज्यादा घटने से मार्च में व्यापार घाटा कम होकर 15.6 अरब डॉलर रह गया, जो 11 महीने का सबसे कम आंकड़ा है। पिछले वित्त वर्ष में कुल व्यापार घाटा 240 अरब डॉलर रहा, जो वित्त वर्ष 2023 में 265 अरब डॉलर था। बड़थ्वाल के अनुसार गैर-जरूरी आयात पर सरकार का अंकुश व्यापार घाटे में कमी का सबसे बड़ा कारण रहा।

मार्च में 57.28 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया गया, जो मार्च 2023 की तुलना में करीब 6 फीसदी कम है। कोयला, पेट्रोलियम उत्पाद, सोना, उर्वरक आदि का आयात घटने से आयात में कमी आई है। वित्त वर्ष 2024 में आयात 5.41 फीसदी बढ़कर 677 अरब डॉलर रहा।

बैंक ऑफ बड़ौदा में मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में आयात में गिरावट की बड़ी वजह तेल का कम आयात था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने से बीते वित्त वर्ष तेल के आयात पर 14.1 फीसदी कम खर्च हुआ। उन्होंने कहा, 'लेकिन वित्त वर्ष 2024 में सोने का आयात 30.1 फीसदी बढ़ा, जबकि वित्त वर्ष 2023 में इसमें 24.2 फीसदी की गिरावट आई थी। निवेश मांग बढ़ने से सोने के आयात में भी इजाफा हुआ है।'

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री और शोध एवं आउटरीच प्रमुख अदिति नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 को देखें तो निर्यात की तुलना में वस्तुओं का आयात अधिक घटा, जिस कारण व्यापार घाटा 11 महीने में सबसे कम रहा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में यह चालू खाते के घाटे के लिए अच्छा संकेत हो सकता है और इस तिमाही में 1 से 2 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष रह सकता है। मार्च में सेवाओं का निर्यात भी 6.25 फीसदी घटकर 28.54 अरब डॉलर रहा, जबकि इनका आयात 6.57 फीसदी कम होकर 15.84 अरब डॉलर रहा। इस कारण सेवाओं में 12.69 अरब डॉलर का अधिशेष रहा। (शेष पृष्ठ 4 पर)

5जी नेटवर्क में 5,720 करोड़ रु. लगाएगी वोडा आइडिया

एफपीओ के बाद कंपनी में सरकार का हिस्सा घटकर 24 फीसदी रह जाएगा

देव चटर्जी
मुंबई, 15 अप्रैल

वोडाफोन आइडिया अपना 5जी नेटवर्क चालू करने के लिए अगले 24 महीनों में 5,720 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अक्षय मूंदड़ा ने आज इसका खुलासा किया। वह 18,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए कंपनी का एफपीओ आने से एक दिन पहले संवाददाताओं से बात कर रहे थे। यह देश का सबसे बड़ा एफपीओ है।

मूंदड़ा ने बताया कि जो रकम जुटेगी, उसमें से 12,750 करोड़ रुपये नेटवर्क का बुनियादी ढांचा बढ़ाने के लिए उपकरण खरीदने पर खर्च किए जाएंगे। इसमें 4जी साइटों की स्थापना, मौजूदा 4जी साइटों की क्षमता बढ़ाना और नए 5जी साइटें लगाना शामिल है।

कंपनी एफपीओ के जरिये आने वाली रकम का एक हिस्सा स्पेक्ट्रम बकाया चुकाने में भी खर्च करेगी। कंपनी बकाये में 2,175 करोड़ रुपये खर्च करेगी और बाकी रकम का इस्तेमाल उसके सामान्य कामों के लिए किया जाएगा। मूंदड़ा से जब पूछा गया कि क्या कंपनी अगली स्पेक्ट्रम नीलामी में भी भाग लेगी तो उन्होंने संकेत दिया कि कंपनी के पास मौजूद 5जी स्पेक्ट्रम मांग पूरी करने के लिए काफी है। उन्होंने कहा, 'हम 5जी के लिए पिछले कुछ समय से अपने वेंडरों से बात कर रहे हैं। कोई भी ऑर्डर रकम पर निर्भर करता है। इसलिए रकम का इंतजाम होते ही हम तेजी से ऑर्डर देने की कोशिश करेंगे।' मूंदड़ा ने कहा, 'पिछले साल फरवरी में सरकार ने कंपनी में 32 फीसदी हिस्सेदारी ली थी, जिससे निवेशकों का भरोसा लौटने लगा है।' भारत सरकार और कंपनी के शेयरधारक एफपीओ के जरिये अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। कंपनी में सरकार की 32 फीसदी हिस्सेदारी है, जो एफपीओ के बाद घटकर 24 फीसदी रह जाएगी। इससे पहले आदित्य बिड़ला समूह ने तरजीही शेयर आवंटन के जरिये कंपनी में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। यह रकम एफपीओ का हिस्सा नहीं है। वोडाफोन इस भारतीय दूरसंचार कंपनी में और निवेश नहीं करेगी।

कंपनी अपने उन 40 फीसदी ग्राहकों से उम्मीद लगा रही है, जो अगले दो साल में 4जी छोड़कर 5जी नेटवर्क पर आएंगे। पिछले साल दिसंबर में कंपनी के ग्राहकों की कुल संख्या 21.52 करोड़ थी। रिलायंस जियो के 5जी नेटवर्क पर करीब 9 करोड़ ग्राहक हैं। भारती एयरटेल के 5जी ग्राहकों की कुल संख्या इस साल मार्च के अंत में 7.5 करोड़ हो चुकी थी। एफपीओ के बाद वोडाफोन आइडिया अपने ऋणदाताओं से भी 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश करेगी।

कॉल दर में वृद्धि के बारे में पूछने पर मूंदड़ा ने कहा कि उनका एआरपीयू (प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व) दुनिया में सबसे कम है और 2जी ग्राहक 4जी में चले जाएं तो एआरपीयू बढ़ सकता है। उन्होंने यह नहीं बताया कि कॉल दरें कब बढ़ाई जा सकती हैं।

वोडाफोन आइडिया के गैर-कार्यकारी चेयरमैन रविंदर टक्कर और सीईओ अक्षय मूंदड़ा।

वोडाफोन आइडिया एफपीओ से जुटाएगी पूंजी

- 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर के लिए मूल्य दायरा 10 से 11 रुपये तय
- बोली/निर्गम 18 अप्रैल को खुलेगा और 22 अप्रैल को बंद होगा
- एंकर निवेशक 16 अप्रैल को लगाएंगे बोली
- बोली कम से कम 1,298 शेयरों के लिए और उसके गुणक में लगाई जा सकती है बोली

स्रोत: डीएचआरपी

आज का सवाल

क्या पश्चिमी देशों में तनाव से बाजार में दिखेगी उथल-पुथल?

www.bshindi.com पर राय भेजें।
आप अपना जवाब एसएमएस भी कर सकते हैं। यदि आपका जवाब हां है तो Y और यदि न है तो N लिखकर 57007 पर भेजें।

पिछले सवाल का नतीजा

ऐपल की तरह अन्य वैश्विक कंपनियां भी भारत में बढ़ाएंगी उत्पादन?

हां 87% | नहीं 13%

व्यापार गोष्ठी

पार्टियों के घोषणा पत्रों पर आपकी राय?

अपनी राय पूरे पते के साथ हमें इस पते पर भेजें:

बिजनेस स्टैंडर्ड, नेहरू हाउस, 4 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 फैक्स नंबर - 011-23720201 या फिर ई-मेल करें goshthi@bsmail.in

अपने विचार आप हमें www.bshindi.com पर भी भेज सकते हैं

इस साल जमकर बरसेंगे मॉनसून के बादल

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के सामान्य से बेहतर रहने की भविष्यवाणी की है। इससे महंगाई के खिलाफ जंग में सरकार को कुछ राहत मिल सकती है। विभाग ने कहा है कि 2024 में मॉनसून करीब 106 फीसदी लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के साथ सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग की इस भविष्यवाणी से इस साल मॉनसून के बारे में अधिकतर मौसम विशेषज्ञों के बीच आम सहमति दिखती है। पिछले सप्ताह मौसम पूर्वानुमान जारी करने वाली निजी एजेंसी स्काईमेट ने भी कहा था कि इस साल देश भर में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 102 फीसदी एलपीए के साथ 'सामान्य' रह सकता है।

जून से सितंबर की अवधि में की बारिश के लिए एलपीए 87 सेंटीमीटर है और इसके लिए 106 फीसदी के पूर्वानुमान का मतलब साफ है कि मॉनसून सामान्य से बेहतर रहेगा। आम तौर पर 96 से 104 फीसदी एलपीए के साथ बारिश को सामान्य माना जाता है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी घटबढ़ की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है।

विभाग ने कहा है कि जून में मॉनसून का मौसम शुरू होने तक अल नीनो के तटस्थ रहने की उम्मीद है। उसके बाद धीरे-धीरे वह ला नीना की ओर रुख करेगा जो एक सकारात्मक हिंद महासागर डाइपोल (आईओडी) है। मौसम विभाग ने कहा है कि इन सब कारकों से इस साल मॉनसून अच्छा रहने का अनुमान है।

साल 2023 में अल नीनो के प्रभाव के कारण दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सामान्य से कमजोर रहा था। उससे पहले चार वर्षों के दौरान मॉनसून सामान्य रहा था। मौसम विभाग ने कहा कि इस साल देश के 75 से 80 फीसदी भूभाग में मॉनसून के सामान्य रहने की उम्मीद है। जबकि पश्चिमोत्तर के कुछ चरम इलाकों (जम्मू-कश्मीर एवं उत्तराखंड के पहाड़ी इलाके) और पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों (असम, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल के गंगा के तटवर्ती इलाके) में मॉनसूनी बारिश सामान्य से कम हो सकती है।

मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने आज संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'ऐसा आम तौर पर सामान्य से बेहतर मॉनसून वाले वर्षों में दिखता है जब पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बारिश सामान्य से कम होती है।'

मौसम विभाग ने कहा कि 31 फीसदी संभावना है कि इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की बारिश सामान्य से बेहतर रहेगी, 30 फीसदी संभावना है कि बारिश अत्यधिक होगी, 29 फीसदी संभावना है कि बारिश सामान्य रहेगी और महज 2 फीसदी संभावना है कि बारिश सामान्य से कम रहेगी।

महापात्र ने कहा, 'संक्षेप कहा जाए तो 2024 में मॉनसून के सामान्य से बेहतर अथवा अत्यधिक होने की 60 फीसदी से अधिक संभावना है और इसके सामान्य से कम अथवा कमजोर रहने संभावना काफी कम है।' मॉनसून के दौरान देश भर में अच्छी बारिश होने से खरीफ कृषि उत्पादन बढ़ेगा और अगली रबी फसल के लिए खेतों में आवश्यक नमी बनी रहेगी।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, 'सामान्य मॉनसून की भविष्यवाणी हमारे लिए सकारात्मक है। मगर उसका आगमन और प्रगति काफी मायने रखता है क्योंकि उसका असर खरीफ की बोआई पर पड़ता है। मौजूदा भीषण गर्मी चुनौती बनी हुई है क्योंकि जलाशयों में जल स्तर काफी कम हो गया है। ऐसे में तत्काल मुद्रास्फीति बढ़ सकती है।'

पर्याप्त बारिश के आसार

- मॉनसून करीब 106 फीसदी लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के साथ सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान
- निजी एजेंसी स्काईमेट ने भी इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 102 फीसदी एलपीए के साथ 'सामान्य' रहने का अनुमान जाहिर किया था
- जून में मॉनसून का मौसम शुरू होने तक अल नीनो के तटस्थ रहने की उम्मीद और बाद में धीरे-धीरे वह ला नीना की ओर रुख करेगा
- पश्चिमोत्तर भारत के कुछ चरम इलाकों और पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में मॉनसूनी बारिश सामान्य से कम हो सकती

खबरों में रहे स्टॉक

इंटेलेक्ट डिजाइन एरिना

व्यापक ईमैक.एआई डिजिटल बदलाव के लिए नैशनल बैंक ऑफ कुवैत से ठेका मिला

₹ 997.0 पिछला बंद भाव
₹ 1,020.2 आज का बंद भाव
2.3 % ▲

रामकृष्ण फोर्जिंग्स

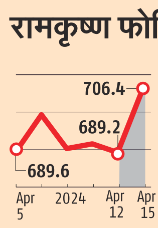

वंदे भारत ट्रेनसेट के स्लीपर संस्करण के लिए 270 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला

₹ 689.2 पिछला बंद भाव
₹ 706.4 आज का बंद भाव
2.5 % ▲

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा

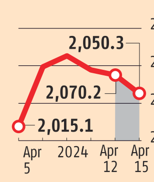

निदेशक मंडल ने गेलोस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी दी

₹ 2,070.2 पिछला बंद भाव
₹ 2,050.3 आज का बंद भाव
-1.0 % ▼

हैपिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजिज

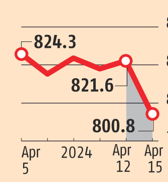

उन्नत एआई मेडिकल प्रिवेंटिव ऐंड डायग्नोस्टिक समाधान के लिए ठेका मिला

₹ 821.6 पिछला बंद भाव
₹ 800.8 आज का बंद भाव
-2.5 % ▼

एस्टर डीएम हेल्थकेयर

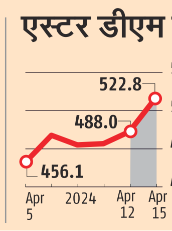

बोर्ड ने जीसीसी कारोबार की बिक्री से प्रति शेयर 118 रुपये के विशेष लाभांश को मंजूरी दी

₹ 488.0 पिछला बंद भाव
₹ 522.8 आज का बंद भाव
7.1 % ▲

संक्षेप में

रिलायंस कैपिटल ऑडिट मामले में जुर्माना

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने एक ऑडिट कंपनी और दो ऑडिटर पर कुल 4.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला 2018-19 में रिलायंस कैपिटल की वित्तीय स्थिति की ऑडिटिंग में कथित खामियों से जुड़ा है। पाठक एचडी ऐंड एसोसिएट्स पर तीन करोड़ रुपये, परिमल कुमार झा पर एक करोड़ रुपये और विशाल डी शाह पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा झा और शाह पर ऑडिट से जुड़े काम करने पर क्रमशः 10 साल और पांच साल की रोक लगा दी गई है। वित्त वर्ष 2018-19 के रिलायंस कैपिटल के वैधानिक ऑडिट के लिए झा एंगेजमेंट पार्टनर (ईपी) थे और शाह एंगेजमेंट क्वालिटी कंट्रोल रिव्यू (ईक्यूसीआर) पार्टनर थे। *भाषा*

मुंबई मेट्रो वन के खिलाफ याचिका का निपटान

राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (एनसीएलटी) ने रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को राहत देते हुए मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (एमएमओपीएल) के खिलाफ एसबीआई तथा आईडीबीआई बैंक की तरफ से दायर दिवाला मामले का निपटारा कर दिया है। एमएमओपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड तथा मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) का संयुक्त उद्यम है। इसमें मुंबई मेट्रो वन की 74 प्रतिशत और एमएमआरडीए की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने सोमवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि एमएमओपीएल) के खिलाफ सभी ऋणदाताओं द्वारा जारी ओटीएस (एकमुश्त ऋण निपटान) के मद्देनजर एसबीआई तथा आईडीबीआई बैंक की धारा-7 के तहत दायर याचिकाओं का निपटारा एनसीएलटी मुंबई ने कर दिया है।' *भाषा*

बैजूस के सीईओ का इस्तीफा

कंपनी 3 मुख्य खंडों में एकीकृत कर रही व्यवसाय, रवींद्रन संभालेंगे रोजमर्रा का कामकाज

पीरजादा अबरार
बेंगलूरु, 15 अप्रैल

जिम्मेदारी संभालने के ठीक छह महीने बाद भारत में बैजूस के मुख्य कार्याधिकारी अर्जुन मोहन ने कंपनी को अलविदा कह दिया है। संकट से घिरी बैजूस अब तीन खंडों में अपने व्यवसाय को पुनर्गठित कर रही है। कंपनी के संस्थापक बैजू रवींद्रन फर्म के रोजमर्रा के परिचालन की कमान संभालेंगे।

नकदी किल्लत से जूझ रही फर्म ने सोमवार को कहा कि बैजूस अपने व्यवसायों को तीन डिवीजन में एकीकृत कर रही है। ये हैं ऑनलाइन लर्निंग ऐप बिजनेस, ऑनलाइन क्लासेज और ट्यूशन सेंटर और टेस्ट प्रिपरेशन। प्रत्येक खंड का अलग मुखिया होगा।

कंपनी ने कहा है, 'ये बदलाव सात महीने की परिचालन समीक्षा और बैजूस इंडिया के निवर्तमान सीईओ अर्जुन मोहन के नेतृत्व में लागत अनुकूलन प्रयासों के बाद किए गए हैं। मोहन अब बदलाव के इस चरण के दौरान कंपनी और उसके संस्थापकों को अपनी गहन एडटेक विशेषज्ञता देते हुए बाहरी सलाहकार की भूमिका निभाएंगे।' कंपनी ने मोहन के इस्तीफे का कोई कारण नहीं बताया है।

प्रस्तावित व्यावसायिक समेकन की जानकारी देते हुए रवींद्रन ने कहा, 'यह पुनर्गठन बैजूस 3.0 की शुरुआत का प्रतीक है।' उन्होंने कहा, 'तीन विशेष कारोबारी इकाइयों के साथ अपनी मुख्य ताकत पर ध्यान केंद्रित करते हुए हम नए विकास अवसरों का लाभ उठाएंगे। साथ ही मुनाफे पर अपना ध्यान बनाए रखेंगे।'

संकट से घिरी एडटेक कंपनी ने अपनी पुनर्गठन पहल के तौर पर हाल में करीब 500 कर्मचारियों की छंटनी की है

बैजूस ने पिछले साल सितंबर में मृणाल मोहित को हटाकर अर्जुन मोहन को अपने भारतीय व्यवसाय का मुख्य कार्याधिकारी बनाया था। मोहन इससे पहले प्रतिस्पर्धी एडटेक फर्म अपग्रेड में काम कर रहे थे। रवींद्रन ने सोमवार को कहा, 'मोहन ने चुनौतीपूर्ण अवधि में बैजूस का शानदार तरीके से प्रबंधन किया। हम उनकी नेतृत्व क्षमता के आभारी हैं और एक महत्वपूर्ण सलाहकार के तौर पर उनका योगदान बरकरार रहने की उम्मीद करते हैं।'

एडटेक कंपनी ने पुनर्गठन पहल के तौर पर हाल में करीब 500 कर्मचारियों की छंटनी की है। छंटनी का नया राउंड 4500 कर्मियों को निकालने के लिए कंपनी द्वारा पिछले साल शुरू की गई कोशिश का हिस्सा था। यह योजना अर्जुन मोहन ने तैयार की थी। पिछले साल अक्टूबर से नवंबर के बीच करीब 3,000 लोगों को निकाला गया था। बैजूस ने पूरे भारत में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को बंद कर दिया है और बेंगलूरु में आईबीसी नॉलेज पार्क का मुख्यालय अपने पास रखा है। वर्ष 2022 में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या बढ़कर करीब 50,000 पर पहुंच गई थी।

55 % शेयरधारकों ने राइट्स इश्यू को मंजूरी दी

एडटेक फर्म बैजूस ने कहा है कि 29 मार्च 2024 को पोस्टल बैलट और आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में राइट्स इश्यू के प्रस्ताव को कुल वोटों के 55 प्रतिशत के बहुमत से मंजूरी दी गई है। मतदान प्रक्रिया में ईजीएम और पोस्टल बैलट दोनों शामिल थे और यह 6 अप्रैल को संपन्न हुई, जिसकी एक स्वतंत्र थर्ड पार्टी द्वारा पूरी तरह से जांच की गई।

ईजीएम प्रस्तावों को मंजूरी से नए शेयर जारी करने और नकदी संकट से निपटने के लिए राइट्स इश्यू लाने का रास्ता साफ हो गया है। अब बैजूस की पैतृक कंपनी थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड राइट्स इश्यू ला सकेगी। कंपनी को कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए नकदी की किल्लत, नियामकीय बकाया और वेंडरों को भुगतान जैसी समस्या से जूझना पड़ रहा है। कंपनी ने कहा है कि भुगतान में विलंब हमारे चार विदेशी शेयरधारकों की वजह से हुआ है जिन्होंने रचनात्मक संवाद के बजाय मनमर्जी वाली मुकदमेबाजी का रास्ता चुना। एक स्वतंत्र जांचकर्ता ने पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए लागू कानूनों के साथ सख्ती से प्रक्रिया का आकलन किया। *बीएस*

स्मार्टफोन की बिक्री में आई गिरावट

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

काउंटर पॉइंट रिसर्च के अनुमानों के अनुसार, स्मार्ट फोन उद्योग के लिए कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली तिमाही निराशाजनक रही है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में स्मार्ट फोन की बिक्री में 3 से 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। मगर कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली तिमाही में नए मॉडलों की पेशकश के साथ कुल शिपमेंट में एक साल पहले की तुलना में 10 से 12 फीसदी का इजाफा हुआ है। कैलेंडर वर्ष 2023 में शिपमेंट स्थिर रहा था और साल का अंत 15.2 करोड़ इकाइयों के साथ हुआ था।

काउंटर पॉइंट की वरिष्ठ विश्लेषक शिल्पा जैन ने कहा, 'हम इस साल की शुरुआत से ही भारत के स्मार्ट फोन बाजार में धीमी मांग का दौर देख रहे हैं। त्योहारी सीजन और उसके बाद की गति इस साल बरकरार नहीं रह सकी।'

जैन ने बताया कि जनवरी और फरवरी के दौरान बिक्री बहुत कम थी, लेकिन मार्च में होली के समय मांग में कुछ इजाफा हुआ। उन्होंने कहा, 'त्योहारों के बाद प्रतिस्थापन चक्र बढ़ने और सरकार की धन वाली नीतियों की कमी के कारण मांग धीमी है।'

कंपनियों को उम्मीद है कि कैलेंडर वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही बेहतर रहेगी। चीनी मोबाइल फोन ब्रांड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'पहली तिमाही में बहुत सारे नए फोन पेश किए गए, लेकिन बिक्री दिखने में थोड़ा वक्त लगता है। हम दूसरी तिमाही में बिक्री पर सकारात्मक असर देखेंगे और हमें उम्मीद है कि यह पिछले साल की तुलना में बेहतर होगा।'

2जी ग्राहकों की गिरावट में नरमी से स्मार्टफोन की बिक्री पर असर

2जी ग्राहकों की गिरावट में कमी भी एक अन्य चुनौती है। इससे स्मार्ट फोन की बिक्री पर असर पड़ा है क्योंकि उम्मीद थी कि ये ग्राहक जल्द ही 4जी फोन में अपग्रेड हो जाएंगे। काउंटर प्वाइंट के अनुसार, साल 2023 में 2जी ग्राहकों की गिरावट एक साल पहले की तुलना में महज 22 फीसदी थी। यह साल 2022 में 2021 के मुकाबले 21 फीसदी थी। रिसर्च एजेंसी का अनुमान है कि साल 2024 में 2जी ग्राहकों की गिरावट में पिछले साल के मुकाबले 17 फीसदी की कमी आएगी।

शेयरचैट ने जुटाए 4.9 करोड़ डॉलर

भारतीय सोशल मीडिया कंपनी शेयरचैट (मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड) ने लाइटस्पीड, टेमासेक, एल्केन कैपिटल, मूर स्ट्रैटेजिक वेंचर्स और हार्बरवेस्ट जैसे मौजूदा निवेशकों की अगुआई में परिवर्तनीय डिबेंचर के जरिये 4.9 करोड़ डॉलर की रकम जुटाने का दौर पूरा करने का ऐलान किया है।

यह पूंजी जुटाने से कंपनी को विज्ञापन को लक्ष्य बनाने वाली अपनी तकनीक में और निवेश करने के साथ-साथ शेयरचैट लाइव और मोज लाइव पर उपभोक्ता लेनदेन करोबार की वृद्धि जारी रखने में मदद मिलेगी। परिचालन के लिहाज से शेयरचैट ऐप पहले से ही लाभ में है और उम्मीद है कि शॉर्ट वीडियो ऐप मोज अगले कुछ महीने में परिचालन लाभ हासिल कर लेगी।

शेयरचैट और मोज के मुख्य कार्य अधिकारी तथा सह संस्थापक अंकुश सचदेवा ने कहा कि इस नई रकम का इस्तेमाल मुद्रीकरण की हमारी मजबूत योजनाओं को बढ़ावा देने तथा हमें लागत निकालने और उससे आगे की राह पर आगे बढ़ाने के लिए किया जाएगा। *बीएस*

QUANTUM MUTUAL FUND
FOR THOUGHTFUL INVESTORS

Investment Manager: Quantum Asset Management Company Private Limited
1st Floor, Apeejay House, 3 Dinshaw Vachha Road, Backbay Reclamation, Churchgate, Mumbai - 400020
Toll Free No.: 1800-209-3863 / 1800-22-3863 **Email:** CustomerCare@QuantumAMC.com
Website: www.QuantumAMC.com **CIN:** U65990MH2005PTC156152

NOTICE NO. 1 / 2024

NOTICE

Notice is hereby given to the Investors / Unit holders of all the Scheme(s) of Quantum Mutual Fund (Fund) that in accordance with Regulation 59A of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 read with SEBI Master Circular dated May 19, 2023, that Half yearly Statement of the Schemes Portfolio of the Fund for the half year ended March 31, 2024, is hosted on the website of the Company www.QuantumAMC.com and on the website of Association of Mutual Funds in India (AMFI).

Investors / Unit holders can submit a request to receive a physical or electronic copy of the Half yearly Statement of the Schemes Portfolio of the Fund at free of cost either through Short Messaging Service (SMS) - <QMF HYP> to 9243223863 / Telephone - 1800-22-3863 / 1800-209-3863 / Email - Customercare@QuantumAMC.com / Written Request through a physical Letter addressing to Quantum Asset Management Company Private Limited, 1st Floor, Apeejay House, 3 Dinshaw Vachha Road, Backbay Reclamation, Churchgate, Mumbai - 400020.

For Quantum Asset Management Company Private Limited
(Investment Manager – Quantum Mutual Fund)
Sd/-
Jimmy A Patel
Managing Director and Chief Executive Officer
DIN: 00109211

Place: Mumbai
Date: April 10, 2024

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

FEDBANK

फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय : कनकिया वॉल स्ट्रीट, ए–विंग, 5वां तल, यूनिट नंबर 501, 502, 511, 512
अंधेरी कुर्ला रोड, चकला अंधेरी पूर्व मुंबई, महाराष्ट्र – 400093

मांग सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 ("अधिनियम") तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 ("नियमावली") के प्रावधानों के अंतर्गत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (फेडफिना) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधिनियम के अंतर्गत तथा अधिनियम की धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोगांतर्गत, अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग सूचना(यें) निर्गत की थीं, जिसमें/जिनमें निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) को संबंधित सूचना(ओं) में अंकित राशि का, उक्त सूचना/ओं की प्राप्ति की तिथि से 60 दिवसों के अंदर प्रतिभुगतान करने को कहा गया था। अधोहस्ताक्षरकर्ता सकारण मानते हैं कि उधारकर्ता(गण) मांग सूचना(ओं) को प्राप्त करने से बच रहे हैं, अतएव उन्हें सूचना प्राप्त हो इस उद्देश्य हेतु नियमावली के अनुसार, सूचना को उनके पते पर चिपकाकर तथा प्रकाशित करके उन्हें प्रेषित किया जा रहा है। मांग सूचना(ओं) की विषयवस्तु का यहां इसमें निम्नानुसार उल्लेखन किया गया है :–

क्र. सं.	उधारकर्ता / सह–उधारकर्ताओं प्रकरणानुसार संपत्ति धारकों के नाम	प्रतिभूत परिसंपत्तियों /बंधक संपत्ति का विवरण	धारा 13(2) के अंतर्गत निर्गत मांग सूचना की तिथि तथा कुल बकाया
1.	**लैन नं.: FEDDLHLAP0494398** **1. बासुदेव ट्रेडिंग (उधारकर्ता), अपने स्वामी के माध्यम से, 2. बासुदेव कुमार कौशिक उपनाम वासुदेव शर्मा (सह–उधारकर्ता), 3. कंचन कौशिक (सह–उधारकर्ता),** पता : मकान नं. 415, ग्राम साहिबाबाद, आई.ई. साहिबाबाद, गाजियाबाद–201010, अन्य पता यहां पर भी : मकान सं. 288, खसरा सं. 429, ग्राम साहिबाबाद (कुंआ वाली गली), लोनी, जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201010	मकान नं. 288, क्षेत्राधिमापन 140 वर्ग गज अर्थात् 117.054 वर्ग मीटर, खसरा सं. 429, एंडरून आबादी ग्राम साहिबाबाद (कुंआ वाली गली), परगना लोनी, तहसील एवं जनपद गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)। संपत्ति निम्नानुसार परिसीमित है : उत्तर– अन्य संपत्ति, पूर्व– सड़क 16 फुट, दक्षिण– संपत्ति का भाग, पश्चिम– सत्यदेव की संपत्ति।	**दिनांक : 08/04/2024 रु. 31,04,706.94/– (रुपये इकतीस लाख चार हजार सात सौ छह एवं चौरानबे पैसे मात्र) 05/04/2024 के अनुसार एनपीए दिनांक : 04–01–2024**

उधारकर्ता(ओं) को एतदद्वारा सलाह दी जाती है कि वे मांग सूचना(ओं) का पालन करें और इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर यहां इसमें उपरोक्त उल्लिखित मांग राशि का, लागू ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, बाउंस शुल्क, लागत सहित और भुगतान की प्राप्ति की तिथि तक हुये व्यय के साथ भुगतान करें। उधारकर्ता(गण) ध्यान दें कि **फेडफिना** एक प्रतिभूत लेनदार है और उधारकर्ता(ओं) द्वारा प्राप्त की गई ऋण सुविधा, अचल संपत्ति/संपत्तियों के समक्ष एक प्रतिभूत ऋण है जो कि उधारकर्ता(ओं) द्वारा बंधककृत प्रतिभूत परिसंपत्ति(यां) है। यदि उधारकर्ता(गण) निर्धारित समय के भीतर अपनी देनदारियों का पूर्ण रूप से निर्वहन करने में विफल रहते हैं, तो **फेडफिना** अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) का अधिग्रहण करने के लिए सभी अधिकारों का उपयोग करने का हकदार होगा, जिसमें निम्न शामिल हैं किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं: बिक्री के माध्यम से या अधिनियम और उसके तहत विरचित नियमों के तहत उपलब्ध किसी अन्य उपाय को लागू करने और भुगतान प्राप्त करने के लिए उसी को स्थानांतरित करने तक सीमित नहीं है। **फेडफिना** को बिक्री या हस्तांतरण के अधिकार को लागू करने से पहले प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) को अटैच और/या सील करने का भी अधिकार है। प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) की बिक्री के बाद, **फेडफिना** को उस स्थिति में, जब बंधककृत संपत्तियों का मूल्य **फेडफिना** को देय भुगतानयोग्य राशि को पूरा करने के लिए अपर्याप्त होता है, बकाया राशि की वसूली के लिए अलग से कानूनी कार्यवाही शुरू करने का भी अधिकार है। यह उपाय किसी भी अन्य कानून के तहत **फेडफिना** को उपलब्ध अन्य सभी उपचारों के अतिरिक्त और स्वतंत्र उपाय है।
उधारकर्ता(ओं) का ध्यान, प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) को ऋणमुक्त करने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13(8) की ओर तथा इसके बाद अधिनियम की धारा 13(13) की ओर आकृष्ट किया जाता है, जिसके द्वारा उधारकर्ता(ओं) को **फेडफिना** की पूर्व लिखित सहमति के बिना प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) का निस्तारण करने अथवा उनका लेन–देन करने से अथवा किसी भी प्रतिभूत परिसंपत्ति(यों) को बिक्री, पट्टे के माध्यम से अथवा अन्यथा (व्यापार के सामान्य अनुक्रम के अतिरिक्त) हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित/निषिद्ध किया जाता है तथा उपरोक्त का पालन न करना, उक्त अधिनियम की धारा 29 के तहत एक दंडनीय अपराध है। मांग सूचना की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास उपलब्ध है और उधारकर्ता(गण), यदि वे चाहें, तो किसी भी कार्यदिवस पर सामान्य कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता से प्रति प्राप्त कर सकते हैं।
टिप्पणी :– कृपया सरफॉएसि अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत निर्गत पूर्ववर्ती सूचना दिनांकित 18/01/2024 की अनदेखी करें तथा इस सूचना को आधिकारिक मांग सूचना के रूप में मानें–समझें।

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड

दिनांक : 16–04–2024
स्थान : गाजियाबाद

अंबुजा सीमेंट्स करेगी तमिलनाडु में ग्राइंडिंग इकाई का अधिग्रहण

अमृता पिल्लै
मुंबई, 15 अप्रैल

गौतम अदाणी के निवेश वाली अंबुजा सीमेंट्स ने दक्षिण भारत के बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए तमिलनाडु में कुल 413.75 करोड़ रुपये में एक ग्राइंडिंग इकाई का अधिग्रहण करने के लिए करार किया है। कंपनी ने आज यह जानकारी दी। अंबुजा सीमेंट्स ने अपने बयान में कहा कि उसने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में माई होम इंडस्ट्रीज से 15 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता हासिल करने के लिए निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण के लिए आंतरिक स्रोतों से रकम का इंतजाम किया गया है और इससे अदाणी समूह की सीमेंट क्षमता 7.89 करोड़ टन प्रति वर्ष हो गई है। इस अधिग्रहण से तमिलनाडु और केरल के दक्षिणी बाजारों के तटीय इलाकों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में मदद मिलेगी। बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु में चूना पत्थर की सीमित उपलब्धता से सांघीपुरम संयंत्र से क्लिंकर की तटवर्ती इलाकों में आवाजाही की वजह से अद्वितीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। इससे किफायती लागत का परिचालन भी सुनिश्चित होगा। अंबुजा सीमेंट्स ने पिछले वित्त वर्ष में सांघी इंडस्ट्रीज से सांघीपुरम संयंत्र का अधिग्रहण किया था।

अदाणी सीमेंट्स के मुख्य कार्य अधिकारी अजय कपूर ने कहा, 'बुनियादी ढांचे और भौगोलिक लाभों के अलावा अंबुजा सीमेंट्स को मौजूदा डीलर नेटवर्क भी मिलेगा। कंपनी वर्तमान कर्मचारियों को बनाए रखेगी जिससे इस बदलाव को सुचारु रूप से अंजाम देने में मदद मिलेगी।' वर्तमान में अदाणी अपने सीमेंट वॉल्यूम का 10 प्रतिशत दक्षिणी बाजार में बेचती है। यह अभी तक सबसे छोटा बाजार है।

भारत में पहले शोरूम के लिए जगह तलाश रही टेस्ला

रॉयटर्स
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला इस साल के अंत में भारत में बिक्री शुरू करने से पहले नई दिल्ली और मुंबई में अपने संभावित शोरूम के लिए जगह तलाशने पर विचार कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने यह जानकारी दी है।

चार वर्षों में पहली बार पहली तिमाही में अपने वैश्विक वाहन डिलिवरी में गिरावट देखने वाली टेस्ला नए बाजारों में विस्तार करने का प्रयास कर रही है। योजना की जानकारी रखने वाले ने एक व्यक्ति ने कहा कि कंपनी 3 हजार से 5 हजार वर्ग फुट (280-645 वर्ग मीटर) के शोरूम के साथ-साथ शहर में एक सर्विस सेंटर के साथ शुरुआत करना चाह रही है।

रविवार को दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं टेस्ला के ईलॉन मस्क

अलग-अलग सूत्रों ने कहा कि वाहन निर्माता भारत में निर्यात के लिए जर्मनी में अपने संयंत्र से राइट हैंड ड्राइव (दाहिनी ओर से चलने वाली कारें) कारों का उत्पादन शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने उन वाहन निर्माताओं के लिए इलेक्ट्रिक वाहन आयात कर को 100 फीसदी से कम कर 15 फीसदी कर दिया जो देश में 50 करोड़ डॉलर का निवेश करेंगे और एक कारखाना लगाएंगे। टेस्ला के मुख्य कार्य अधिकारी ईलॉन मस्क रविवार को दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं और इस दौरान उम्मीद की जा रही है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के दौरान निवेश की घोषणा कर सकते हैं। मोदी और मस्क की इससे पहले पिछले साल जून में न्यूयॉर्क में मुलाकात हुई थी।

सूत्रों में से एक बताया कि टेस्ला के अधिकारियों ने पिछले महीने से जगह तलाशना शुरू कर दिया है और वे वे हाई स्ट्रीट और मॉल वाली जगहों को देखने के लिए कई रियल एस्टेट डेवलपरों के साथ बातचीत भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी जल्द निर्माण करना चाहती है ताकि शोरूम इस साल शुरू हो सके। हालांकि, सूत्रों ने अपनी पहचान उजागर करने से इनकार कर दिया क्योंकि ये चर्चा अभी गोपनीय है।

ओला इलेक्ट्रिक ने घटाए एस1 एक्स मॉडल के दाम

इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने सोमवार को अपने प्रवेश-स्तर के मॉडल एस1 एक्स के सभी संस्करणों की कीमतों में 5,000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक की कटौती कर दी। कीमतों में इस कटौती के साथ ही ओला का यह इलेक्ट्रिक स्कूटर अब परंपरागत स्कूटर मॉडलों के आसपास पहुंच गया है। ओला ने एस1 एक्स मॉडल को इस साल फरवरी में 79,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर पेश किया था। इसके सबसे उन्नत संस्करण की कीमत 1,09,999 रुपये रखी गई थी। ओला इलेक्ट्रिक के मुख्य विपणन अधिकारी अंशुल खंडेलवाल ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि इस प्रवेश-स्तर के स्कूटर की कीमतें तत्काल प्रभाव से कम कर दी गई हैं और अगले सप्ताह से इनकी आपूर्ति भी शुरू हो जाएगी। *भाषा*

वेदांत ने लिया 3,918 करोड़ रु का ऋण

खनन समूह वेदांत लिमिटेड ने पावर फाइनैंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) से 11 साल के लिए 3,918 करोड़ रुपये का ऋण हासिल किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस धनराशि से वेदांत को अपनी बिजली परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी। जानकार सूत्रों ने बताया कि समूह की योजना वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत में अपने बिजली कारोबार की परिचालन क्षमता को 4.8 गीगावॉट तक बढ़ाने की है। यह ताजा वित्तपोषण, एनसीएलटी द्वारा संचालित दिवाला प्रक्रिया में 28 दिसंबर को वेदांत समूह द्वारा मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड के अधिग्रहण के बाद हुआ है। मीनाक्षी एनर्जी के पास आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में कोयला आधारित बिजली संयंत्र है।

वेदांत ने दो बिजली संयंत्रों - आंध्र प्रदेश में एक गीगावॉट क्षमता वाली मीनाक्षी एनर्जी लिमिटेड और छत्तीसगढ़ में 1.2 गीगावॉट क्षमता वाली एथेना पावर का अधिग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि वित्त पोषण से मिली राशि का मुख्य रूप से इन दो प्रमुख बिजली संयंत्रों के लिए उपयोग करेगा। *भाषा*

'डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाली कंपनियों के लिए भारत पसंदीदा स्थल'

प्रौद्योगिकी उद्योग के शीर्ष संगठन नैसकॉम ने सोमवार को कहा कि डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाले उद्यमों के लिए भारत शीर्ष प्राथमिकता वाला देश बना हुआ है। साथ ही यह उम्मीद है कि कंपनियां एआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाएंगी।

नैसकॉम ने यह बात 'डिजिटल उद्यमों की परिपक्वता 5.0: एआई के युग में डिजिटल तैयारी' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कही है। यह 11 प्रमुख क्षेत्रों और सात प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में 550 उद्यमों के सर्वेक्षण पर आधारित है। सर्वे में पाया गया कि बीते वर्ष देश में 71 प्रतिशत उद्यमों ने अपने तकनीकी खर्च का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा डिजिटल पर व्यय किया। इसमें कहा गया है 'लगभग 90 प्रतिशत कंपनियों ने 2024 में एआई, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन सहित प्रमुख डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने की योजना का संकेत दिया है।'

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही तक कंपनियों का ध्यान मुख्य रूप से साइबर सुरक्षा की ओर होने की उम्मीद है। इसका कारण काफी संख्या में कंपनियों ने 'जेनेरिक एआई' अपनाने की बात कही है। यह बीते साल एक प्रमुख तकनीक के रूप में उभरी है। नैसकॉम ने कहा कि 'जेनरेटिव एआई' में जो प्रगति हुई है, उसमें डिजिटल प्रतिभा पर अधिक जोर दिया गया है। सर्वे में 83 प्रतिशत उद्यमों ने कहा कि उनके कुल कार्यबल का छह प्रतिशत से अधिक डिजिटल भूमिकाओं में हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक, बीएफएसआई, उच्च प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन के साथ ही ऊर्जा और बिजली कंपनियों जैसे क्षेत्र अपने डिजिटल सेवा अनुबंधों का विस्तार कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि भारत अपने डिजिटल सेवाओं के पोर्टफोलियो को बनाने और विस्तार देने का लक्ष्य रखने वाली कंपनियों के लिए पसंदीदा 'आउटसोर्सिंग' गंतव्य बना हुआ है। *भाषा*

दिल्ली संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ.प्र. से मुद्रित एवं नेहरू हाउस, 4, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नईदिल्ली से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. DELHIN/2008/27804 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स - 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं

सवाल जवाब

मैंने भारतीय बाजार में निवेश का मौका गंवाया

भारतीय शेयर बाजार ने काफी तेजी दर्ज की है। हाल में सेंसेक्स ने पहली बार 75,000 का आंकड़ा पार किया था। रोजर्स होल्डिंग्स के चेयरमैन जिम रोजर्स ने पुनीत वाधवा के साथ एक वीडियो साक्षात्कार में बताया कि भारतीय शेयर बाजार में उत्साह बहुत ज्यादा बढ़ रहा है। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंशः

लगभग हरेक परिसंपत्ति वर्ग – इक्विटी, ब्याज दर, बॉन्ड यील्ड, क्रिप्टोकरेंसी, रियल एस्टेट, गोल्ड और कच्चा तेल- में तेजी का रुझान है। बढ़ते उत्साह के बीच क्या यह समय सतर्क रहने का है?

पिछले समय में जब इस तरह के रुझान देखे जाते थे तो इससे अक्सर समस्याएं बढ़ती थीं। हाल में चीन को छोड़कर कई बाजारों में शेयर कीमतें बढ़ी हैं। चीन में शेयर कीमतों पर दबाव बना हुआ है। दुनिया में लगभग हर जगह हालात उत्साहजनक हो रहे हैं। बाजार में नए लोग आ रहे हैं और उत्साह बढ़ रहा है। ऐतिहासिक रूप से इससे समस्याओं को बढ़ावा मिलता है।

क्या आप मानते हैं कि इस बार हालात अलग रह सकते हैं?

ये बेहद चुनौतीपूर्ण शब्द हैं- 'इस बार हालात अलग रहेंगे'। यदि आप किसी को ऐसा कहते हुए सुनते हैं तो चिंतित हो जाइए। हालात कभी अलग नहीं होंगे। जब बात पैसे और निवेश की हो तो इंसान हमेशा समान रुख अपनाएगा।

पश्चिम एशिया में भूराजनीतिक हालात को आप किस नजरिये से देखते हैं? कच्चे तेल और सोने पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

पश्चिम एशिया में गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं। यदि मौजूदा स्थिति पूरी तरह युद्ध में तब्दील हुई तो इससे बाजार, कच्चे तेल और सोने पर प्रभाव पड़ेगा। तेल कीमतें आसमान पर पहुंच जाएंगी और इसलिए सोना भी चढ़ेगा। बाजार ढह जाएंगे। युद्ध का परिणाम शेयर बाजारों के लिए कभी अच्छा नहीं रहा है।

भूराजनीतिक हालात बदतर हुए तो सोने और कच्चे तेल की कीमतों में कितनी वृद्धि देख सकते हैं?

मेरे पास तेल और सोना है, युद्ध की वजह से नहीं बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे दुनियाभर में कच्चे तेल की किल्लत नजर आ रही है। दूसरी तरफ, सोने की कीमतें अब कुछ समय से कमजोर पड़ी थी। लेकिन इनमें फिर से तेजी आनी शुरू हो गई है। भूराजनीतिक चिंताओं से सोने की कीमतों में तेजी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए, मैं सोना नहीं बेच रहा हूं। यदि आज मुझे कुछ खरीदना होता तो मैं फिर से चांदी खरीदूंगा। चांदी की कीमतें अपने सर्वाधिक ऊंचे स्तर से काफी नीचे आई हैं।

क्या अमेरिका में मुद्रास्फीति के ताजा आंकड़े से अमेरिकी फेड द्वारा दर कटौती के संबंध में आपकी उम्मीद भी धूमिल पड़ी है? अमेरिकी चुनाव परिणाम का फेड की नीति पर कितना असर पड़ेगा?

कई केंद्रीय बैंकरों को नहीं पता कि वे क्या कर रहे हैं। वे नौकरशाह और शिक्षाविद हैं जिनके पास सरकारी नौकरी है। कुछ साल पहले भारत में अच्छे केंद्रीय बैंक थे। लेकिन यदि आप इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि ज्यादातर केंद्रीय बैंकर यह नहीं जानते थे कि उन्हें क्या करना चाहिए। आपको अभी अमेरिकी केंद्रीय बैंक पर बहुत भरोसा है, लेकिन वह भी नहीं जानता कि क्या करना चाहिए। मुद्रास्फीति फिर से बढ़ेगी और तब उन्हें फिर से दरें बढ़ानी होंगी। इस वजह से हम सभी को चुनौती का सामना करना होगा। शायद यह शेयर बाजारों के लिए तिनके का सहारा हो।

अगले 6 से 12 महीनों के दौरान भारतीय शेयर बाजार की चाल कैसी रह सकती है?

भारतीय शेयर बाजार का सफर शानदार रहा है। मेरे पास भारतीय शेयर नहीं हैं, लेकिन अगर मेरे पास होते तो मैं उन्हें अभी नहीं बेचता।

क्या अब आप भारतीय शेयर खरीदना पसंद करेंगे?

यह तभी संभव होगा, जब शेयर कीमतें काफी नीचे गिर जाएं। मुझे महंगे शेयर रखना और ऐसे समय में बाजार में प्रवेश करना पसंद नहीं, जब वह सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर हो। मैंने भारतीय शेयर बाजार में निवेश का अवसर गंवा दिया है और ऐसा पहली बार नहीं हुआ।

भारतीय बाजार के संबंध में आपकी मुख्य चिंता क्या है?

मुख्य चिंता यह है कि जल्द पैसा कमाने के चक्कर में शेयर बाजार में तेजी से नए निवेशक आ रहे हैं। ऐसे हालात पहले भी देखे गए और अभी भी बने हुए हैं। इन सबसे समस्याएं बढ़ जाती हैं। भारतीय बाजार में उत्साह काफी ज्यादा बढ़ रहा है। बाजार में भरोसा पैदा हो रहा है, वे ज्यादा उत्साहित और आक्रामक हैं। इससे आखिरकार समस्याओं को बढ़ावा मिलेगा।

ऐसे कौन से क्षेत्र हैं, जिनमें आप मूल्यांकन गिरने पर निवेश करना पसंद करेंगे?

शायद भारतीय पर्यटन। भारत एक दिन दुनिया में सबसे शानदार पर्यटन स्थलों में से एक बन सकता है। यदि मुझे किसी सस्ती भारतीय पर्यटन कंपनी में निवेश का मौका मिलेगा तो मैं निवेश करूंगा। यदि कोई अपनी जिंदगी में सिर्फ एक देश की यात्रा कर सका है, तो शायद वह होगा भारत। दुनिया में इसके जैसा देश नहीं है। यहां आकर्षक पर्यटन संभावनाएं हैं। यही वजह है कि मुझे अगर यहां किसी अच्छी टूरिज्म कंपनी में निवेश का अवसर मिलेगा तो निश्चित तौर पर करूंगा।

स्मॉलकैप योजनाओं में सहज हो रहा स्ट्रेस का स्तर

बड़े आकार वाली ज्यादातर स्मॉलकैप योजनाओं ने मार्च में गिरावट के बीच बाजारों में नकदी झोंकी

अभिषेक कुमार
मुंबई, 15 अप्रैल

एसबीआई, ऐक्सिस और क्वांट जैसे फंडों की स्मॉलकैप योजनाओं ने स्ट्रेस टेस्ट के हालिया दौर में नकदी के मोर्चे पर सुधार देखा है। स्मॉलकैप फंड पोर्टफोलियो के 50 फीसदी हिस्से को बेचने के जरूरी दिनों की संख्या मार्च में 12 अग्रणी योजनाओं के मामले में घटकर औसतन 26.7 रह गई जो फरवरी में 27.2 थी।

एसबीआई और ऐक्सिस स्मॉलकैप फंडों ने अपना-अपना नकदी मानक सुधारने में कामयाबी पाई। स्मॉलकैप में उनका निवेश फरवरी के मुकाबले मार्च में बढ़ा। एसबीआई के स्मॉलकैप फंड की स्मॉलकैप होल्डिंग 81 फीसदी से बढ़कर 82 फीसदी हो गई। ऐक्सिस स्मॉलकैप फंड ने भी निवेश में एक फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। हालांकि निप्पॉन इंडिया, एचडीएफसी और कोटक जैसे फंडों की योजनाओं ने अपने पोर्टफोलियो के 50 फीसदी हिस्से को नकदी में बदलने के लिए जरूरी दिनों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की।

मार्च में स्मॉलकैप में गिरावट आई और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 4.5 फीसदी फिसल गया। 30 महीने में मार्च पहला ऐसा महीना रहा जब स्मॉलकैप फंड श्रेणी ने निवेश निकासी का सामना किया।

कम हो रहा दबाव

- स्मॉलकैप फंड पोर्टफोलियो के 50 फीसदी हिस्से को बेचने के जरूरी दिनों की संख्या मार्च में 12 अग्रणी योजनाओं के मामले में घटकर औसतन 26.7 रह गई जो फरवरी में 27.2 थी
- निप्पॉन इंडिया, एचडीएफसी और कोटक जैसे फंडों की योजनाओं ने अपने पोर्टफोलियो के 50 फीसदी हिस्से को नकदी में बदलने के लिए जरूरी दिनों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की
- मार्च में स्मॉलकैप में गिरावट आई और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 4.5 फीसदी फिसल गया
- 30 महीने में मार्च पहला ऐसा महीना रहा जब स्मॉलकैप फंड श्रेणी ने निवेश निकासी का सामना किया

निवेशकों ने पिछले महीने इन फंडों से 94 करोड़ रुपये निकाले।

ज्यादातर स्मॉलकैप योजनाओं ने गिरावट का इस्तेमाल अपनी योजनाओं में नकद निवेश में किया। हालांकि निप्पॉन इंडिया, एचडीएफसी, क्वांट, कोटक और फ्रैंकलिन टेम्पलटन की नकदी में कमी आई लेकिन 10 अग्रणी फंडों में एसबीआई, एचएसबीसी और डीएसपी ने अपनी नकदी होल्डिंग में बढ़ोतरी दर्ज की।

नकदी के आंकड़े उस नए डिस्क्लोजर का हिस्सा हैं जिसे बाजार नियामक सेबी ने अनिवार्य बनाया है। नियामक ने उच्च मूल्यांकन के बावजूद स्मॉलकैप व मिडकैप फंडों में आ रहे मजबूत निवेश को देखते हुए ऐसे टेस्ट की बात कही थी ताकि निवेशकों के बेहतर तरीके से सूचित रखा जा सके।

स्ट्रेस टेस्ट में परिसंपत्तियों को नकदी में बदलने के लिए जरूरी दिनों की संख्या का आकलन किया जाता है, जो अंतर्निहित स्टॉक के हालिया ट्रेडिंग वॉल्यूम पर आधारित होता है। उद्योग निकाय एम्फी की तरफ से तैयार फॉर्मेट में अन्य विशिष्ट शर्तें मसलन कम से कम 10 फीसदी लिक्विड होल्डिंग हटाने के बाद लिक्विडेशन के लिए प्रो-राटा को आधार बनाए जाने को शामिल किया गया है।

एक चौथाई बाजार हिस्सेदारी के साथ ग्रो सबसे बड़ी ब्रोकरेज

खुशबू तिवारी
मुंबई, 15 अप्रैल

वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रोकरेज फर्म ग्रो करीब 23.4 फीसदी बाजार हिस्सेदारी और 85 लाख सक्रिय ग्राहक आधार के साथ देश की सबसे बड़ी ब्रोकरेज फर्म बन गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज ने एनएसई के आंकड़ों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया है कि डिस्काउंट ब्रोकरों ने वित्त वर्ष 2024 में सक्रिय ग्राहक आधार में 77.5 फीसदी और बाजार हिस्सेदारी में 42 फीसदी की उछाल दर्ज की।

जीरोधा ने हालांकि सक्रिय ग्राहक संख्या में सालाना आधार पर 14 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की जो 73 लाख रही। लेकिन उसकी बाजार हिस्सेदारी पहले के 19.6 फीसदी के मुकाबले वित्त वर्ष के आखिर में घटकर 17.9 फीसदी रह गई। इस तरह जीरोधा ग्रो के नीचे खिसक गया।

एनएसई के सक्रिय ग्राहक आधार में पांच अग्रणी डिस्काउंट ब्रोकरों की हिस्सेदारी भी मार्च 2024 में बढ़कर 63.8 फीसदी हो गई। यह मार्च 2023 में 59.9 फीसदी थी। एनएसई में सक्रिय ग्राहकों की संख्या मार्च 2024 में बढ़कर 4.08 करोड़ हो गई जो पिछले साल की इसी अवधि में 3.27 करोड़ थी। इस तरह से ग्राहकों की संख्या में लगातार नौवें महीने बढ़ोतरी दर्ज हुई।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, 5पैसा, अपस्टॉक्स और आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने सक्रिय ग्राहकों की संख्या में क्रमशः 20.9 फीसदी, 15.8 फीसदी, 12.6 फीसदी और 8.7 फीसदी की कमी दर्ज की। सक्रिय ग्राहकों की संख्या में कमी के कारण इन ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार हिस्सेदारी में गंवाई।

वित्त वर्ष 24 में डीमैट खातों की कुल संख्या बढ़कर 15.10 करोड़ हो गई। इस तरह हर महीने औसतन 31 लाख खाते जुड़े।

उद्योग के विशेषज्ञों ने कहा कि निवेशकों के बीच बढ़ती जागरुकता, वित्तीय समावेशन, बाजार का मजबूत प्रदर्शन और डिजिटलीकरण में तेज वृद्धि से बाजारों में भागीदारी बढ़ी है।

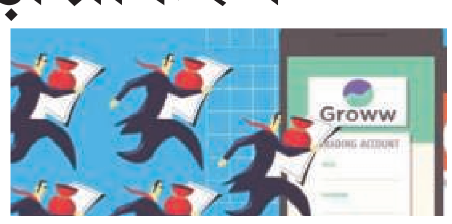

डिस्काउंट ब्रोकरों का जलवा

- ग्रो के पास करीब 23.4 फीसदी बाजार हिस्सेदारी और 85 लाख सक्रिय ग्राहकों का आधार
- डिस्काउंट ब्रोकरों ने वित्त वर्ष 2024 में सक्रिय ग्राहक आधार में 77.5 फीसदी और बाजार हिस्सेदारी में 42 फीसदी की उछाल दर्ज की
- जीरोधा ने हालांकि सक्रिय ग्राहक संख्या में सालाना आधार पर 14 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की लेकिन उसकी बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष के आखिर में घटकर 17.9 फीसदी रह गई

रिटेलरों के लिए चौथी तिमाही

कमजोर मांग का रुझान बरकरार रहने के आसार

शार्लीन डिसूजा
मुंबई, 15 अप्रैल

कम खर्च योग्य आय के साथ साथ पिछले साल की मार्च तिमाही के ऊंचे आधार की वजह से वित्त वर्ष 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान परिधान क्षेत्र के लिए मांग कमजोर बनी रही। ब्रोकरों का कहना है कि जनवरी और फरवरी में कम शादियों की वजह से मांग में सुस्त बनी रही।

आभूषण कंपनियां मार्च तिमाही में सोने की ऊंची कीमतों की वजह से राजस्व में दमदार वृद्धि दर्ज कर सकती हैं। आईआईएफएल सिक्योरिटीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'टाइटन ने आभूषण व्यवसाय में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। हमें 13.3 प्रतिशत (सराफा छोड़कर) एबिट मार्जिन का अनुमान है।' ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि टाइटन मध्यावधि में करीब 18 प्रतिशत की वृद्धि बरकरार रखने में सक्षम रहेगी, क्योंकि उसे असंगठित से संगठित क्षेत्र की ओर जाने के रुझान का फायदा मिल रहा है।

ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि परिधान सेगमेंट में उसके कवरेज से जुड़ी रिटेल कंपनियां 21 प्रतिशत की समेकित राजस्व वृद्धि दर्ज कर सकती हैं। ट्रेंट को छोड़कर उसे यह वृद्धि 11 प्रतिशत रहने का अनुमान है। फिलिप कैपिटल ने इस क्षेत्र पर अपनी रिपोर्ट में कहा है, 'मार्च का प्रदर्शन पिछले महीनों के मुकाबले बेहतर रहा क्योंकि उसे त्योहारी मांग से मदद मिली।' जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान छूट भी तुलनात्मक रुप से कम थी।

वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में खपत बढ़ सकती है क्योंकि मझोले और छोटे शहरों के बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखे हैं। एमके ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ऊंचे आधार के कारण फैशन, अपैरल और इनरवियर से संबंधित रुझान कमजोर बना हुआ है। उसकी रिपोर्ट में कहा गया है, 'पेज इंडस्ट्रीज/आदित्य बिड़ला फैशन ऐंड रिटेल के लिए एक अंक में वृद्धि का अनुमान है। गोकलर्स द्वारा इससे बेहतर प्रदर्शन किए जाने की संभावना है।'

मोतीलाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि उसे अनुमान है कि पेज इंडस्ट्रीज अपने राजस्व में सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करेगी। तिमाही के दौरान सकल मार्जिन और एबिटा मार्जिन सालाना आधार पर क्रम से 150 आधार अंक/430 आधार अंक बढ़ने का अनुमान है। आईआईएफएल का मानना है कि ट्रेंट की बिक्री में 51 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जाएगी और उसे खासकर स्टोरों की संख्या बढ़ने तथा जूडियो में प्रति वर्ग फुट बिक्री में सुधार आने से मदद मिल रही है।

उसने यह भी कहा है, 'तिमाही के अंत में, वेस्टसाइड और जूडियो स्टोरों की संख्या 225 और 518 थी, जिससे वित्त वर्ष 2024 में क्रम से 11 और 166 स्टोर जुड़ने का पता चलता है।' ब्रोकरेज ने यह भी कहा है कि वी-मार्ट ने मार्च तिमाही के दौरान 10 स्टोर बंद किए और उसके स्टोरों की कुल संख्या 444 रही। उसका मानना है कि लंबी सर्दी से खुदरा विक्रेता को फायदा होना चाहिए।

रिटेलरों की मुश्किलें बरकरार

- आभूषण कंपनियां राजस्व में मजबूत वृद्धि दर्ज कर सकती हैं
- मध्यावधि में टाइटन 18 प्रतिशत वृद्धि दिखा सकती है
- परिधान सेगमेंट में रिटेल कंपनियां 21 प्रतिशत तक की समेकित राजस्व वृद्धि दर्ज कर सकती हैं पर ट्रेंट को छोड़कर यह वृद्धि 11 प्रतिशत रहने का अनुमान है
- वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में खपत बढ़ सकती है क्योंकि मझोले और छोटे शहरों के बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखे हैं

ज़ी-सोनी विलय को चुनौती देने वाली याचिका पर 17 मई को एनसीएलएटी में सुनवाई

बीएस संवाददाता
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

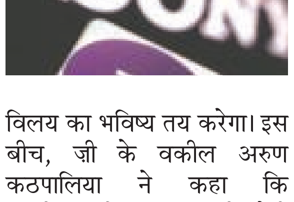

नैशनल कंपनी लॉ अपील ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने सोमवार को कहा कि ज़ी-सोनी के विलय को चुनौती देने वाली याचिका पर वह 17 मई को सुनवाई करेगा। ऐक्सिस फाइनैंस और आईडीबीआई ने विलय को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। सुनवाई से पहले आईडीबीआई और ऐक्सिस फाइनैंस एनसीएलटी के फैसले का इंतजार करना चाहती हैं। उन्होंने अपील ट्रिब्यूनल से अनुरोध किया है कि एनसीएलटी के मुंबई पीठ में विलय को आगे बढ़ाने वाली ज़ी की याचिका पर फैसले तक इंतजार किया जाना चाहिए।

एनसीएलटी के मुंबई पीठ में दाखिल याचिका लंबित है और इस पर 25 अप्रैल को सुनवाई हो सकती है। आईडीबीआई बैंक की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि एनसीएलटी में ज़ी की याचिका पर होने वाला फैसले का इस पर असर होगा क्योंकि यह विलय का भविष्य तय करेगा। इस बीच, ज़ी के वकील अरुण कठपालिया ने कहा कि एनसीएलएटी का मामला ज़ी-सोनी विलय को मंजूरी के खिलाफ अपील है जबकि एनसीएलटी में विलय के क्रियान्वयन का मामला चल रहा है।

दो साल तक चली बातचीत के बाद सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने जनवरी में विलय करार समाप्त करने के लिए ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड को टर्मिनेशन नोटिस जारी किया था। सोनी समूह के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक ने ज़ी से टर्मिनेशन शुल्क के तौर पर 9 करोड़ डॉलर की मांग भी की है।

इस नोटिस पर टिप्पणी करते हुए ज़ी ने कहा था कि वह शेयरधारकों के हितों की सुरक्षा के लिए हर तरह के कदम उठाएगी।

भारतीय रियल एस्टेट में पीई सौदों का मूल्य एक तिहाई घटा : एनारॉक

राघव अग्रवाल
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) सौदों का कुल मूल्य वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 30 प्रतिशत घटकर 3.6 अरब डॉलर रह गया है। वित्त वर्ष 20 में यह 5.1 अरब डॉलर था। यह वित्त वर्ष 23 के 4.3 अरब डॉलर से 16 प्रतिशत कम है। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

एनारॉक कैपिटल की 'फ्लक्स : वित्त वर्ष 24 वार्षिक संस्करण' रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच वर्ष के दौरान वित्त वर्ष 21 में सबसे अधिक मूल्य के पीई सौदे हुए थे जिनकी कीमत 6.3 अरब डॉलर थी। वित्त वर्ष 24 में जितने सौदे हुए उनका 40 फीसदी एक ही सौदे से मिला। यह सौदा ब्रुकफील्ड इंडिया रीट और जीआईसी के बीच हुआ था जो 1.4 अरब डॉलर का था।

एनारॉक कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी शोभित अग्रवाल ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में पीई निवेश में गिरावट का कारण वैश्विक व्यापक आर्थिक कारक और भू-राजनीतिक अस्थिरता रही जिससे विदेशी निवेशकों की गतिविधियां कम रहीं।

उन्होंने कहा 'कुल निवेश में विदेशी पूंजी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 24 में घटकर 65 प्रतिशत रह गई जो वित्त वर्ष 20 में 78 प्रतिशत थी। इस तरह वित्त वर्ष 24 में घरेलू निवेशकों का निवेश भारतीय रियल एस्टेट में कुल पूंजी प्रवाह के 29 प्रतिशत तक बढ़ गया है। यह वित्त वर्ष 20 में यह केवल 8 प्रतिशत था।'

पिछले सप्ताह वेस्टियन की एक रिपोर्ट में उसके मुख्य कार्य अधिकारी श्रीनिवास राव ने इस बात पर प्रकाश डाला था कि घरेलू निवेशक भारत की विकास गाथा को लेकर उत्साहित हैं और रियल एस्टेट में निवेश जारी रखे हुए हैं। लेकिन विदेशी निवेशक सतर्क हैं।

रुनाया को आईपीओ के लिए बैंकर की हरी झंडी का इंतजार

भाषा
झारसुगुड़ा (ओडिशा), 15 अप्रैल

वेदांत के कार्यकारी वाइस चेयरमैन नवीन अग्रवाल के दो बेटों की धातु रीसाइकलिंग स्टार्टअप रुनाया ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सभी कागजी कार्यवाही पूरी कर ली है और उसे केवल बैंकरों की हरी झंडी का इंतजार है। रुनाया के सह-संस्थापकों में से एक एवं मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) अनन्या अग्रवाल ने कहा, ' कागजी कार्यवाही की बात करें तो हम तैयार हैं। हम पूरी तरह तैयार हैं।' हालांकि, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) योजना को लेकर कंपनी के पास अभी तक कोई समयसीमा या तारीख नहीं है।

अग्रवाल ने कहा, 'हम अपनी कंपनी बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, निष्पादन के दृष्टिकोण से हम तैयार रहने की कोशिश करते हैं। हम तैयार रहना चाहते हैं और हम सबसे अच्छी कंपनी बनाना चाहते हैं और जब हमारे बैंकर हमें बताते हैं कि यह (आईपीओ के लिए) सही समय है, तब हम आगे बढ़ेंगे।'

रुनाया में पहले ही करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है। कारोबार के विस्तार के लिए अगले 18-20 महीने में अतिरिक्त 700 करोड़ रुपये लगाने की योजना है। उन्होंने कहा, 'इस (700 करोड़ रुपये के निवेश) में हमारे एल्युमीनियम ड्रॉस का विस्तार शामिल होगा। इसमें हमारे जिंक का विस्तार शामिल होगा।''

मुंबई की कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 57,377 टन कचरे की रीसाइकलिंग की और 24,391 टन हरित धातु का उत्पादन किया था। कंपनी को चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अपना राजस्व 1,200 करोड़ रुपये और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है।

दीपक बिल्डर्स ने आईपीओ दस्तावेज जमा कराए

इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनी दीपक बिल्डर्स ऐंड इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेज दाखिल कराए हैं। दीपक बिल्डर्स चालू वित्त वर्ष (2024-25) में आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराने वाली पहली कंपनी है। दस्तावेजों के अनुसार, निर्गम में 1.2 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे और प्रवर्तक दीपक कुमार सिंघल तथा सुनीता सिंघल 24 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। फिलहाल शहर स्थित कंपनी में प्रवर्तकों तथा प्रवर्तक समूह की इकाइयों कह 100 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी ने पिछले सप्ताह आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे। दस्तावेज के अनुसार, 95 करोड़ रुपये की धनराशि का इस्तेमाल कंपनी की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए और 30 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज चुकाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

एस्टर ने प्रति शेयर 118 रुपये के विशेष लाभांश की दी मंजूरी

एस्टर डीएम हेल्थकेयर के निदेशक मंडल ने जीसीसी व्यवसाय की बिक्री से प्राप्त आय में से प्रति शेयर 118 रुपये का विशेष लाभांश देने को मंजूरी दे दी है। कंपनी बयान के अनुसार, शेयरधारकों को विशेष लाभांश का भुगतान 23 अप्रैल 2024 तक किया जाएगा। इतने बड़े लाभांश के बावजूद कंपनी के पास जीसीसी व्यवसाय की बिक्री से मिले 1,500 करोड़ रुपये तब भी बचे रहेंगे। एस्टर डीएम हेल्थकेयर ने हाल ही में अपने भारत और जीसीसी व्यवसायों को अलग करने का फैसला किया था। इसके बाद कंपनी की पूर्ण सहायक कंपनी एफिनिटी होल्डिंग्स लिमिटेड को 90.76 करोड़ अमेरिकी डॉलर नकद मिले थे।

इजरायल पर ईरान द्वारा ड्रोन और मिसाइल से हमले के दो दिन बाद भारतीय अधिकारी सक्रिय

मंत्रालयों के बीच बैठकें व बातचीत शुरू

रुचिका चित्रवंशी, शुभायन चक्रवर्ती, श्रेया नंदी और संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

ईरान और इजरायल के बीच चल रहे तनाव के असर को समझने और आगे की योजना बनाने के लिए नई दिल्ली में सरकारी अधिकारियों ने विभिन्न हिस्सेदारों से बातचीत शुरू कर दी है। इनमें शिपिंग और कंटेनर कंपनियों से लेकर निर्यात संवर्धन परिषद शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि पश्चिम एशिया में संकट की स्थिति को देखते हुए मंत्रालयों के बीच बातचीत भी चल रही है।

अधिकारियों के मुताबिक कच्चे तेल की आवक पर अभी सीधा कोई खतरा नहीं है, लेकिन तेल की कीमतों में वृद्धि को लेकर चिंता बनी हुई है। सोमवार को वाणिज्य सचिव सुनील बड़थ्वाल ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है, वह इस सिलसिले में उपचारात्मक कदम उठाएगी और उचित कार्रवाई करेगी। बड़थ्वाल ने कहा, 'जब भी इस तरह का टकराव पैदा होता है, हम व्यापार की निगरानी और हिस्सेदारों से परामर्श शुरू कर देते हैं। नीतिगत हस्तक्षेप तब शुरू होगा, जब हम समझ लेंगे कि व्यापारियों को किस तरह की समस्याएं हो रही हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार पिछले 2 साल से ज्यादा समय से क्षेत्रीय टकरावों से निपट रही है और विभिन्न क्षेत्रों में निर्यात में विविधता लाने की रणनीति तैयार की गई है। इजरायल पर ईरान द्वारा ड्रोन और मिसाइल से हमले के दो दिन बाद वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि वे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और इस मसले पर संबंधित मंत्रालयों के संपर्क में बने हुए हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच दक्षिणी इजरायल में सोमवार को इजरायल-गाजा सीमा पर ड्रोन को उड़ाते इजरायली सैनिक फोटो-पीटीआई

नई दिल्ली स्थित थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि लाल सागर में जहाजों की आवाजाही बाधित होने के कारण भारत के व्यापार की समस्या जटिल हो सकती है क्योंकि ईरान और इजरायल में नया टकराव शुरू हो गया है।

ईरान और इजरायल के बीच युद्ध के कारण तेल की आवक पर सीधा असर पड़ने की आशंका नहीं है, लेकिन सरकार तेल की वैश्विक कीमतों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंतित है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'हमने हमेशा यह ध्यान रखा है कि कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने पर कठिन स्थिति पैदा हो सकती है। इस स्तर तक पहुंचने से पहले अभी पर्याप्त बफर है। पश्चिम एशिया में लगातार चल रहे संकट के असर के कारण तेल की कीमत हमारी अपेक्षा से कहीं लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती है, जैसा कि हमने पहले अनुमान लगाया था।'

जीटीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस टकराव का संभवतः भारत में पेट्रोलियम की कीमत पर असर नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया में स्थिति बहुत अस्थिर बन गई है। इससे भारत मध्य-पूर्व गलियारा (आईएमईसी) जैसी परियोजनाओं पर असर पड़ सकता है। यह व्यापार गलियारा लंबे समय से कागजों में पड़ा है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि समुद्री मार्ग की सुरक्षा में वृद्धि के कारण लाल सागर के शिपिंग मार्ग प्रभावित हो सकते हैं और इससे भारत का इजरायल और ईरान के साथ कारोबार प्रभावित हो सकता है।

उदाहरण के लिए चावल निर्यातक बहुत चिंतित हैं। सूत्रों ने कहा कि टकराव को देखते हुए लाल सागर से आवाजाही के मसले व अन्य चुनौतियों को लेकर उन्होंने बैठक की है।

तेल मंत्रालय के एक और अधिकारी ने कहा, 'चुनौती यह है कि पड़ोसी देश कई शिपिंग मार्ग संचालित कर रहा है। कच्चे तेल की ढुलाई की दर पहले से ही बढ़ी हुई है। अगर ढुलाई की दर आने वाले समय में और बढ़ती है तो तेल विपणन कंपनियों द्वारा खरीद पर नकारात्मक असर पड़ेगा। हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।'

साल 2023 में वस्तु निर्यात सहित भारत से ईरान को निर्यात 1.7 अरब डॉलर रहा है, जबकि आयात 67.2 करोड़ डॉलर रहा है। भारत से ईरान को भेजी जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में चावल (1.03 अरब डॉलर) और कार्बनिक रसायन (11.3 करोड़ डॉलर) शामिल हैं।

यूक्रेन और गाजा में युद्ध और ईरान समर्थित हूती चरमपंथियों की धमकियों के कारण लाल सागर और अदन की खाड़ी में तनाव बढ़ा है और इसकी वजह से तेल के कारोबार पर असर पड़ा है।

बहरहाल अधिकारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में नए तनाव से भारत के आयात चैनल पर सीधा कोई असर पड़ने की आशंका नहीं है क्योंकि भारत भुगतान की कठिनाइयों के चलते ईरान से तेल नहीं खरीदता है।

साल 2018-19 तक ईरान, भारत का तीसरा बड़ा तेल स्रोत था, जब आयात बढ़कर 12.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया। एक साल से ज्यादा समय तक रूस से कच्चा तेल खरीदने के बाद भारत एक बार फिर पश्चिम एशिया के अपने परंपरागत आपूर्तिकर्ताओं से संबंध बढ़ाने पर विचार कर रहा है। इन देशों से आने वाला कच्चा तेल फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और ईरान के जल क्षेत्र से आता है।

डॉलर के मुकाबले रुपया लुढ़का

अंजलि कुमारी
मुंबई, 15 अप्रैल

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से एशिया की मुद्राओं पर दबाव बढ़ा है। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.45 के निचले स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले रुपया 4 अप्रैल को इस स्तर पर पहुंचा था। यह 10 नवंबर 2023 को 83.48 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर भी पहुंचा था।

रुपये का कारोबार पूरे दिन तक सीमित दायरे में हुआ क्योंकि डॉलर इंडेक्स दिन की शुरुआत में 105.96 से गिरकर 105.90 पर आ गया। डॉलर सूचकांक से 6 प्रमुख मुद्राओं के बॉस्केट में डॉलर की ताकत का पता चलता है।

एलकेपी सिक्योरिटीज में कमोडिटी ऐंड करेंसी के वीपी रिसर्च एनॉलिस्ट जतिन त्रिवेदी ने कहा, 'वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय रुपये ने स्थिरता दिखाई और इसका कारोबार 83.42 से 83.46 रुपये प्रति डॉलर के सीमित दायरे में हुआ। इसने उतार-चढ़ाव की संभावनाओं को खारिज कर दिया। अमेरिकी डॉलर स्थिर रहा और कच्चे तेल की कमजोरी ने लाभ कम कर दिया। ईरान-इजराइल के संघर्ष से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है।'

एशिया की अन्य मुद्राओं की तुलना में सोमवार को रुपये का प्रदर्शन बेहतर रहा। डॉलर के मुकाबले कुछ एशियाई मुद्राओं की कीमत 0.2 फीसदी से 0.4 फीसदी तक गिरी, वहीं 4 पैसे की मामूली गिरावट के साथ रुपया तुलनात्मक रूप से स्थिर रहा। चालू कैलेंडर वर्ष में बांग्लादेश के टका और हॉन्ग कॉन्ग के डॉलर के बाद रुपया सबसे स्थिर मुद्रा रहा है। कैलेंडर वर्ष में अब तक रुपये में 0.3 फीसदी गिरावट आई है, जकि बांग्लादेश का टका और हॉन्ग कॉन्ग का डॉलर क्रमशः 0.1 फीसदी और 0.2 फीसदी गिरा है।

उतार-चढ़ाव को सीमित करने के लिए रिजर्व बैंक संभवतः विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की बिक्री करके हस्तक्षेप कर सकता है।

कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड में वीपी- करेंसी डेरिवेटिव्स ऐंड इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स अनिंद्य बनर्जी ने कहा, 'आज (सोमवार को) बाजार में रिजर्व बैंक मौजूद था। मात्रा कम रही, जिसे देखते हुए हस्तक्षेप बड़े स्तर का नहीं था। उन्होंने संभवतः 50 करोड़ डॉलर के करीब बिक्री की।' पिछले कुछ सत्र से रुपये में गिरावट आ रही है, क्योंकि यूरोपियन सेंट्रल बैंक द्वारा जून में दर में कटौती की उम्मीद के कारण अमेरिका का यील्ड बढ़ रहा है, जबकि अमेरिका में दर में कटौती की संभावना कम हो गई है।

सत्र में चीनी निर्यात की अनुमति देने से इनकार

सरकार ने अक्टूबर में समाप्त होने वाले मौजूदा 2023-24 सीज़न में चीनी निर्यात की अनुमति देने की संभावना से सोमवार को इनकार कर दिया। वर्तमान में चीनी के निर्यात पर अनिश्चित समय तक के लिए प्रतिबंध लगा हुआ है।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने सरकार से 2023-24 सीज़न में 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति देने का अनुरोध किया है। उसे सीज़न के अंत तक पर्याप्त भंडार होने की उम्मीद है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, '' फिलहाल, सरकार चीनी निर्यात पर विचार नहीं कर रही है, हालांकि उद्योग ने इसका अनुरोध किया है।' देश का चीनी उत्पादन चालू 2023-24 सीज़न में मार्च तक तीन करोड़ टन को पार कर गया था। इस्मा ने 2023-24 सीज़न के लिए शुद्ध चीनी उत्पादन अनुमान को संशोधित कर 3.2 करोड़ टन कर दिया है। सरकार ने चीनी उत्पादन 3.15-3.20 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया है। इस बीच, सरकार चीनी मिलों को इस साल इथेनॉल उत्पादन के लिए बी-हैवी श्रेणी के शीरा के अतिरिक्त भंडारण का इस्तेमाल करने की अनुमति देने पर विचार कर रही है। *भाषा*

बताए गए शुल्क के अलावा शुल्क नहीं ले सकते बैंक

अंजलि कुमारी
मुंबई, 15 अप्रैल

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक अधिसूचना में कहा कि कर्ज की पूरी अवधि के दौरान बैंक व नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयां, कर्ज लेने वाले की सहमति के बगैर ऋण देते समय दी गई जानकारी से इतर शुल्क नहीं ले सकती हैं।

अधिसूचना में कहा गया है कि एक अक्टूबर या इसके बाद जारी सभी नए रिटेल और एमएसएमई सावधि ऋण, जिसमें मौजूदा ग्राहकों को दिए गए नए ऋण भी शामिल हैं, को बगैर किसी अपवाद के के केएफएस दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

नियामक ने कहा है, 'ऋण की पूरी अवधि के दौरान उधार लेने वाले की स्पष्ट सहमति के बगैर आरई ऐसा कोई शुल्क, अधिभार आदि नहीं ले सकते हैं, जिसका उल्लेख केएफएस में नहीं किया गया है।'

अधिसूचना में आगे कहा गया है, 'आरई को इन दिशानिर्देशों को जल्द से जल्द लागू करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करनी होगी। किसी भी स्थिति में 1 अक्टूबर 2024 को या उसके बाद मंजूर किए गए सभी नए खुदरा और एमएसएमई सावधि ऋण, जिसमें मौजूदा ग्राहकों को दिए गए नए कर्ज भी शामिल हैं, बिना किसी अपवाद के उपरोक्त दिशानिर्देशों का शब्दशः पालन करेंगे।'

अन्य चीजों के साथ केएफएस में सालाना प्रतिशत दर (एपीआर) शामिल होगी।

मार्च में थोक महंगाई बढ़कर 0.53 प्रतिशत पर

शिवा राजौरा
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

मार्च महीने में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर मामूली बढ़कर 3 महीने के उच्च स्तर 0.53 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह फरवरी में 0.2 प्रतिशत थी। इस तरह से मुद्रास्फीति लगातार 5 महीने से धनात्मक क्षेत्र में बनी हुई है। इसके पहले वित्त वर्ष 2024 के ज्यादातर महीनों में अवस्फीति की स्थिति थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च महीने में फैक्टरी से निकलने वाले माल की महंगाई दर में तेजी मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं, बिजली, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सहित अन्य की कीमत में बढ़ोतरी के कारण आई है।

कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024 में थोक मुद्रास्फीति -0.7 प्रतिशत रही है, जो वित्त वर्ष 2023 में 9.6 प्रतिशत थी। इसमें खाद्य महंगाई 3.2 प्रतिशत रही, जो पहले के वित्त वर्ष के 6.4 प्रतिशत से कम है। वहीं ईंधन (-4.4 प्रतिशत) और विनिर्मित उत्पादों (-1.7 प्रतिशत) की कीमत वित्त वर्ष 2024 के दौरान संकुचित हुई, जो पिछले साल क्रमशः 29.4 प्रतिशत और 5.7 प्रतिशत थी।

खाद्य वस्तुओं की थोक कीमत में तेजी मुख्य रूप से प्याज (56.9 प्रतिशत), आलू (52.9 प्रतिशत) की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण आई है। साथ ही धान (11.7 प्रतिशत), मोटे अनाज (9.04 प्रतिशत) और गेहूं (7.43 प्रतिशत) की कीमत में वृद्धि का भी असर पड़ा। वहीं दालों (17.2 प्रतिशत), सब्जियों (19.52 प्रतिशत) और दूध (4.73 प्रतिशत) की कीमत में इस माह के दौरान कमी आई है। हालांकि फलों (-2.95 प्रतिशत) और प्रोटीन वाली खाद्य सामग्रियों जैसे अंडे, मांस व मछली (-1.86 प्रतिशत) ने कुछ राहत दी है और

माह के दौरान इसकी कीमत में पिछले माह की तुलना में कमी आई है। सूचकांक में 64.2 प्रतिशत अधिभार वाली विनिर्मित वस्तुओं के दाम में लगातार तेरहवें महीने मार्च में भी अवस्फीति (-0.85 प्रतिशत) बनी रही। इसमें टेक्सटाइल (-1.68 प्रतिशत), कागज (-5.71 प्रतिशत), रसायन (-4.64 प्रतिशत), धातुओं (-5.34 प्रतिशत) और फर्बिश्ड स्टील (-7.22 प्रतिशत) व अन्य की कीमतों में गिरावट ने अहम भूमिका निभाई।

ईंधन की कीमत में संकुचन (-0.77 प्रतिशत) लगातार 11वें महीने जारी रही। इसमें हाई स्पीड डीजल (-3.51 प्रतिशत), रसोई गैस (-10.19 प्रतिशत) और पेट्रोल (-0.94 प्रतिशत) ने इस माह के दौरान अहम भूमिका निभाई है। केयर रेटिंग्स में मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा ने कहा कि थोक खाद्य महंगाई में तेजी और अनुकूल आधार का असर कम होने के कारण यहअनुमान है कि आने वाले महीनों में थोक मुद्रास्फीति बढ़ेगी।

उन्होंने कहा, 'जिंसों के वैश्विक दाम में हाल में हुई बढ़ोतरी, खासकर ब्रेंट क्रूड की उच्च कीमतों के कारण औद्योगिक धातुओं की कीमत बढ़ी है। इससे डब्ल्यूपीआई पर ऊपर जाने का दबाव बढ़ेगा। बहरहाल सामान्य मॉनसून और अल नीनो का असर खत्म होने, रबी की फसल की बोआई बेहतर होने के कारण कृषि उत्पादन का सकारात्मक परिदृश्य है, जिससे खाद्य महंगाई कम होगी।

आईटी क्षेत्र में गिरावट से फ्लेक्सी रोजगार हुआ सुस्त

शिवा राजौरा
नई दिल्ली, 15 अप्रैल

वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में फ्लेक्सी स्टॉफिंग उद्योग में नया रोजगार सृजन गिरकर 3.8 प्रतिशत (तिमाही आधार पर) हो गया जबकि इसकी पिछली तिमाही में यह दर 6 प्रतिशत थी। इंडियन स्टॉफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) ने सोमवार को जारी फ्लेक्सी स्टॉफिंग उद्योग की तिमाही रिपोर्ट में कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में रोजगार घटने के कारण फ्लेक्सी स्टॉफिंग में गिरावट आई।

आईएसएफ की रिपोर्ट

- आईटी क्षेत्र की स्टॉफिंग में 2023-24 की तीसरी तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई जबकि इसमें दूसरी तिमाही यह दर 1.5 प्रतिशत थी
- आईएसएफ के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने बताया कि आईटी और आईटीईएस उद्योग में विशेषतौर पर आईटी सेवाओं में सुस्त नियुक्तियां हुईं

शीर्षक रिपोर्ट 'फ्लेक्सी स्टॉफिंग इंडस्ट्री स्टॉफिंग' में विभिन्न क्षेत्रों में चुनिंदा कार्यों के लिए अल्पावधि की नौकरी पर रखने के रुझान की समीक्षा की गई। आईएसएफ प्रमुख क्षेत्रों की औपचारिक स्टॉफिंग कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इन क्षेत्रों में ई-कॉमर्स, रिटेल, तेजी से बढ़ने वाले उपभोक्ता सामान, लॉजिस्टिक्स, विनिर्माण, आतिथ्य, पर्यटन, विमानन और ऊर्जा शामिल हैं।

आईटी क्षेत्र की स्टॉफिंग में 2023-24 की तीसरी तिमाही में 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई जबकि इसमें दूसरी तिमाही यह दर 1.5 प्रतिशत थी। आईएसएफ के अध्यक्ष लोहित भाटिया ने बताया कि हाल के समय में आईटी और आईटीईएस उद्योग में विशेषतौर पर आईटी सेवाओं के क्षेत्र में सुस्त नियुक्तियां हुईं।

उन्होंने कहा, 'जीसीसी और गैर आईटी कंपनियों का आईटी विभाग नए श्रमबल को जोड़ रहा है और इसमें आईएसएफ कंपनियों की स्टॉफिंग भी शामिल है। ऐसा लगता है कि इन सेवाओं में इतना विस्तार नहीं हुआ कि वे आईटी सेवाओं में आई गिरावट की भरपाई कर पाते। लिहाजा इस तिमाही में स्टॉफिंग रोजगार के शुद्ध इजाफे में गिरावट नजर आई। दरअसल, आईटी सेवाएं अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं, भूराजनीतिक प्रभाव और ग्राहकों व आईटी सेवाओं के मार्जिन दबाव के कारण प्रभावित हुई हैं।'

दूसरी तरफ अन्य क्षेत्रों में स्टॉफिंग दूसरी तिमाही के 3.8 (तिमाही आधार पर) प्रतिशत से बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई। दरअसल, अन्य क्षेत्रों में ई-कॉमर्स, खुदरा, लॉजिस्टिक्स, विनिर्माण, एफएमसीजी, आतिथ्य, पर्यटन व विमानन आदि के रोजगार में इजाफा हुआ।

आईएसएफ के 100 से अधिक सदस्य हैं। ये सदस्य फ्लेक्सी स्टॉफिंग कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। आईएसएफ मान्यता प्राप्त रोजगार के लिए प्लेटफॉर्म मुहैया कराता है। इससे अस्थायी श्रम बल को काम करने की पसंद और सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलता है। भारत के कुल श्रम बल में अस्थायी श्रमबल खासी हिस्सेदारी निभाता है।

वित्त वर्ष 2024 में 3 फीसदी घटा निर्यात

पृष्ठ 1 का शेष...

जनवरी के लिए सेवा व्यापार का आंकड़ा अनुमानित है, जिसमें भारतीय रिजर्व बैंक बाद में संशोधन करेगा।

वित्त वर्ष 2024 में देश से वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात महज 0.04 फीसदी बढ़कर 776.68 अरब डॉलर रहा। सबनवीस ने कहा, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार आने पर वित्त वर्ष 2025 में हमें वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में तेजी की उम्मीद है। देश में मांग बढ़ने से आयात भी बढ़ सकता है। जिंसों के अंतरराष्ट्रीय दाम स्थिर हैं मगर भू-राजनीतिक संघर्ष बढ़ने से जोखिम बना हुआ है।' निर्यातकों के संगठन फियो के अध्यक्ष अश्वनी कुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में हालिया तनाव, खास तौर पर लाल सागर में जहाजों की आवाजाही का जोखिम बना हुआ है, जिससे निर्यातक चिंतित हैं। इसकी वजह से मालभाड़े के साथ बीमा भी महंगा हो गया है।

बीएस सूडोकू 4948

					6			
5	9			1				
			2		5			3
	1			3		6		
9			8					
	7				1	9		
			4		2		7	
	6	1				2		
		3				4		

परिणाम संख्या 4947

1	9	6	8	4	2	5	3	7
7	2	3	9	6	5	8	1	4
5	8	4	1	3	7	9	6	2
2	6	8	4	9	1	7	5	3
3	4	5	6	7	8	2	9	1
9	1	7	2	5	3	4	8	6
4	3	2	5	8	6	1	7	9
6	5	1	7	2	9	3	4	8
8	7	9	3	1	4	6	2	5

कैसे खेलें? बहुत आसान ★☆☆☆☆

हर रो, कॉलम और 3 के बाई 3 के बॉक्स में 1 से लेकर 9 तक की संख्या भरें।

क्षेत्रीय मंडियों के भाव | दिल्ली | उत्तर प्रदेश | राजस्थान | पंजाब

दिल्ली
राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को सोना 300 रुपये की तेजी के साथ 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। इससे पहले के कारोबारी सत्र में सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी भी 500 रुपये के उछाल के साथ 85,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई। इससे पहले के कारोबारी सत्र में यह 85,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में हाजिर सोना 2,355 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद भाव से 12 डॉलर अधिक है। चांदी भी तेजी के साथ 28.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। पिछले सत्र में चांदी 27.84 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई थी।

लखनऊ
गेहूं दड़ा 2390/2400, गेहूं शरबती 3400/3500, चावल शरबती सेला 4400/4600, स्टीम 5000/5100, लालमती 5200/5300, चावल (सोना) 4700/4800, दाल अरहर सवा नं. 14700/15000, पटका 15500/16000, रिजैक्शन 12500/13200, चना दाल 7650/7800, चना देशी छना 7550/7750, चना चापा छना 7650/7850, एग्रो प्योर बेसन 2950, मटर देशी 5400/5600, उड़द साबुत (काला) 12000/12500, दाल उड़द (काली) 11500/13000, उड़द धोया 11000/12800, मसूर छोटी 6200/6300, मलका 7500/7700, किरानाः जीरा 27500/34500, लालमिर्च गुंटूर 24000/28800, हल्दी निजाम फली (50 किलो) 7800/8200, धनिया एमपी 8100/12200, छोटी इलायची (किलो) 1700/2450, बड़ी इलायची 1580/1590, कालीमिर्च (किलो) 620/670, सुपारी (किलो) 470/520, सौंफ मोटी 22000/22800,

कानपुर
गेहूं 2325/2350, जौ 2000/2025, चावल मसूरी 3200/3300, चावल मोटा 3100/3300, देशी चना 6450/6500, चना छना 7400/7600, दाल चना 7500/7800, देशी मटर 5000/5050, पिचकी 3800/ 3850, मटर दाल 5500/5600, अरहर लेमन 11550/ 11600, दाल अरहर 15500 /16700, स्पेशल 14800 /15000,उड़द एसक्यू 10300/10325, एफएक्यू 9850/9900, राजमा चित्रा 9500/13000, मूंग 8300 /8600, मसूर छोटी 6375/6475, छांटी 7300/7400, सरसों 4900/5000, तिल सफेद 14800 /15000, सोया (टीन) 1650/1750, तेल सरसों कच्ची घानी वैट पेड (टीन) 1850/2050, सरसों खल 2750/2800, पामोलिन 1725/1750, वनस्पति घी (यूपी एफओआर) 1625/1725, मधुसूदन देशी घी 7400, वासुदेव 6900, परम प्रीमियम 7400, पदम श्री 7350, लीलाधर 7350, अलसी 5700/5800, धनियाः लोकल 8100/8300,

चंदौसी
(प्रति किलो): मैन्था ऑयल 1022, बोल्ड क्रिस्टल (12 नं.)1168, फ्लैक 1120, सिंथेटिक फ्लैक 1090, डीएमओ 890, टरपीन लैस बोल्ड 1083

मुजफ्फरनगर
गुड़ (40 किलो): लड्डू 1440/1515, खुरपा 1350/1380,चाकू 1380/1470, रसकट 1220/1250, शक्कर 1520 /1550, चौरसा &, चीनी मिल डिली. (क्विं.) (जीएसटी अतिरिक्त): खतौली 3870, टिकोला 3830, देवबंद 3870, थाना भवन 3810, सिम्भावली 3860,

जयपुर
दाल (जीएसटी अतिरिक्त): मूंग मोगर 9500/9700, मोटा 10000/10500, उड़द मोगर 10500/11000, मोटा 11000/11500, चौला मोगर 7500/7600, मोठ मोगर 7900/8000, मूंग दाल छिलका देशी 9000/9200, मलका 6900/7000, अरहर 14800/16000, मटर दाल 5700/5800, चना दाल मीडियम 7000/7100, बोल्ड 7100/7200, दलहनः उड़द साबुत देशी 9400/9500, मटर सफेद 5400/5500, मोठ साबुत 6200/6300, काबली चना 8000/ 11500, चना (डिली.) 6100 /6150, मूंग 7500/7600, राजमा शर्मिली 11000/12000, राजमां चित्रा 10000 /11000, किरानाः हल्दी निजामाबाद 16000/17000, सांगली 17000/19500, हल्दी राजापुरी 21000/26000, लालमिर्च 13000/25000, कालीमिर्च (किलो) 615/700, धनिया 8500/12000, जीरा 25000/32500, अजवायन 19000 /29000, सौंफ 14000/30000, मेथी 6200/6300, मेथी मशीन क्लीन 7000/7100, इमली 3700/3800, गोला टिपटूर 11000/13000,

खन्ना
जीएसटी अतिरिक्त (प्रति क्विं.): राइसब्रान (खाद्य)(प्रति प्वाइंट)135, राइसब्रान (अखाद्य) 130, खल सरसों 2550, डीओसीः राइसब्रान बैच सफेद 1250, लाल &, कंटीन्यूअस 1250, सरसों (टन) 22500, सूरजमुखी (टन) 23000, अनाजः गेहूं 2400/2450, आटा (50 किलो)1360, मैदा 1460, चोकर (45 किग्रा) 1080, चोकर (30 किग्रा) 700, मक्की बिहार नई 2380/2480 **एनएनएस**

डिस्क्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉरपोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए। मै. बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा. लि. का सर्वाधिकार सुरक्षित है बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा. लि. से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस प्रकार का निषिद्ध कार्य किए जाने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

बिज़नेस स्टैंडर्ड
वर्ष 17 अंक 51

निरंतरता का संकेत

भारतीय जनता पार्टी ने लोक सभा चुनाव 2024 के लिए रविवार को अपना घोषणापत्र या संकल्पपत्र जारी किया। इसमें इस बात को रेखांकित किया गया है कि पिछले 10 साल में भाजपा सरकार ने क्या हासिल किया है और यदि वह तीसरे कार्यकाल के लिए भी निर्वाचित होती है तो किस तरह से देश को आगे लेकर जाएगी। आर्थिक लिहाज से देखें तो यह घोषणापत्र कुछ महत्त्वपूर्ण सुधारों के साथ निरंतरता या उपलब्धियों की बुनियाद पर निर्माण का संकेत देता है। पिछले 10 साल में नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे अहम उपलब्धियों में से एक यह रही, जिसकी शायद पर्याप्त सराहना नहीं की गई है, कि उसने व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दिया है। साल 2014 में वृहद आर्थिक परिदृश्य-जब साल 2013 में मुद्रा संकट जैसी स्थिति बन गई थी-आज से काफी अलग था। आज भारत के पास बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है और पिछले एक दशक में अब बैंकिंग प्रणाली सबसे अच्छी स्थिति में है। महामारी के दौरान भारत की संयमित राजकोषीय प्रतिक्रिया और कानूनी रूप से तय महंगाई के लक्ष्य के प्रति केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में मदद की है। इस तरह भाजपा ने वृहद आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराकर अच्छा कदम उठाया है जो कि वृद्धि और विकास के लिए जरूरी है।

दो अन्य जो महत्त्वपूर्ण वादे किए गए हैं, वे हैं- सांख्यिकीय संस्थानों को मजबूत करना और पंचायती राज संस्थाओं में राजकोषीय स्वायत्तता को बढ़ावा देना। इन दोनों प्रतिबद्धताओं से शासन को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश में नीतिगत फैसलों के लिए यह जरूरी है कि आंकड़े समय से मिल जाएं। वैसे तो भारत के पास एक मजबूत सांख्यिकीय व्यवस्था है, लेकिन अर्थव्यवस्था की मांगों की बदलती प्रकृति के साथ तालमेल बनाने के लिए इसमें व्यापक बदलाव करना होगा। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय लेखा के आंकड़े काफी देर से मिलते हैं और इसमें कई बार बड़े संशोधन हो जाते हैं। इससे नीति निर्माण प्रभावित होता है और कारोबार के लिए फैसले लेने में ज्यादा कठिनाई होती है। सांख्यिकीय प्रणाली में सुधार का एक अहम पहलू यह सुनिश्चित करना है कि इस क्षेत्र में कार्यरत संस्थानों को स्वतंत्र और भरोसेमंद बनाया जाए। समय से आंकड़े मिलने लगें तो फैसले करने की प्रक्रिया में सुधार होगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, भारतीय शासन प्रणाली की एक वाजिब आलोचना यह होती है कि यहां सत्ता का पर्याप्त विकेंद्रीकरण नहीं हुआ है। इसका नतीजा यह है कि सरकार के तीसरे स्तर यानी स्थानीय निकाय, जो कि नागरिकों को कई तरह की सेवाओं की आपूर्ति बेहतर तरीके से कर सकते हैं, पर्याप्त रूप से सशक्त नहीं हैं।

इस संबंध में, भाजपा के इस वादे का स्वागत करना चाहिए कि वह पंचायती राज संस्थाओं की वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ावा देगी, हालांकि यह कैसे होगा यह देखना अहम होगा। पिछले वर्षों में देखें तो कुछ संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने के अलावा कुछ खास नहीं किया गया है। जैसा कि इस क्षेत्र के लिए पहले भी यह बात सामने आ चुकी है, अनुदान सहित हर पंचायत का औसत राजस्व साल 2022-23 में महज 21.23 लाख रुपये था। स्थानीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वायत्त और बेहतर बनाने के लिए यह जरूरी है कि उन्हें संसाधन जुटाने में सक्षम बनाया जाए और उनके कोष का पूर्वानुमानित हस्तांतरण हो सके। एक संभावित तरीका यह हो सकता है, जिसके लिए कानूनी बदलाव करना होगा, कि उनको सीधे वित्त आयोग के जरिये संसाधनों का आवंटन किया जाए। वस्तु एवं सेवा कर संग्रह से हासिल राजस्व का एक हिस्सा उन्हें देना भी एक विकल्प हो सकता है। भाजपा के अन्य वादों की बात करें, तो उसने कहा है कि सत्ता में वापस आने पर वह निवेश और बुनियादी ढांचा निर्माण पर जोर देना जारी रखेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार का सृजन होगा। भाजपा का इरादा विनिर्माण क्षेत्र में भी कई पहल करने का है जिससे नौकरियों का सृजन हो। इस परिप्रेक्ष्य में देखें तो व्यापार नीति की समीक्षा करना उपयोगी हो सकता है। निर्यात में सतत तरीके से वृद्धि, आर्थिक विकास और नौकरियों के सृजन, दोनों लिहाज से एक बड़ा वाहक साबित हो सकता है। आर्थिक तर्क के साथ एक बड़ा राजनीतिक वादा 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का है। वैसे तो यह विचार नीतिगत अनिश्चितता को कम करने का वादा करता है, लेकिन उच्चाधिकार प्राप्त समिति द्वारा सुझाए गए आगे के रास्ते पर बड़े पैमाने पर चर्चा होनी चाहिए।

बिनय सिन्हा

नब्बे वर्ष के केंद्रीय बैंक का सराहनीय प्रदर्शन

जब केंद्रीय बैंक अच्छा प्रदर्शन करता है, जब वह सरकार समेत सभी अंशधारकों की सहमति से काम करता है, तो राजनीतिक सत्ता भी उसे उसका काम करने देना चाहती है। बता रहे हैं टी टी राम मोहन

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 90 वर्ष की अवस्था में भी न केवल सुस्थिर बल्कि चपल और फुर्तीला नजर आ रहा है। ऐसे में उसे इस अवसर पर प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री से उचित ही सराहना मिली। आर्थिक उदारीकरण की पूरी प्रक्रिया के दौरान उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। बीते चार-पांच वर्षों में उसका प्रदर्शन खासा उल्लेखनीय है क्योंकि इस दौरान उसके समक्ष कई तरह की चुनौतियां आईं।

2020 में कोविड-19 संकट हमारे सामने आया। उस समय बैंकिंग व्यवस्था पहले ही फंसे हुए कर्ज से जूझ रही थी। 2019-20 में कुल कर्ज में इसकी हिस्सेदारी 8.5 फीसदी हो गई थी। फरवरी 2022 में शुरू हुए यूक्रेन संघर्ष ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अनिश्चित बनाया है। दो दशकों में वैश्विक वृद्धि अपने निचले स्तर पर गिर गई।

इस तनावपूर्ण समय में रिजर्व बैंक ने सभी क्षेत्रों में विश्वसनीय ढंग से काम किया। इसमें मौद्रिक नीति, विदेशी मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता जैसे क्षेत्र शामिल हैं। वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन को सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है। किसी ने नहीं सोचा होगा कि 2020 के महामारी संकट के बाद केवल साढ़े तीन साल में फंसा कर्ज 3.2 फीसदी पर आ जाना मामूली उपलब्धि नहीं है। समय के साथ वित्तीय स्थिरता में योगदान देने वाली कई नीतियां उभरीं। कुछ नीतियां महामारी से निपटने के क्रम में उबरीं। दोनों तरह की नीतियों पर नजर डालना उपयोगी है।

समय के साथ उभरी नीतियों में पहली है नियमन और निगरानी का एकीकृत तरीका। हाल के वर्षों में रिजर्व बैंक ने बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों यानी एनबीएफसी और शहरी सहकारी बैंकों (यूबीसी) के एकीकृत नियमन की दिशा में पहल की है। इससे नियामक को इन कारोबारों के परस्पर संबंध को समझने और कमजोरियों को तत्काल भांपने में मदद मिलती है। दूसरा, रिजर्व बैंक ने हल्के विनियमन से परहेज किया है। वह इस बात में यकीन नहीं करता है कि जोखिम प्रबंधन का काम पूरी तरह बैंकों के बोर्ड और प्रबंधन पर छोड़ा जा सकता है। उसने जरूरत पड़ने पर विस्तृत पहल भी की है।

उदाहरण के लिए बैंकों के लिए लार्ज एक्सपोजर फ्रेमवर्क। तीसरा, रिजर्व बैंक ने बैंक पूंजी के मामले में नियामकीय कर्व से आगे रहने का चयन किया। बेसल मानक जहां 8 फीसदी न्यूनतम पूंजी की बात कहते हैं, वहीं रिजर्व बैंक ने 9 फीसदी की जरूरत बतायी है। समझ यही है कि बैंकिंग में अधिक पूंजी का होना बेहतर है। चौथा, रिजर्व बैंक ने एनबीएफसी का नियमन सख्त किया है। उसका मानना है बड़ी और महत्त्वपूर्ण एनबीएफसी को बैंकों में बदला जाना चाहिए और उन्हें सख्त नियमन के दायरे में लाया जाना चाहिए जो बैंकों पर लागू हैं। पांचवां, रिजर्व बैंक अन्य केंद्रीय बैंकों के उलट लंबे समय से विविध संकेतकों वाले रुख का इस्तेमाल कर रहा है। वह मूल्य स्थिरता, आर्थिक वृद्धि, वित्तीय स्थिरता और वित्तीय समावेशन पर ध्यान देता है। ये संकेतक परस्पर गति देते हैं। सभी संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर नतीजे हासिल करने में मदद मिलती है। छठा, बैंकों में निजी और विदेशी स्वामित्व को लेकर एक खाका है जहां किसी भारतीय में एक कंपनी या संस्था के स्वामित्व की सीमा बताई गई है। विदेशी बैंकों के लिए भी नीति है जहां अनुषंगी मार्ग से आने पर उनके साथ भारतीय बैंकों जैसा व्यवहार किया जाएगा। केंद्रीय बैंक ने महामारी के दौरान भी अनेक रचनात्मक प्रतिक्रियाएं दीं। इनमें से तीन का उल्लेख जरूरी है।

पहला कदम था कर्ज भुगतान पर छह महीने का स्थगन। विश्लेषकों का मानना था कि सभी इसका लाभ लेना चाहेंगे लेकिन केवल 40 फीसदी बकाया कर्ज के लिए यह सुविधा ली गई। जिन लोगों के पास नकदी की दिक्कत नहीं थी उन्होंने समय पर ऋण चुकाना सही समझा।

दूसरा, कॉर्पोरेट और पर्सनल लोन के पुनर्गठन की योजना पेश की गई। विश्लेषकों ने चेतावनी दी कि करीब पांच फीसदी बकाया कर्ज का पुनर्गठन करना होगा। उन्होंने कहा कि इसमें से आधा अनचुकता रह जाएगा और फंसे हुए कर्ज में इजाफा होगा। ऐसा कुछ नहीं हुआ। औसतन कुल कर्ज का केवल 1.5 फीसदी पुनर्गठित हुआ। महज 0.2 फीसदी कॉर्पोरेट ऋण का पुनर्गठन हुआ। ऐसा इसलिए हुआ कि पुनर्गठन के लिए सख्त मानक और निगरानी व्यवस्था तय की गई थी। इनके जरिये फर्जी मामलों को छांटा जाना था। जैसा कि हमने पहले भी कहा फंसे हुए कर्ज का स्तर बढ़ने के बजाय कम हुआ।

मई 2020 में सरकार ने रिजर्व बैंक के साथ चर्चा करके इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस) प्रस्तुत की। आर्थिक मुश्किलों से जूझ रहे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों को पूरी गारंटी वाली इमरजेंसी क्रेडिट लाइन की मदद से तीन लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त फंडिंग प्रदान की गई। कुछ लोगों ने इस योजना को भी एक और लोन मेले की तरह देखा जो बैंक में फंसा हुआ कर्ज बढ़ाने वाली थी। इस योजना के तहत दिए गए कुल कर्ज में 5 फीसदी फंसा कर्ज है। एमएसएमई में मार्च 2023 तक यह औसतन 6.8 फीसदी था। कई अर्थशास्त्री नियामकीय सहनशीलता को सही नहीं मानते। उन्हें लगता है कि इसके अंतर्गत समस्या को भविष्य के लिए टाल दिया जाता है। रिजर्व बैंक ने उन्हें गलत साबित किया। उसने यह दिखाया कि अगर नियामकीय सहनशीलता को सही ढंग से बनाया और क्रियान्वित किया जाए तो इससे सकारात्मक नतीजे हासिल हो सकते हैं।

बैंकिंग में बदलाव से अपेक्षित परिणाम निकले। सरकारी बैंकों के निजीकरण की बात जो बैंकिंग संकट के दौरान जोर पकड़ गई थी वह कमजोर पड़ गई। इन बैंकों की वित्तीय स्थिति में सुधार ही इसकी इकलौती वजह नहीं है। कोई सरकार नहीं चाहती कि उसे सरकारी बैंकों का इस प्रकार निजीकरण करना पड़े जिससे बैंकिंग की स्थिरता के लिए तैयार निजी और विदेशी स्वामित्व ढांचे के साथ समझौता करना पड़े।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास के पद संभालने के पहले लगातार दो गवर्नरों की विवादास्पद विदाई हुई थी। उस समय भारतीय और विदेशी मीडिया में देश के केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता में कमी आने को लेकर कई तरह की बातें हो रही थीं। दास ने दिखाया कि रिजर्व बैंक जरूरी स्वायत्तता का इस्तेमाल कर सकता है और दुनिया भर में उच्च विश्वसनीयता हासिल कर सकता है। वह ऐसा बिना राजनीतिक प्राधिकार से भिड़े कर सकता है।

यहां एक अहम सबक है। स्वायत्तता कोई ऐसी चीज नहीं है जो केंद्रीय बैंक को आसानी से हासिल हो सके। जब केंद्रीय बैंक अच्छा प्रदर्शन करता है, सरकार सहित सभी अंशधारकों के हितों को ध्यान में रखता है तो राजनीतिक प्राधिकार उसे अपने तरीके से काम करने देता है और इस पर प्रसन्न होता है।

क्यों बरकरार है रोजगार निर्माण की समस्या?

मार्च के अंतिम सप्ताह में मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि सरकार सभी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को हल नहीं कर सकती है। उन्होंने इसके लिए बेरोजगारी का उदाहरण दिया। उन्होंने चकित करते हुए कहा कि सरकार बेरोजगारी के मोर्चे पर और लोगों को काम पर रखने के अलावा कर ही क्या सकती है? उन्होंने कहा, 'सामान्य तौर पर रोजगार देने का काम वाणिज्यिक क्षेत्र करता है।' दिसंबर तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8 फीसदी बढ़ा जबकि स्नातकों में बेरोजगारी की दर 40 फीसदी से अधिक है। रोजगारविहीन वृद्धि कोई नया विचार नहीं है। बीते 25 वर्षों में हर सरकार इससे जूझती रही है और इसमें दो कांग्रेसनीत गठबंधन सरकारें शामिल रही हैं। मुझे याद है कि पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार शंकर आचार्य ने इसी समाचार पत्र में अपने स्तंभ में कहा था कि सन 2000 के दशक के मध्य में भी मजबूत वृद्धि के बावजूद रोजगार में इजाफा नहीं हुआ था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में मंत्रियों और अफसरशाहों की टीम थी। सरकार और उसके बाहर के बेहतरीन मस्तिष्क वाले लोगों ने कई योजनाएं तैयार कीं जिनमें रोजगार गारंटी योजना भी शामिल है। परंतु इसका कोई खास लाभ नहीं हुआ। बेरोजगारी ऊंचे स्तर पर बनी रही। मोदी सरकार ने भी कई नीतियां पेश कीं लेकिन बेरोजगारी बनी रही। 2013-14 में जब नरेंद्र मोदी सत्ता पाने के लिए प्रचार अभियान चला रहे थे तो वह अक्सर अपनी चुनावी रैलियों में युवाओं से कहते थे, 'आपको नौकरी चाहिए कि नहीं चाहिए?' नवंबर 2013 में अपने आरंभिक चुनावी भाषणों में से एक में उन्होंने कहा था कि अगर वह सत्ता में आए तो हर साल एक करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे। जनवरी 2018 में जब ज़ी टीवी ने उनसे इस वादे के बारे में पूछा तो मोदी ने कहा कि सड़क पर पकोड़े बेचने वालों को भी रोजगारशुदा लोगों में गिना जाना चाहिए और इस प्रकार देश में बेरोजगारों की संख्या काफी कम है। उनकी इस बात काफी मजाक उड़ाया गया जबकि उनके समर्थकों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उद्यमिता को लेकर सही टिप्पणी की है।

सरकार के लिए रोजगार तैयार करना इतना मुश्किल क्यों है? इसकी एक वजह तो वही है जो नागेश्वरन ने कही, 'कारोबारी क्षेत्र को लोगों को काम पर रखना चाहिए।' लेकिन तब क्या उन्हें खुद से या वाणिज्यिक क्षेत्र से यह नहीं पूछना चाहिए कि वह अधिक रोजगार क्यों नहीं तैयार कर रहा? कारोबारी केवल किसी को काम देने के लिए काम नहीं देते। वे जरूरत पड़ने पर लोगों को काम पर रखते हैं। दुर्भाग्य की बात है कि नेता, बाबू और रोजगार तलाशने वाले मशीनों के बजाय लोगों को काम पर रखने के ही हामी हैं। विनिर्माण और भवन निर्माण के कई काम अब मशीन से होते हैं और कारोबार के लिए यही उपयुक्त है। मनुष्यों को कौशल और बेहतर प्रबंधन की जरूरत होती है तथा किसी के काम छोड़ने पर नए लोगों की जरूरत होती है। यह चुनौतीपूर्ण है लेकिन श्रम आधारित क्षेत्रों मसलन कपड़ा और सेवा क्षेत्र के लिए जरूरी भी है। निश्चित तौर पर यात्रा, परिवहन, स्वागत, स्वास्थ्य सेवा, सॉफ्टवेयर विकास, रखरखाव और मरम्मत, डिजाइन, फाइनैंस और मार्केटिंग के क्षेत्र में कुशल कर्मचारियों की कमी है। इन क्षेत्रों में कुशल लोगों के लिए रोजगार की कमी नहीं। ऐसे में क्या सरकारी नीतियां कारोबारियों को अधिक लोगों को काम पर रखने के लिए प्रेरित नहीं कर सकतीं? यकीनन कर सकती हैं। यह बात हमें रोजगार रहित वृद्धि की दूसरी वजह की ओर ले आती है: 2014 के चुनाव के पहले मोदी ने रोजगार का वादा किया था लेकिन छह साल तक उन्होंने इस दिशा में कुछ नहीं किया। 2014 और 2020 के बीच उनकी पहलें सामाजिक क्षेत्र में रहीं।

अतार्किक विकल्प

देवाशिष बसु

मसलनः स्वच्छ भारत, जन धन, डिजिटल इंडिया, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन, सॉइल हेल्थ कार्ड आदि।

इस अवधि की आर्थिक नीतियां मसलन मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा ऋण और स्टार्टअप इंडिया में नारेबाजी अधिक थी और रोजगार निर्माण पर इसका कोई खास असर नहीं हुआ। नोटबंदी एक तुगलकी योजना थी जिसने छोटे कारोबारों और रोजगारों को नष्ट कर दिया। आश्चर्य नहीं कि भारत की जीडीपी वृद्धि कोविड-19 के पहले गिरकर 5 फीसदी तक आ चुकी थी। ऐसा तब था जबकि जीडीपी के आकलन का तरीका बदलकर आंकड़ों में 1.5 से दो फीसदी तक का इजाफा कर दिया गया था। अर्थव्यवस्था पर इसका बुरा असर पड़ा। हड़बड़ाहट में आकर सरकार ने 20 सितंबर, 2019 में कॉर्पोरेट कर की दरों में नाटकीय कटौती की ताकि कारोबारी अधिक निवेश करें और रोजगार दें। यह कोशिश नाकाम रही क्योंकि कारोबारियों ने रुचि नहीं दिखाई।

बहरहाल, कोविड के बाद के दौर में जीडीपी वृद्धि में इजाफा हुआ और राजस्व में बढ़ोतरी हुई। सरकार के पास नई महत्त्वाकांक्षी नीतियां तैयार करने का अवसर था। इस बार उसने विकास योजनाओं पर जोर दिया और कई दिशाओं में एक साथ पहल कीं। इससे पहले ऐसा कभी नहीं देखा गया था। सरकार ने कोविड-19 के दौरान उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की। उसके बाद रक्षा उत्पादन और निर्यात नीति तथा रेलवे के आधुनिकीकरण की शुरुआत की गई। 2023-24 के बजट में सरकार ने अधोसंरचना के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की असाधारण राशि आवंटित की।

रेलवे, रक्षा उत्पादन, सड़क-परिवहन, शहरी अधोसंरचना, पानी, बिजली आदि क्षेत्रों में क्रियान्वयन नजर आ रहा है। भारतीय वन अधिनियम में नुकसानदेह बदलाव तक किए गए ताकि कथित विकास के मार्ग की बाधा दूर की जा सके। यकीनन इससे रोजगार बढ़ेगा। अगर सरकार चाहती है कि कारोबारी क्षेत्र रोजगार दे तो उसे कारोबारी सुगमता की लागत कम करनी होगी और चीन से सस्ते माल की आवक रोकनी होगी। सात साल पहले रोजगार निर्माण के मसले पर लिखते हुए मैंने कहा था कि सरकारों ने कारोबारियों का जीवन मुश्किल किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय में ऐसी टीम हो सकती है जिसका इकलौता काम कारोबारियों के मन की बात सुनना हो कि आखिर क्यों उनकी लागत अधिक है और कारोबारी सुगमता मुश्किल। बार-बार सामने आने वाली समस्याओं को समाप्त किया जाना चाहिए। इसके लिए राज्यों के साथ तालमेल में काम करना होगा। उक्त टीम कुछ श्रम आधारित परियोजनाओं की निगरानी करके गतिरोध का पता लगा सकती है और बदलाव सुझा सकती है। शायद हमें मोदी के बतौर प्रधानमंत्री तीसरे कार्यकाल में ऐसा देखने को मिले।

आखिरकार वह सामाजिक योजनाओं से विकास परियोजनाओं की फंडिंग तक का सफर तय कर चुके हैं। केंद्र से लेकर तालुका स्तर पर भ्रष्ट और विनाशकारी नीतियों से रोजगार निर्माताओं को आजाद करना तीसरा और अंतिम कदम है जिसकी आवश्यकता है।

(लेखक मनीलाइफडॉटइन के संपादक और मनीलाइफ फाउंडेशन में ट्रस्टी हैं)

आपका पक्ष

पर्यावरण के लिए समुद्र के तल में जमा प्लास्टिक खतरा

मानव की लापरवाही के कारण समुद्र भी आज काफी तेजी से प्रदूषित होता जा रहा है। एक अध्ययन से पता चला है कि समुद्र तल में एक करोड़ 10 लाख टन प्लास्टिक जमा हो गया है जो आज न केवल पर्यावरण बल्कि जैव विविधता के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। एक अध्ययन के अनुसार हर मिनट कचरे से भरे एक ट्रक के बराबर प्लास्टिक लगातार समुद्र में समा रहा है। शोधकर्ताओं का यह भी अनुमान है कि 192 देशों से निकला करीब 80 लाख टन प्लास्टिक कचरा प्रतिवर्ष महासागर में समा रहा है। समुद्र में पहुंचने वाला करीब 80 फीसदी कचरा जमीन पर ठोस कचरे के कुप्रबंधन से जुड़ा है। शेष 20 फीसदी कचरे के लिए समुद्र तट के किनारे बसी हुई बस्तियां जिम्मेदार हैं। एक शोध बताता है कि हर साल पैदा होने वाला प्लास्टिक कचरा वर्ष 2060 तक करीब तीन गुना बढ़ जाएगा। एक अनुमान के अनुसार यह अगले 37 वर्षों में बढ़कर 101.4 करोड़ टन से ज्यादा हो जाएगा। दुनिया भर में समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के सबसे बड़े उत्सर्जक 10 देश हैं। इनमें सबसे अधिक से लेकर कम तक क्रमशः चीन, इंडोनेशिया, फिलिपींस, वियतनाम, श्रीलंका, थाईलैंड, मिश्र, मलेशिया, बांग्लादेश और नाइजीरिया आते हैं।

एमएम राजावतराज, शाजापुर

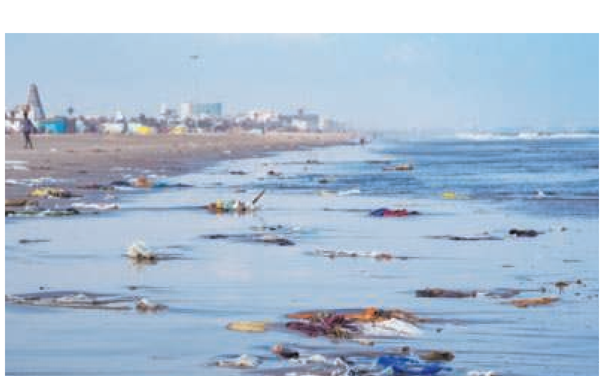

एक अध्ययन के अनुसार समुद्र तल में एक करोड़ 10 लाख टन प्लास्टिक जमा हो गया है जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है

ईरान-इजरायल संघर्ष से सबका नुकसान

ईरान के दूतावास पर मिसाइल हमले से उसके सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बाद ईरान ने खुले रूप से इजरायल को सबक सिखाने की घोषणा की है। रूस-यूक्रेन और हमास-इजरायल युद्ध के बाद ईरान और इजरायल के खुलकर युद्ध के मैदान में कूद जाने से अंतरराष्ट्रीय हालत जटिल हो गए हैं और तीसरे विश्व युद्ध की आशंका बढ़ती जा रही है तथा युद्धरत देशों की जनता के अलावा इसका प्रभाव विश्व की जनता भुगत रही है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ते जा रहे हैं। समुद्री यातायात अवरुद्ध हो रहे हैं। ऐसे में अमेरिका, रूस, भारत और चीन को मिलकर इसके लिए कारगर प्रयास करने चाहिए कि इन देशों में तनाव नहीं बढ़े। भारत देश के लिए युद्ध के नए मोर्चे खुलाने से कई नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं और महंगाई के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति भी धर्मसंकट में पड़ गई है क्योंकि जिन राष्ट्रों से भारत के अच्छे संबंध हैं वे ही अगर आपस में युद्ध करेंगे तो निश्चित रूप से भारत का तटस्थ रहना मुश्किल हो जाएगा।

सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

सोने पर लगाएं दांव

निवेश में जोखिम तो सदैव बना रहता है। बाजार का उतार-चढ़ाव निवेशकों को कभी नफा तो कभी नुकसान देता ही है। इस समय सोने के भाव रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं तो वैश्विक राजनीतिक उथल-पुथल के चलते शेयर बाजार में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल ही रहे हैं। ऐसे में दोनों में फायदे का सौदा ढूंढना मुश्किल काम है। फिर भी लोगों को अगर आज निवेश करना ही है तो सोने पर दांव लगाना चाहिए क्योंकि शेयर बाजार की तरह इसके भाव एकदम औंधे मुह नहीं गिरते।

अमृतलाल मारू रवि, इंदौर

पाठक अपनी राय हमें इस पते पर भेज सकते हैं : संपादक, बिज़नेस स्टैंडर्ड, 4, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली 110002. आप हमें ईमेल भी कर सकते हैं : lettershindi@bsmail.in
पत्र/ईमेल में अपना डाक पता और टेलीफोन नंबर अवश्य लिखें।

देश-दुनिया

फोटो - पीटीआई

हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने शिमला में आयोजित परेड का निरीक्षण किया।

खबरों में

कापरी ग्लोबल कैपिटल

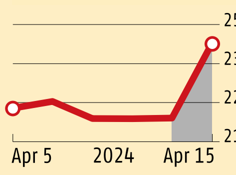

Top gainer amongst A group of companies
₹218.5 PREVIOUS CLOSE
₹245.0 CLOSE
▲12.1% UP

बारबेक्यू नेशन हॉस्पिटैलिटी

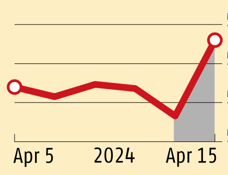

Trading volume surged 55x over 2-week average on BSE
₹533.9 PREVIOUS CLOSE
₹557.4 CLOSE
▲4.4% UP

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स

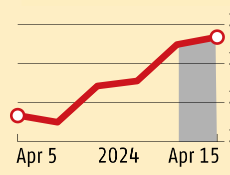

Hits new all time high on BSE at ₹238
₹233.5 PREVIOUS CLOSE
₹234.4 CLOSE
▲0.4% UP

आज का अहम शेयर

सेनको गोल्ड
Hits new high since listing at ₹963; Surged 37 per cent this year

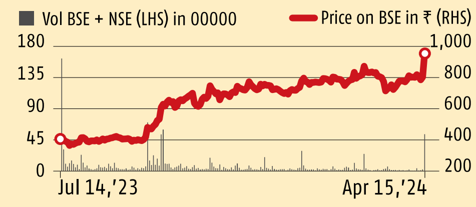

निफ्टी 50

Company	Close (₹) 15 Apr '24	% Chg	Wt (%)	PE Con	PE Std	Company	Close (₹) 15 Apr '24	% Chg	Wt (%)	PE Con	PE Std
Adani Enter	3147.5	-1.9	1.0	102.1	143.0	ITC	425.9	-1.0	5.2	27.7	26.0
Adani Ports	1315.6	-2.1	1.0	39.3	217.4	JSW Steel	860.5	-0.7	1.1	18.8	21.3
Apollo Hosp	6303.2	-1.6	0.6	110.6	90.8	Kotak Mah Bank	1798.2	-0.8	2.6	20.5	27.2
Asian Paints	2844.4	-0.4	1.3	50.2	51.0	L & T	3600.8	-2.1	4.9	39.1	51.3
Axis Bank	1058.0	-1.4	2.9	30.2	27.2	LTIMind	4815.2	-1.5	0.4	31.0	31.8
Bajaj Auto	8997.1	-0.7	1.1	33.9	36.0	Mah & Mah	2053.5	-0.8	2.0	24.8	25.0
Bajaj Fin	7076.3	-2.1	1.9	38.1	36.3	Maruti Suzuki	12422.9	1.3	1.6	47.6	32.7
Bajaj Finsrv	1656.9	-2.5	1.0	33.9	225.6	Nestle India	2553.7	0.7	0.9	-	82.1
Bharti Airtel	1224.6	-0.1	3.1	82.4	153.3	NTPC	361.2	-0.2	1.7	20.7	19.2
BPCL	589.6	-1.9	0.6	60.0	4.4	ONGC	279.9	5.3	1.4	9.9	11.9
Britannia	4761.9	0.2	0.6	53.1	54.4	Power Grid	274.1	-0.4	1.2	16.5	16.4
Cipla	1381.4	-1.1	0.7	30.1	32.9	Reliance Ind	2929.7	-0.2	9.9	28.3	44.4
Coal India	451.0	-1.0	1.0	9.5	17.9	SBI	757.5	-1.1	2.9	10.6	11.8
Divis Lab	3716.6	-1.7	0.5	54.1	72.3	SBI Life Ins	1466.9	-1.8	0.6	-	79.0
Dr Reddys	6010.9	-1.2	0.7	19.2	25.2	Shriram TrFn	2414.7	-2.9	0.7	15.1	13.8
Eicher Motor	4219.4	-1.9	0.6	30.1	32.9	Sun Pharma	1540.1	0.0	1.6	41.5	381.0
Grasim Ind	2237.4	-0.7	0.8	21.6	99.6	Tata Consumer P	1130.7	-1.6	0.7	89.6	99.3
HCL Techno	1505.1	-1.1	1.6	26.0	34.7	Tata Motors	998.8	-1.9	1.7	17.1	39.2
HDFC Bank	1494.7	-1.6	11.1	24.7	20.2	Tata Steel	160.9	-1.6	1.3	-	45.5
HDFC Std Life	613.0	-0.9	0.6	96.4	87.0	TCS	3941.2	-1.5	3.9	31.8	34.0
Hero MotoCorp	4381.2	-1.3	0.6	31.2	23.0	Tech Mahindra	1218.8	-1.9	0.8	42.3	52.3
Hindalco	612.7	2.3	0.9	13.6	44.2	Titan Company	3600.6	-0.5	1.5	98.4	91.6
HUL	2194.1	-1.7	1.9	50.9	50.2	UltraTech	9506.3	-1.5	1.1	42.8	43.9
ICICI Bank	1078.4	-2.4	7.4	22.3	19.3	Wipro	459.4	-2.4	0.6	21.3	26.9
IndusInd Bank	1539.9	-1.0	1.0	-	13.9	**Nifty 50**	**22272.5**	**↓-1.1**	**100.0**	**25.4**	**29.7**
Infosys	1468.2	-1.1	5.2	25.0	24.7						

एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स स्टॉक

Asian Paints	2843.6	-0.4	1.5	50.2	51.0	Maruti Suzuki	12426.6	1.2	1.9	47.6	32.7
Axis Bank	1058.6	-1.4	3.5	30.2	27.2	Nestle India	2552.0	0.6	1.1	-	82.1
Bajaj Fin	7075.0	-2.1	2.3	38.1	36.3	NTPC	361.4	-0.1	2.0	20.7	19.3
Bajaj Finsrv	1657.3	-2.4	1.2	33.9	225.7	Power Grid	274.2	-0.4	1.4	16.5	16.4
Bharti Airtel	1225.1	0.0	3.6	82.5	153.3	Reliance Ind	2932.9	-0.1	11.6	28.4	44.4
HCL Techno	1505.5	-1.0	1.8	26.0	34.8	SBI	756.9	-1.3	3.4	10.6	11.8
HDFC Bank	1495.0	-1.6	13.1	24.7	20.2	Sun Pharma	1541.2	0.1	1.9	41.5	381.3
HUL	2194.6	-1.7	2.3	51.0	50.3	Tata Motors	998.7	-1.9	2.1	17.1	39.2
ICICI Bank	1078.8	-2.3	8.7	22.3	19.3	Tata Steel	160.9	-1.6	1.5	-	45.5
IndusInd Bank	1538.8	-1.1	1.2	-	13.9	TCS	3941.7	-1.5	4.5	31.8	34.0
Infosys	1468.3	-1.1	6.1	25.0	24.7	Tech Mahindra	1219.2	-1.9	0.9	42.3	52.3
ITC	425.9	-1.0	6.1	27.7	26.0	Titan Company	3601.6	-0.5	1.7	98.4	91.6
JSW Steel	860.4	-0.7	1.3	18.8	21.3	UltraTech	9502.2	-1.5	1.3	42.8	43.8
Kotak Mah Bank	1797.9	-0.9	3.1	20.5	27.2	Wipro	459.3	-2.5	0.8	21.3	26.9
L & T	3600.9	-2.1	5.7	39.1	51.3	**BSE SENSEX**	**73399.8**	**↓-1.1**	**100.0**	**26.0**	**30.6**
Mah & Mah	2050.3	-1.0	2.4	24.8	24.9						

C = Consolidated; S = Standalone

वैश्विक सूचकांक

Indices	Close	% Chg*	Indices	Close	% Chg*
Americas (Apr 12,24)			**Asia/Pacific (Apr 15,24)**		
S&P/ TSX Composite	21900.0	-1.0	Shanghai Se Comp	3057.4	1.3
Dow Jones	37983.2	-1.2	Jakarta Composite (Apr 05)	7286.9	0.5
Nasdaq Composite	16175.1	-1.6	Kospi	2670.4	-0.4
Europe/Africa (Apr 12,24)			Kuala Lumpur Comp	1542.5	-0.6
DAX	18078.4	0.8	Stock Exchange of Thai (Apr 11)	1396.4	-0.8
CAC 40	8067.5	0.7	Straits Times	3183.6	-1.0
IBEX 35	10681.6	0.0	Taiwan Taiex	20449.8	-1.4
FTSE 100	7959.5	-0.5	**Volatility (Apr 12,24)**		
Asia/Pacific (Apr 15,24)			CBOE Dow Jones	15.9	12.4
Hang Seng	16600.5	-0.7	CBOE S&P 500	17.1	-1.5
Nikkei 225	39232.8	-0.7			

* Change over previous close

प्रमुख सूचकांक

	Previous Close	Open	High	Low	Close	Change	% chng
S&P BSE Sensex	74,244.9	73,315.2	73,905.8	73,315.2	73,399.8	-845.1	-1.1
S&P BSE Sensex 50	23,642.6	23,333.3	23,550.4	23,333.3	23,394.3	-248.4	-1.1
S&P BSE-100	23,611.2	23,215.0	23,496.9	23,215.0	23,334.2	-277.1	-1.2
S&P BSE-200	10,275.7	10,073.1	10,222.8	10,073.1	10,150.4	-125.4	-1.2
S&P BSE-500	32,772.3	32,074.5	32,588.1	32,074.5	32,365.1	-407.2	-1.2
S&P BSE IPO	13,827.0	13,339.1	13,615.1	13,284.9	13,531.2	-295.7	-2.1
S&P Dollex-30	7,308.4	-	-	-	7,223.2	-85.3	-1.2
Nifty 50	22,519.4	22,339.1	22,427.5	22,259.6	22,272.5	-246.9	-1.1
Nifty next50	63,067.9	62,076.3	62,716.7	61,330.0	62,008.2	-1059.7	-1.7
Nifty 500	20,745.5	20,493.3	20,623.8	20,362.3	20,478.8	-266.8	-1.3
India VIX	11.5	11.5	12.7	11.3	12.5	0.9	8.1
Nifty CPSE	6,038.6	5,953.4	6,109.9	5,895.5	6,056.6	18.0	0.3

बढ़े/घटे

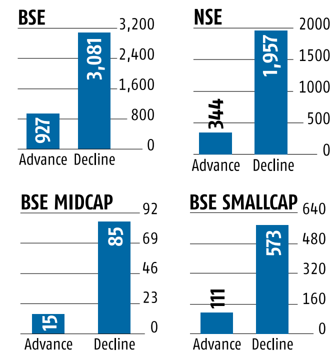

मार्केट ओवरव्यू

INDEX AGGREGATES	PE C/S	SHRS MN	TRDS '000	ADV	DEC	1 YR RETURN
SENSEX	26.0/30.6	12.8	360	3	27	21.5
NIFTY 50	25.4/29.7	355.5	7102	6	44	24.9

C = CONSOLIDATED; S = STANDALONE

TURNOVER	CASH BSE	CASH NSE	DERIVATIVES BSE	DERIVATIVES NSE
VALUE(IN ₹ CRORE)	8817	104603	8735092	26582689
SHARES(IN MN)	845.6	4440.4	-	25924.6
TRADES(000)	4858	38621	-	82759

MARKET-CAP (₹ CR)	TRADED	TOTAL
BSE	39,473,710	40,099,370
NSE	39,017,791	39,703,352
DERIVATIVES	26,070,564	26,070,564

कारोबारी गतिविधि

(₹ crore)	FIIs Equity Net	FIIs Debt Net	MF Equity Net	MF Debt Net
On 12 Apr	-7940	-1766	-	-
On 10 Apr	3230	1377	466	6590
On 09 Apr	8527	556	2361	25
On 05 Apr	1915	-1626	-3536	3442
On 04 Apr	-978	-849	-1346	1377
Apr till date	5408	-244	2417	20345
2024 till date	14193	54248	84744	-93404

डेरिवेटिव में एफआईआई

(₹crore)	Index NET	Stock Net	Index Fut OI	Index Opt OI	Stock OI
On 12 Apr	-10948	-7228	0.3	3.5	3.5
On 10 Apr	14755	2962	0.3	2.0	3.5
On 09 Apr	28083	617	0.3	4.7	3.5
On 08 Apr	-29263	230	0.2	4.4	3.4
On 05 Apr	11161	-5861	0.2	4.0	3.4
Apr till date	135503	-26633	-	-	-
2024 till date	-1065447	-16232	-	-	-

OI in number of contracts(million)

एसएंडपी बीएसई सेक्टर सूचकांक

	Prev cls	Close	% Chng
Auto	49,732.3	49,292.1	-0.9
Bankex	54,884.4	54,033.5	-1.6
Cons. Durables	53,028.4	52,456.6	-1.1
Cap. Goods	62,251.7	61,322.4	-1.5
FMCG	19,334.0	19,133.3	-1.0
Healthcare	35,261.8	34,882.9	-1.1
Infra	588.5	580.4	-1.4
IT	35,781.7	35,217.1	-1.6
Metal	30,348.4	30,246.0	-0.3
Oil & Gas	28,245.2	28,358.6	0.4
Power	7,027.3	6,926.1	-1.4
PSU	19,117.0	18,939.6	-0.9
Realty	7,496.5	7,412.7	-1.1

एफऐंडओ स्नैपशॉट

MOST BULLISH	Futures price	Cash price	Premium (%)	MOST BEARISH	Futures price	Cash price	Discount (%)
Eicher Motor	4236.4	4219.4	0.4	Metropolis Heal	1760.2	1777.6	-1.0
HPCL	469.3	467.5	0.4	IndiaMART Int	2532.1	2550.8	-0.7
Laurus Labs	431.6	430.0	0.4	Au Small Fin	627.7	632.3	-0.7
Power Grid	275.1	274.1	0.4	United Brew	1836.9	1848.4	-0.6
Can Fin Home	778.8	775.8	0.4	Page Inds	35119.9	35297.3	-0.5

	BSE Index	BSE Stock	NSE Index	NSE Stock
FUTURE				
Contracts	1002	-	401323	1498364
Open Int.(000)	7	0	18481	8747143
Shares(In Mn)	-	-	13.9	2854.5
Value(₹ crore)	77	-	37480	133316
OPTIONS				
Contracts	107638789	-	306812519	7046576
Open Int.(000)	1608	-	658497	6248461
Shares(In Mn)	-	-	12726.5	10329.7
Value(₹ crore)	8735016	-	25767038	644855

पुट कॉल रेशियो

(Open Interest in Mn)	Put	Call	PC Ratio
Market	2473.5	4433.5	0.6

Top 5	PC Ratio	Bottom 5	PC Ratio
Hind Copper	1.1	Torrent Phar	0.2
Vedanta	1.1	Shree Cement	0.2
Eicher Motor	1.0	Page Inds	0.2
Mah & Mah	1.0	Ramco Cements	0.3
Jindal Steel	0.9	Atul	0.3

एक्टिव कॉल

(In Million)	Expiry Date	Strike Price	Traded Qty	Open Interest	% Chg (OI)
Index					
Nifty Midcap	15/04/24	10800	669.1	12.1	6418.5
Nifty Midcap	15/04/24	10825	582.1	7.3	21831.2
Nifty Midcap	15/04/24	10850	410.2	5.9	1765.8
Nifty Midcap	15/04/24	10900	300.1	4.8	526.6
Nifty Midcap	15/04/24	10875	200.5	3.4	1594.4
Stock					
ONGC	25/04/24	280	133.7	21.2	19.9
Tata Steel	25/04/24	170	103.3	41.6	17.0
ONGC	25/04/24	300	71.3	10.4	37.1
Tata Steel	25/04/24	165	69.5	24.5	18.5
SAIL	25/04/24	160	66.0	10.4	66.1

एक्टिव पुट

(In Million)	Expiry Date	Strike Price	Traded Qty	Open Interest	% Chg (OI)
Index					
Nifty Midcap	15/04/24	10800	1073.9	15.8	545.0
Nifty Midcap	15/04/24	10775	388.8	6.6	1584.2
Nifty Midcap	15/04/24	10750	318.5	6.7	833.7
Nifty Midcap	15/04/24	10825	316.1	3.0	540.0
Nifty Midcap	15/04/24	10700	218.2	4.4	135.0
Stock					
PNB	25/04/24	130	33.1	10.6	6.1
Tata Steel	25/04/24	160	32.4	13.3	2.6
ONGC	25/04/24	270	29.8	5.0	88.5
Tata Steel	25/04/24	150	29.3	15.1	-3.2
Tata Power	25/04/24	420	26.6	2.6	-7.8

वॉल्यूम में तेजी

Company	Days Volume	2-week Avg Volume	Change %	Close price	*Price %chg
Bartronics	116743.0	1740.4	6607.7	21.6	2.0
Senco Gold	5321614.0	161900.6	3187.0	951.2	18.6
Midselietf	122652.0	4220.0	2806.4	149.7	-1.9
Likhitha Infra	3231816.0	112699.4	2767.6	279.5	9.1
Rcap netFSD	1501182.0	61524.3	2340.0	120.0	0.1
VST Ind	375168.0	18206.0	1960.7	3689.9	-0.3
Ace Integrated	183054.0	9755.2	1776.5	34.0	-5.9
Ritco Logistics	967648.0	60852.7	1490.1	257.0	5.0
Aarvi Encon	1010662.0	67247.2	1402.9	164.6	2.1
Selan Explor	1497742.0	104821.4	1328.9	595.8	11.7

52 सप्ताहों का उच्चतम और निम्नतम

Company	Price	Company	Price	Company	Price	Company	Price
HIGH		*Star Delta Tran	1082.8	*Mindteck (I)	317.0	**LOW**	
BS 200		*Mirae -ET	1000.0	*Machhar Inds	293.4	BS 200	
*HAL	3700.0	*Yuken India	985.1	*RS Software	287.1	HUL	2190.2
*Hindalco	625.2	*Suratwwala Bus	980.0	*Greenply Ind	284.5	Dabur India	489.2
*Exide Ind	423.8	*Eyantra Ve	963.9	*Naapbooks	275.0	Others	
Vedanta	384.0	*Senco Gold	962.5	*Shah Foods	250.9	Bannr Am Sug	2201.1
*Indus Towers	337.5	*Mangalam Cem	873.8	*DJ Mediaprint	226.7	*HDFC Liquid	1000.0
*Bharat Elctn	238.0	*Silver Touch	799.0	*Aayush Food	211.1	*Vedant Fashions	886.1
*SAIL	157.3	*Electrotherm	659.9	*TIL	204.6	*Ideaforge	679.5
Others		*Selan Explor	624.9	*Swad.Polytex	201.0	*Orientl Crbn	647.7
*Honeywell A	44846.0	*Diamond Power	612.7	*Scarnose Intern	199.5	*Prince Pipes	505.2
*LIC MF Gold	6791.0	*Tulive Develop	604.6	*Auto Pins(I)	195.7	*Apex Fro Foods	171.2
*IVZINGOLD	6557.0	*B N A	588.8	*Gokak Text	194.2	*Mangalam Drg	85.2
*Shilchar Tec	5115.1	*Transform	571.9	*Omnitex Ind	190.0	Metal Coat	72.0
*Thermax	4874.0	*Aster DM Health	558.3	*Kkrrafton Dev	179.4	Niesspa	48.2
*Anand Rathi Wea	4215.0	*Aegis Log	501.0	*Global Vectr	166.6	*Trident Texofab	45.8
*Keltech Enrgy	3920.0	*Eraaya Lifespac	470.6	National Oxy	164.5	Medico Remedies	44.5
*HEG	2520.0	*ITL Ind	458.8	*Simplex Cast	163.0	*HDFC Nifty	35.0
*Waaree Renewabl	2071.1	*Ceenik Exp	454.1	*Nam Securities	155.5	*Adhbhut Infra	25.2
*Premier Expl	2047.2	*Amal	445.0	*Bengal Tea	141.8	Colab Cloud	17.3
*WAA tech	1908.6	Lotus Choco	424.4	*Simplex Infr	139.9	*Vijay Text	17.0
*TechNVision Ven	1851.1	*Ramco Sys	417.9	*ACE Software	136.1	Zinema Media An	11.4
*U.P.Hotels	1653.4	*Piccadily A	409.8	*Tinna Trade	135.0	*Brandbucket Med	10.7
*RIR Power	1489.8	*Ashiana Hsg	396.4	*HCKK Ventures	133.9	*CMI	5.3
*Veritas	1304.5	*Maha Rubtech	374.8	*Fundviser Capit	124.7	*VXL Instru	4.0
*Ebbetf0431	1220.7	*Dolphin Off.	360.0	*Modi Rubber	119.0	*Shalimar Prd	0.5
*Sansera Enginee	1094.8	*Puravankara	356.7	*D & H India	118.0	*Nouveau Global	0.5

* Indicates that the market price of these companies reached two-year highs/lows.

दिन में सबसे ज्यादा चढ़े

Company	Day's high	Close	% chg*	3mth high	52 wk high
ONGC	283.0	279.8	5.3	284.8	284.8
Exide Ind	423.8	409.2	2.9	423.8	423.8
Hindalco	625.2	612.7	2.5	625.2	625.2
Gujarat Gas	577.0	573.2	2.2	620.6	620.6
Indus Towers	337.5	334.3	2.1	337.5	337.5
Nat Alum	185.4	181.9	2.0	188.7	188.7
Oil India	636.4	622.3	1.9	669.1	669.1
Maha Gas	1484.0	1453.0	1.7	1579.0	1579.0
Aditya Birla	207.5	205.7	1.6	208.6	208.6
Indraprst Gs	488.8	470.3	1.6	488.8	515.6
GAIL	208.6	203.8	1.3	209.9	209.9
Maruti Suzuki	12500.9	12426.6	1.2	12980.0	12980.0
NMDC	246.7	241.1	1.0	252.7	252.7
Nestle India	2577.1	2552.0	0.6	2653.0	2770.7
MRPL	229.5	223.0	0.5	289.3	289.3

दिन में सबसे ज्यादा गिरे

Company	Day's low	Close	% chg*	3mth low	52 wk low
NBCC	122.6	126.1	-5.6	84.6	37.5
IREDA	153.2	158.6	-5.2	114.0	50.0
SJVN	121.8	124.3	-5.0	96.6	32.6
Olectra Greente	1700.0	1739.0	-4.8	1549.8	619.6
Jio Financial	351.0	354.4	-4.8	237.1	204.7
HFCL	92.6	94.6	-4.5	81.2	60.4
RITES	641.1	665.2	-4.5	505.3	340.1
NLC India	217.5	224.9	-4.4	195.1	77.6
Max Health	829.9	832.6	-4.2	695.4	435.1
M & M Fin	289.2	290.9	-4.1	256.1	243.9
Central Bank	59.6	61.3	-4.1	49.3	25.5
Atul	5890.8	5905.7	-4.1	5720.1	5720.1
Tata Chem	1075.5	1101.8	-4.0	933.0	922.2
Indiabulls Hous	166.3	167.4	-4.0	158.1	90.0
Coforge	5372.4	5393.7	-4.0	5372.4	3753.9

* Ranked on the basis of percentage gain/loss on previous close

सबसे ज्यादा कारोबार

	Value BSE+NSE (₹ crore)	Volume BSE+NSE (Mn shrs)
ONGC	2164.5	78.0
Reliance Ind	1983.6	6.8
Exide Ind	1961.0	47.5
Jio Financial	1885.6	52.9
HDFC Bank	1837.4	12.2
Vedanta	1821.6	48.7
TCS	1717.9	4.3
Hindalco	1707.2	27.7
Tata Power	1618.0	37.6
SAIL	1466.1	96.1
HAL	1450.1	4.0
Infosys	1343.5	9.1
Tata Motors	1314.3	13.2
Aster DM Health	1274.0	24.0
Bharat Elctn	1249.6	53.6
ICICI Bank	1220.0	11.2
Vodafone Idea	1209.2	919.9
HUL	1169.5	5.3
Tata Steel	1155.3	71.5
Nat Alum	1082.4	59.5
Maruti Suzuki	1043.1	0.8
Zomato	1010.1	53.5
GAIL	1005.6	49.3
Axis Bank	972.6	9.2
SBI	913.9	12.1

प्रमुख एम-कैप

Rank	Company	Mcap (₹ cr)
1	Reliance Ind	1984309.2
2	TCS	1426128.4
3	HDFC Bank	1135698.6
4	ICICI Bank	757646.6
5	Bharti Airtel	692775.6
6	SBI	675458.4
7	Infosys	609470.8
8	LIC India	607927.4
9	ITC	531723.4
10	HUL	515643.2
11	L & T	494990.8
12	Bajaj Fin	437942.5
13	HCL Techno	408526.4
14	Maruti Suzuki	390690.7
15	Sun Pharma	369768.1
16	Adani Enter	358940.4
17	Kotak Mah Bank	357398.2
18↑	ONGC	351933.3
19↓	NTPC	350389.2
20↓	Tata Motors	331942.9
21	Axis Bank	326737.3
22	Titan Company	319745.6
23	Avenue Supermar	304909.3
24	Adani Green En	287636.1
25	Adani Ports	284092.1
26	Coal India	277877.5
27	UltraTech	274328.5
28	Asian Paints	272753.3
29	Bajaj Finsrv	264422.2
30↑	Power Grid	254975.9

रुझान

Company	% change	Company	% change
BS200		Vruddhi	40.6
UP 7 DAYS		**DOWN 7 DAYS**	
Exide Ind	30.5	Onelife Cap	-30.2
DOWN		Assoc.Cerami	-30.1
Infibeam Aven	-11.3	Sudal Ind	-25.2
Oracle Fin	-8.8	Sprayking Agro	-20.6
UP 3 DAYS		MTPL	-20.2
Bharat Elctn	2.7	Alan Scott Inds	-18.4
Samvardhana Mot	2.5	Tirth Plast	-15.8
Colgate	2.0	**UP 3 DAYS**	
Nestle India	1.9	Deco-Mica	57.2
DOWN		Ramco Sys	42.5
NBCC	-8.2	Prima Ind.	33.1
HUDCO	-7.0	Ceeta Ind	30.5
Olectra Greente	-7.0	Balurghat	29.0
Balram Chini	-6.6	Atlantaa	23.5
Info Edge	-6.5	Puravankara	20.8
UCO Bank	-5.6	**DOWN 3 DAYS**	
Coforge	-5.6	Vinayak Polycon	-21.1
Others		Ind-Swift	-18.8
UP 7 DAYS		Som Datt Fin	-18.2
Star Delta Tran	61.8	Metal Coat	-18.1
KP Green Engine	61.7	Sadbhav Engg	-17.5
RIR Power	47.4	We win	-17.4
Keltech Enrgy	42.1	Jumbo Bag	-16.2
SAB	40.7		
Jhandewalas Foo	40.7		

(T+2) cycleStocks which rose/fell continuously

बोर्ड बैठक

Quarterly Results
APRIL 16
Group A
CRISIL
Group B
Den Network
Group T
Integra Essenti
SG Mart
Group X
Lotus Choco
APRIL 17
BS 200
ICICI Lombard
Tata Comm
Group A
IIFL Finance
Just Dial
Group B
Hath Cable
Group M
DRA Consultants
Gretex Corpor
Group T
Infomedia Press
Group XT
Hardcast Wud
KCL Infra Pro
APRIL 18
BS 200
Bajaj Auto
HDFC Std Life
Infosys
Group A
ICICI Securitie
Mastek
Rel Ind Infra
Group B
Accelya Sol
National Std
Oriental Htl
Shish Inds
Surana Solar
Swaraj Engin
Group T
Eimco Elecon
Network 18 M
RS Software
TV18 Broadcast
Group X
Guj Hotels
Group XT
Sanathnagar Ent
APRIL 19
BS 200
HDFC AMC
Jio Financial
Wipro
Group A
Elecon Engin
Hind Zinc
Group M
KP Green Engine
Group T
Rajnish Welines
RS Software
Sejal Glass
Group X
Amal
Benares Htl
Group XT
Rajnish Retail
Roselabs Fin
APRIL 20
BS 200
HDFC Bank
Group B
Ind Bank Hsg
Group P
NB Foot Wear
Group T
Alok Inds
Group X
Beryl Drugs
Int Travel
PVV Infra
APRIL 21
BS 200
Persistent S
APRIL 22
Persistent S
Group A
Epigral
Hatsun Agro
Kesoram Ind
Mahindra Log
Rallis
Tejas Networks
Group B
Aarti Surfactan
Group M
Trident Lifelin
Group T
Piccadily A
Group X
Osiajee Texfab
Group XT
IEL
Piccadly Sug
APRIL 23
BS 200
ICICI Prud Life
M & M Fin
MCX
Tata Consumer P
Group A
360 ONE WAM
Tata Elxsi
Group B
Aro Granite
Cyient DLM
Mahindra EPC
NELCO
APRIL 24
BS 200
Dalmia Bharat
HUL
LTIMind
Syngene Intl
Group A
Anant Raj
Equitas SFB
Maha Scoot
Nippon Life Ind
Supreme Petroch
Group T
Tata Invest
APRIL 25
BS 200
Bajaj Fin
L&T Tech Ser
Tech Mahindra
Group A
AAVAS Finan
Cyient
Som Distill
UTI AMC
Zensar Tech
Group IF
Embassy Office
APRIL 26
BS 200
Atul
Bajaj Finsrv
HCL Techno
Maruti Suzuki
SBI Life Ins
Shriram TrFn
Group A
Bajaj Hold
CSB Bank
KSB
Mah Holidays
Paisalo Digital
Supreme Ind
Group B
Ponni Sugar
Shree DigCem
APRIL 27
BS 200
ICICI Bank
IDFC First Bank
L&T Finance
Hol
YES Bank
Group A
Craftsman
Auto
Group B
SBFC Finance
Seshasa Pprs
APRIL 29
BS 200
UltraTech
Group A
Gillette I
KFin Technol-ogi
LG Balak
Poonawalla Finc
Group B
Consoildtd C
APRIL 30
BS 200
Chola Inv
Exide Ind
IOC
Group A
Castrol
Nuvoco Vistas
Proct & Gamb
Star Health
Group B
Foseco
Group X
DHP India
Group XT
Stanpacks I
MAY 01
Group A
Orient Cement
MAY 02
BS 200
Coforge
Dabur India
Group A
Best Agro
Blue Star
CIE Automotive
P & G Health
Group B
Ugro Cap
Group T
Omax Autos
Group X
Indus & Prud
Saven Techno
Tradewell Holdi
MAY 03
Group B
Rane Brake
MAY 04
Group A
Kansai Nerol

इंट्रा-डे

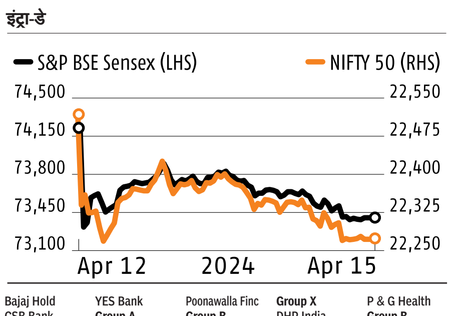

बीएस-200

स्टॉक पेज कैसे पढ़ें

बिज़नेस स्टैंडर्ड के शेयर बाजार के पन्ने पर बीएस-200 में बंबई स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के स्पॉट और फ्यूचर्स के आंकड़े एक ही जगह पर दिए गए हैं। दोनों प्रमुख शेयर बाजारों में इन शेयरों के वॉल्यूम, भाव और कारोबार की हिस्सेदारी 85 फीसदी है। बीएसई-200 सूची दिन के कारोबार की बुनियादी जानकारी देता है। पिछले दिन बाजार किस भाव पर बंद हुआ था, शुरुआती कारोबार के आंकड़े, न्यूनतम और अधिकतम भाव, शेयर के वॉल्यूम और पीई (प्राइस टू अर्निंग) की जानकारी यहां दी जाती है।

पिछले 52 हफ्तों के उच्चतम और निम्नतम आंकड़ों का रिकार्ड भी यहां उपलब्ध होता है। बाजार बंद के बाद एनएसई में फ्यूचर्स ट्रेडिंग की जानकारी प्रस्तुत की जाती है। साथ ही पिछले सत्र की समाप्ति के आंकड़े और अंतिम सत्र के आंकड़े भी उपलब्ध कराए जाते हैं। शेयर से संबंधित अन्य पन्नों में उन शेयरों के बारे में जानकारी दी जाती है जिन्हें बीएसई-200 में शामिल नहीं किया गया है। अन्य शेयरों की जानकारी उपलब्ध कराने वाले इस पन्ने में हमने बीएसई और एनएसई के प्रतिदिन के कारोबार के दौरान उच्चतम और निम्नतम कारोबारी आंकड़ो को प्रस्तुत किया है। उन शेयरों की भी जानकारी यहां दी गई है जिनकी मांग बाजार में सबसे अधिक है।

परिभाषा: किसी शेयर के बंद भाव को प्रति शेयर आय (ईपीएस) से भाग देने पर पीई निकाला जाता है। ईपीएस से आशय कुल मुनाफे से है जिसे पिछले 12 महीनों के कारोबारी आंकड़ों को इक्विटी कैपिटल से भाग देने पर प्राप्त किया जाता है। पीई का मूल्यांकन समग्र आय के आधार पर किया जाता है। उच्चतम और निम्नतम आंकड़े से तात्पर्य उस आंकड़े से है जिसे किसी शेयर के पिछले 52 हफ्तों के प्रदर्शन के आधार पर निकाला गया है।

ओपन इंट्रेस्ट: फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफऐंडओ) सेगमेंट के तहत प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में जितने कांट्रैक्ट खुले होते हैं, उस संख्या को ही ओपन इंट्रेस्ट कहा जाता है।

मार्केट लॉट्स: एक एफऐंडओ कांट्रैक्ट का मूल्य। क्षेत्रगत सूचकांकों में इसके भाव में परिवर्तन होता रहता है। उदाहरण के लिए निफ्टी 50 और निफ्टी 25 जूनियर में इसके भाव में अंतर हो सकता है।

स्ट्राइक प्राइस: जिस भाव पर किसी ऑप्शन के लिए बोली लगाई जा सकती है। अगर मार्केट प्राइस एसपी से अधिक हो जाता है तो ऐसी स्थिति में कहा जाता है कि कोई ऑप्शन इन द मनी है। वहीं अगर मार्केट प्राइस एसपी से कम होती है तो ऐसी स्थिति में उस ऑपशन को आउट ऑफ मनी कहा जाता है।

एक्सपाइरी डेट: इसे सेटलमेंट तिथि के तौर पर भी जानते हैं। इसी तारीख पर कोई डेरीवेटिव का निबटान होता है। एनएसई के लिए यह तारीख हर महीने की आखिरी गुरुवार होती है।

SYMBOLS FOR FACE VALUE OF SCRIPS
● ₹100 ❍ ₹50 ■ ₹20 ◆ ₹6 ✥ ₹5 ✱ ₹4 ❑ ₹3 ★ ₹2 ♠ ₹1
Face value of scrips is ₹10 in all cases if not specified.

	Aarti Inds✥ BSE	Aarti Inds✥ NSE	ABB India★ BSE	ABB India★ NSE
PCLose	(751.3)	(751.0)	(6749.4)	(6753.0)
Open	736.3	740.0	6749.0	6660.0
High	745.0	745.5	6749.0	6729.1
Low	722.6	723.1	6546.1	6547.1
Close	735.3	735.4	6560.0	6561.1
Shares	198K	1363K	7649	334K
PE	61.4	61.4	115.0	115.0
52 Wk H/L	754/438	754/438	6770/3143	6773/3141
Mcap	26653	26656	139005	139029

	Abbott India BSE	Abbott India NSE	ACC BSE	ACC NSE	Adani Enter♠ BSE	Adani Enter♠ NSE	Adani Ports★ BSE	Adani Ports★ NSE	Aditya Bir Fa BSE	Aditya Bir Fa NSE	Aditya Birla BSE	Aditya Birla NSE
PCLose	(26465.8)	(26444.7)	(2467.9)	(2468.3)	(3208.8)	(3209.9)	(1343.7)	(1344.2)	(233.6)	(233.9)	(202.5)	(202.6)
Open	26332.6	26444.7	2418.5	2465.0	3144.6	3150.0	1311.0	1320.0	225.2	229.7	198.5	200.3
High	26486.4	26500.0	2477.9	2478.6	3180.0	3180.3	1335.0	1335.0	232.7	232.8	207.5	207.5
Low	26107.6	26107.6	2408.1	2407.1	3103.0	3103.2	1309.3	1308.6	225.2	226.4	194.5	194.3
Close	26189.3	26219.8	2442.0	2442.5	3148.6	3147.5	1315.2	1315.6	229.7	230.0	205.7	205.6
Shares	728	22533	10687	228K	107K	1035K	120K	3372K	138K	2906K	367K	11949K
PE	48.6	48.6	28.2	28.2	102.2	102.1	39.3	39.3	-	-	275.7	275.5
52 Wk H/L	29628/20594	29639/20605	2760/1704	2746/1700	3349/1776	3350/1776	1425/651	1425/651	266/184	266/184	209/155	209/155
Mcap	55652	55717	45857	45867	358940	358809	284092	284179	23335	23365	53493	53454

	Alkem Labs★ BSE	Alkem Labs★ NSE	Ambuja Cem★ BSE	Ambuja Cem★ NSE	Apollo Hosp✥ BSE	Apollo Hosp✥ NSE	Apollo Tyres♠ BSE	Apollo Tyres♠ NSE	Ashok Leyland♠ BSE	Ashok Leyland♠ NSE	Asian Paints♠ BSE	Asian Paints♠ NSE
PCLose	(4732.8)	(4735.2)	(609.7)	(608.8)	(6404.1)	(6406.5)	(482.0)	(482.3)	(178.4)	(178.4)	(2855.6)	(2854.5)
Open	4750.0	4725.0	597.6	600.0	6336.0	6325.1	450.2	472.0	168.1	174.2	2798.0	2830.2
High	4753.0	4755.0	615.3	615.6	6393.8	6399.1	480.5	480.6	176.1	176.2	2852.6	2853.5
Low	4680.0	4672.5	593.2	593.5	6283.3	6283.0	450.2	462.7	168.1	173.0	2798.0	2812.4
Close	4708.9	4715.7	606.8	606.9	6303.3	6303.2	474.1	473.3	175.5	174.9	2843.6	2844.4
Shares	1682	164K	186K	2647K	2753	251K	111K	1608K	1664K	11892K	103K	885K
PE	35.8	35.8	38.1	38.1	90.8	90.8	16.8	16.7	20.9	20.8	50.2	50.2
52 Wk H/L	5519/3211	5520/3186	641/373	641/373	6871/4221	6874/4222	560/321	558/323	191/136	192/136	3567/2777	3568/2777
Mcap	56295	56376	120489	120499	90629	90627	30110	30059	51532	51341	272753	272835

	Astral♠ BSE	Astral♠ NSE	Atul BSE	Atul NSE	Au Small Fin BSE	Au Small Fin NSE	Aurob Pharma♠ BSE	Aurob Pharma♠ NSE	Axis Bank★ BSE	Axis Bank★ NSE	Bajaj Auto BSE	Bajaj Auto NSE
PCLose	(1963.8)	(1964.3)	(6155.4)	(6154.6)	(638.3)	(638.8)	(1087.6)	(1088.4)	(1073.6)	(1073.4)	(9070.7)	(9064.8)
Open	1924.6	1940.1	6050.0	6051.0	618.8	620.0	1066.1	1075.0	1062.1	1063.1	8700.1	9059.1
High	1974.8	1976.9	6077.0	6083.2	635.4	635.6	1095.2	1095.8	1070.0	1071.0	9175.0	9177.7
Low	1924.6	1936.1	5890.8	5890.0	618.8	618.5	1066.1	1072.1	1055.7	1055.3	8700.1	8945.0
Close	1967.0	1969.6	5905.7	5904.9	631.9	632.3	1085.9	1085.3	1058.6	1058.0	8995.8	8997.1
Shares	6638	570K	3736	197K	140K	2869K	90781	2423K	266K	8889K	14248	387K
PE	93.7	93.8	43.7	43.7	29.5	29.6	23.0	23.0	27.2	27.2	33.9	33.9
52 Wk H/L	2144/1382	2144/1384	7587/5720	7590/5730	813/554	813/554	1177/556	1177/556	1152/850	1152/854	9356/4177	9358/4175
Mcap	52832	52902	17386	17384	46927	46960	63620	63588	326737	326552	251145	251180

	Bajaj Fin★ BSE	Bajaj Fin★ NSE	Bajaj Finsrv♠ BSE	Bajaj Finsrv♠ NSE	Balkrishna I★ BSE	Balkrishna I★ NSE	Balram Chini♠ BSE	Balram Chini♠ NSE	Bandhan Bank BSE	Bandhan Bank NSE	Bank of Baroda★ BSE	Bank of Baroda★ NSE
PCLose	(7226.0)	(7229.5)	(1698.1)	(1698.7)	(2392.3)	(2393.1)	(377.8)	(377.8)	(182.9)	(182.9)	(267.9)	(268.0)
Open	7081.5	7145.1	1675.0	1672.0	2364.4	2347.0	371.1	374.1	180.1	182.0	263.3	265.2
High	7198.0	7198.8	1690.8	1692.0	2403.0	2402.0	376.8	376.7	181.8	182.0	266.4	266.5
Low	7061.6	7063.5	1654.5	1654.2	2339.0	2335.1	365.7	365.2	175.6	175.5	259.9	260.0
Close	7075.0	7076.3	1657.3	1656.9	2386.2	2387.5	367.5	367.3	176.0	176.0	261.4	261.4
Shares	15603	758K	23387	829K	3418	117K	117K	1630K	1842K	21582K	906K	11836K
PE	36.3	36.3	33.9	33.9	38.0	38.1	15.2	15.2	9.5	9.5	7.6	7.6
52 Wk H/L	8190/5830	8192/5828	1742/1307	1741/1307	2794/2015	2796/2015	486/343	486/344	272/173	272/173	286/169	286/171
Mcap	437942	438020	264422	264350	46124	46149	7411	7408	28345	28345	135153	135179

	Bata India✥ BSE	Bata India✥ NSE	Berger Paints♠ BSE	Berger Paints♠ NSE	Bharat Elctn♠ BSE	Bharat Elctn♠ NSE	Bharat Forge★ BSE	Bharat Forge★ NSE	Bharti Airtel✥ BSE	Bharti Airtel✥ NSE	BHEL★ BSE	BHEL★ NSE
PCLose	(1387.3)	(1387.5)	(556.8)	(556.8)	(233.4)	(233.5)	(1177.6)	(1169.1)	(1225.2)	(1225.6)	(262.5)	(262.5)
Open	1387.0	1382.0	536.1	548.1	228.9	230.0	1150.1	1155.0	1201.3	1210.6	257.0	254.2
High	1387.0	1382.0	551.9	552.6	238.0	238.0	1175.7	1176.5	1234.6	1235.0	262.0	262.0
Low	1340.8	1341.1	536.1	543.0	225.9	226.0	1150.1	1155.0	1201.3	1210.4	252.6	252.6
Close	1341.8	1342.5	546.0	546.0	234.4	234.5	1171.7	1170.3	1225.1	1224.6	256.4	256.5
Shares	41669	780K	42002	439K	1902K	51676K	87696	1167K	34783	4282K	1373K	21132K
PE	65.0	65.1	61.8	61.8	47.6	47.6	42.6	42.6	82.5	82.4	-	-
52 Wk H/L	1770/1337	1771/1338	679/476	680/478	238/100	238/100	1330/748	1330/748	1245/753	1245/753	272/71	276/71
Mcap	17245	17253	63653	63647	171342	171378	54552	54489	692776	692493	89280	89315

	Biocon✥ BSE	Biocon✥ NSE	Birlasoft★ BSE	Birlasoft★ NSE	Bosch BSE	Bosch NSE	BPCL BSE	BPCL NSE	Britannia♠ BSE	Britannia♠ NSE	Can Fin Home★ BSE	Can Fin Home★ NSE
PCLose	(274.0)	(274.0)	(732.2)	(732.3)	(29859.1)	(29849.4)	(601.0)	(601.2)	(4749.6)	(4751.8)	(785.8)	(785.8)
Open	265.6	271.8	721.0	725.0	29500.1	29730.0	585.1	590.2	4749.7	4745.0	762.1	781.5
High	270.4	271.8	727.6	729.5	30159.5	30161.0	599.8	599.8	4779.1	4777.1	787.9	787.9
Low	262.2	262.1	706.0	706.1	29500.1	29500.0	574.7	574.4	4697.0	4692.9	762.1	762.7
Close	265.5	265.3	707.1	707.3	29789.7	29800.4	590.0	589.6	4764.1	4761.9	775.5	775.8
Shares	365K	4072K	55766	1211K	1082	28572	292K	8310K	16845	422K	12839	356K
PE	26.6	26.5	35.1	35.1	37.8	37.8	4.4	4.4	53.1	53.1	14.6	14.6
52 Wk H/L	307/218	307/218	862/252	862/252	31375/17925	31400/17931	688/330	688/330	5386/4230	5386/4246	905/550	910/551
Mcap	31870	31846	19512	19517	87850	87881	127975	127888	114766	114714	10325	10330

स्टॉक/हाजिर

Company (Pr.Cl) Op, HI, Lo, Cr.Cl, [Volume]	52 w H/L
-20 Microns (153.35) 138.78, 159.7, 132.55, 152.75 [277 k]	201/79
❖360 ONE WAM (748.52) 746.5, 756.7, 730, 739.75 [274 k]	789/396
3B BlackBio Dx (776.5) 740.1, 800, 740.1, 786.55 [9300]	924/390
3i Infotech (41.66) 40.37, 41.25, 39.55, 39.99 [1489 k]	64/30
3M India (29618.05) 29455.03, 29610, 29001, 29180.75 [3803]	39876/22125
5Paisa Capital (553.88) 530.53, 547.5, 521.05, 537.9 [129 k]	759/290
❖5-Star Business (728.9) 719.33, 723.65, 697.05, 705.3 [203 k]	877/510
★63 Moons (399.85) 384.83, 419.85, 379.85, 418.5 [454 k]	691/162

A

Company (Pr.Cl) Op, HI, Lo, Cr.Cl, [Volume]	52 w H/L
A K Capital (916) 915, 930, 883, 897 [527]	1160/410
A K Spintex (135) 133.2, 134.8, 129.15, 132.85 [7275]	169/79
A Sarabhai (49.56) 48.01, 49.25, 46.61, 48.03 [97759]	70/21
A-1 Acid (358.8) 359, 359.95, 356, 358.85 [28784]	440/295
A2Z Infra (13.28) 12.62, 13.45, 12.6, 12.96 [553 k]	17/6
Aaa Techno (96.05) 95.88, 99.5, 91.85, 93.63 [90830]	110/46
-AAIL (119.1) 116.75, 116.75, 116.75, 116.75 [619]	170/74
❖Aakash Explorat (11.25) 11, 11, 10.7, 10.7 [508 k]	15/6
Aarey Drugs (48.5) 48.1, 49, 45.95, 46.41 [48135]	68/26
Aarnav Fashi (29.29) 28.75, 28.75, 27.55, 28.34 [22898]	41/25
Aaron Inds (259.95) 250.5, 257.95, 250.25, 254.85 [9594]	326/198

Company (Pr.Cl) Op, HI, Lo, Cr.Cl, [Volume]	52 w H/L
Celebrity F (19.23) 18.75, 19, 18.05, 18.2 [152 k]	22/12
Cell Point (I) (36.4) 36, 36.2, 33.65, 35.2 [54000]	100/32
Cellecor Gadget (217.25) 215, 224.65, 209, 220.6 [69600]	355/88
-Cello World (834.02) 819.75, 829.35, 801.35, 823.35 [174 k]	949/711
Cenlub Indus (438.25) 429.5, 429.5, 429.5, 429.5 [257]	609/178
Central Bank (63.9) 60.94, 62.95, 59.55, 61.29 [17957 k]	77/25

Company (Pr.Cl) Op, HI, Lo, Cr.Cl, [Volume]	52 w H/L
❖GG Eng (2.07) 1.98, 2.05, 1.97, 1.98 [6797 k]	3/1
GHCL (503.23) 491.28, 508.15, 486.1, 505.95 [240 k]	660/435
★GHCL Textiles (83.8) 81.33, 82.65, 79.35, 80.51 [269 k]	98/59
GIC Housing (217.07) 211.95, 214.5, 207, 209.15 [339 k]	292/157
-GIC of India (324.7) 300.13, 331.4, 280.25, 325.8 [2022 k]	468/142
Gillander Ar (83.99) 82.33, 82.33, 82.32, 82.32 [265]	159/61

Company (Pr.Cl) Op, HI, Lo, Cr.Cl, [Volume]
-Kamdhenu Ventur (181.22) 172, 179.05, 166.05, 174.4
❖Kanani Ind (4.07) 4, 4, 3.99, 3.99 [11550]
Kanchi Karpoora (383.8) 370, 382.95, 370, 373.35 [3804]
Kanishk Stl (29.33) 29, 29, 28.26, 28.53 [5289]
-Kanoria Chem (130.83) 129.43, 130.75, 122.55, 125.7
-Kanoria Energy (31.66) 31.4, 31.4, 29.3, 30.14 [13058]

Company (Pr.Cl) Op, HI, Lo, Cr.Cl, [Volume]	52 w H/L
...ensar Tech (608.98) 592.8, 604.05, 579.9, 590.9 [648 k]	646/259
...F Commercial (14180.85) 14190.1, 14400, 13800, 13829.3 [4678]	17700/9950
...teering (942.65) 939, 972, 916.2, 949.4 [8143]	1027/523
...Labs (96.78) 96.97, 98, 93.61, 95.99 [130 k]	153/74
...ac Cloth (117.92) 112.55, 115.25, 111.15, 113.95 [19246]	151/90
...ac Energy (422.48) 392.35, 429.45, 386.65, 427.35 [77375]	440/98
... Health (501) 480.7, 497.65, 480.7, 492 [15350]	555/270
...i Agro (201.2) 198.48, 199, 187.45, 195.9 [272 k]	260/128
...i Industrie (364.82) 362.7, 370, 348.75, 364.4 [352 k]	371/117
...us Welln (1609.13) 1600.1, 1618.2, 1560.6, 1605.7 [29040]	1721/1425

Filtered for stocks with previous months average market cap is more than ₹.65 crore. Other stocks list will be updated on 1st of the every month

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

समक्ष वाणिज्यक न्यायालय क्रम – 4 जयपुर वानिजी पथ महानगर – II जयपुर

आई० डी० बी० आई० बैंक लिमिटेड, – बनाम – अंशुल जैन वगै०

CNR – RJJTIA0034642022

वाद बाबत वसूली

CES – 506/22

वाद सं 96/23

गुरुप्रज्ञा रियल मार्ट प्रा० लि० जरिये अधिकृत प्रतिनिधि / निदेशक श्री सुभाष सैनी पंजिकृत कार्यालय 37, निर्माण नगर – एबी, अजमेर रोड जयपुर (बिल्डर) E-Mail : dir@gurupragya.com

वादी ने आपके विरूद्ध स्थाई एवम् आज्ञापक निषेधाज्ञा के लिये वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 04 सन् 2024 को दिन में 8.00 am बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता० 06 माह 03 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

By Order
Sd/-
Reader
Commercial Court No. 4
Jaipur

1 यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनि मर्जी से हाजिर नहीं होंगें तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्चे की रकम जमा कराके ले सकते हैं।

2 यदि आप दावे को स्वीकार करते है तो आपको चाहिए कि दावे के खर्चे के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पडे।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

समक्ष वाणिज्यक न्यायालय क्रम – 4 जयपुर वानिजी पथ महानगर – II जयपुर

आई० डी० बी० आई० बैंक लिमिटेड, – बनाम – दलीप कुमार साहू वगै०

CNR – RJJTIA0023702022

वाद बाबत वसूली

CES – 361/22

वाद सं 81/23

गुरुप्रज्ञा रियल मार्ट प्रा० लि० जरिये अधिकृत प्रतिनिधि / निदेशक श्री सुभाष सैनी पंजिकृत कार्यालय 37, निर्माण नगर – एबी, अजमेर रोड जयपुर (बिल्डर) E-Mail : dir@gurupragya.com

वादी ने आपके विरूद्ध स्थाई एवम् आज्ञापक निषेधाज्ञा के लिये वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 04 सन् 2024 को दिन में 8.00 am बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता० 11 माह 03 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

By Order
Sd/-
Reader
Commercial Court No. 4
Jaipur

1 यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनि मर्जी से हाजिर नहीं होंगें तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्चे की रकम जमा कराके ले सकते हैं।

2 यदि आप दावे को स्वीकार करते है तो आपको चाहिए कि दावे के खर्चे के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पडे।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

समक्ष वाणिज्यक न्यायालय क्रम – 4 जयपुर वानिजी पथ महानगर – II जयपुर

आई० डी० बी० आई० बैंक लिमिटेड, – बनाम – प्रतिमा कुलश्रेष्ठ वगै०

CNR – RJJTIA0034632022

वाद बाबत वसूली

CES – 505/22

वाद सं 20/23

1) श्रीमती प्रतिमा कुलश्रेष्ठ पत्नी श्री अजय कुलश्रेष्ठ निवासी – 60, विनोबा नगर, वार्ड नम्बर – 28, तह – सांगानेर, जिला– जयपुर–302011 (आवेदक / ऋणी)
2) श्री अजय कुलश्रेष्ठ निवासी – 60, विनोबा नगर, वार्ड नम्बर – 28, तह – सांगानेर, जिला– जयपुर – 302011 (सह – आवेदक / सह – ऋणी)
3) गुरुप्रज्ञा रियल मार्ट प्रा० लि० जरिये अधिकृत प्रतिनिधि / निदेशक श्री सुभाष सैनी पंजिकृत कार्यालय 37, निर्माण नगर – एबी, अजमेर रोड जयपुर (बिल्डर) E-Mail : dir@gurupragya.com

वादी ने आपके विरूद्ध स्थाई एवम् आज्ञापक निषेधाज्ञा के लिये वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 04 सन् 2024 को दिन में 8.00 am बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता० 11 माह 03 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

By Order
Sd/-
Reader
Commercial Court No. 4
Jaipur

1 यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनि मर्जी से हाजिर नहीं होंगें तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्चे की रकम जमा कराके ले सकते हैं।

2 यदि आप दावे को स्वीकार करते है तो आपको चाहिए कि दावे के खर्चे के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पडे।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

समक्ष वाणिज्यक न्यायालय क्रम – 4 जयपुर वानिजी पथ महानगर – II जयपुर

आई० डी० बी० आई० बैंक लिमिटेड, – बनाम – अम्बरीश रंजन वगै०

CNR – RJJTIA0033392022

वाद बाबत वसूली

CES – 491/22

वाद सं 18/23

1) श्री अम्बरीश रंजन निवासी–बीडी–267, अंसल अवनिका, पानी के टैंक के पास, गाजियाबाद (यूपी) 201002 (आवेदक/ऋणी)
2) श्री अजय मोहन शील निवासी–डी–17, राम नगर, शास्त्री नगर, जयपुर। (गारन्टर)
3) गुरुप्रज्ञा रियल मार्ट प्रा० लि० जरिये अधिकृत प्रतिनिधि / निदेशक श्री सुभाष सैनी पंजिकृत कार्यालय 37, निर्माण नगर – एबी, अजमेर रोड जयपुर (बिल्डर) E-Mail : dir@gurupragya.com

वादी ने आपके विरूद्ध स्थाई एवम् आज्ञापक निषेधाज्ञा के लिये वाद संस्थित किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 04 सन् 2024 को दिन में 8.00 am बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता० 11 माह 03 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

By Order
Sd/-
Reader
Commercial Court No. 4
Jaipur

1 यदि आपको यह आशंका है कि आपके साक्षी अपनि मर्जी से हाजिर नहीं होंगें तो आप किसी साक्षी को हाजिर होने के लिये विवश करने के लिये और ऐसी कोई दस्तावेज पेश करने के लिए, जिसे पेश करने के लिए साक्षी से अपेक्षा करने का आपको अधिकार है, सम्मन इस न्यायालय में आवेदन करके आवश्यक खर्चे की रकम जमा कराके ले सकते हैं।

2 यदि आप दावे को स्वीकार करते है तो आपको चाहिए कि दावे के खर्चे के साथ इस दावे का धन न्यायालय में जमा करावें जिससे कि किसी का निष्पादन स्वयं आपके या आपकी सम्पत्ति या दोनों के विरूद्ध न करना पडे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे क्लाईंट, **मेसर्स मुथूट फाईनान्स लि. (GSTIN 32AABCT0343B1Z7), पंजीकृत कार्यालयः तल 2, मुथूट चेम्बर्स, बैनर्जी रोड, कोच्चि–682018, केरल, भारत, CIN: L65910KL1997PLC011300, दूरभाषः +91 484-2396478, 2394712, फैक्स: +91 484-2396506, mails@muthootgroup.com, www.muthootfinance.com** ऋण चुकाने में असफल ऋणियों के गिरवी रखे सोने के गहनों (**30.09.2022** की अवधि तक के **NPA** खातों) की निम्नलिखित विवरणों के अनुसार नीलामी करेगी। इच्छुक सभी व्यक्ति भाग ले सकते हैं।

प्रथम नीलामी की तिथि: 23.04.2024

जयपुर-भीलवाड़ा (1098): BLS-29, MAL-3335, MDL-1674, 2039, 2047, MEG-16, 22, 32, MOL-1773, 1843, MUL-6080, 6199, 6458, 6665, 6891, MWS-3237, WBS-68, **भीलवाड़ा-नागौरी गार्डन (2169):** MDL-1159, 1160, MHP-147, MUL-4996, **भीलवाड़ा-नेहरू नगर (2292):** MAL-1689, MDL-1060, MUL-4244, 5561

द्वितीय नीलामी की तारीख: 29.04.2024, नीलामी स्थान:पहली मंजिल, एस.के. प्लाजा, पुर रोड, भीलवाड़ा-311001

प्रथम नीलामी की तिथि 23.04.2024

उदयपुर-राजस्थान (1118): MDL-1048, MEG-31, 44, MOL-1397, MUL-7143, 9434, **उदयपुर-चेतक मार्ग (1377):** MAL-3395, MDL-1170, 1337, 1394, 1535, 1720, MEG-34, MOL-2059, MUL-10597, 10795, 10852, 10978, 11030, 11055, **उदयपुर-फतेहपुरा (1737):** MAL-2314, MDL-1074, 1439, 1508, 1528, 1669, 1683, MEG-6, MOL-562, 1715, MUL-12143, 12343, **उदयपुर-सुन्दरवास (1738):** MDL-1934, MOL-1697, MUL-7649, 8038, 8460, 8739, **उदयपुर-तोरण बावड़ी (3060):** MAL-1455, MDL-721, MUL-3269, WBS-14, **उदयपुर-हिरण मगरी (3802):** MDL-1232, 1364, 1373, MEG-30, 38, 57, MOL-1200, 1358, MWS-3269, **उदयपुर-हिरन मगरी सेक्टर-11 (4360):** MAL-862, MDL-529, 544, 553, 577, 587, 591, 675, 760, 815, 928, 944, MEG-44, MOL-738, 829, MUL-5944, 6056, 6068, MWS-2445, **आबू रोड-जोधपुर (4502):** MDL-214, MEG-90, MOL-314, RGL-158

द्वितीय नीलामी की तारीख: 30.04.2024, नीलामी स्थान: प्रथम तल, श्री करणी कॉम्प्लेक्स, एलएल फ़तेहपुरा बेदला रोड, उदयपुर, राजस्थान-313001

नीलामी नीचे दिखाए अनुसार जिस शाखा हेड में ग्राहक का ऋण खाता है क्रमशः उन्हीं शाखाओं में संचालित की जाएगी। हालाँकि, कृपया यह ध्यान रखें कि यदि निर्धारित तिथि (तिथियों) में नीलामी सफलतापूर्वक नहीं हो जाती तो ऐसी नीलामी **दूसरी नीलामी की तारीख** को क्रमशः **दिये गए नीलामी केंद्र** में संचालित की जाएगी/जारी रहेगी आगामी और ऐसी स्थिति में जहाँ इस सब के बावजूद कथित गहनो की नीलामी सफलतापूर्वक नहीं हो जाती ऐसी नीलामी आगामी तिथियों में भी इसी स्थान पर जारी रहेगी। इस संबंध में कोई अतिरिक्त सूचनाएं नहीं दी जाएंगी।

कोहली एण्ड सोब्ती, एडवोकेट, ए 59ए, पहली मंज़िल, लाजपत नगर–II, नई दिल्ली–110024

नोटः ग्राहक नीलामी की निर्धारित तिथि से पहले हमारे क्लाइंट की बकाया राशि का भुगतान करके अपने गहनों की गिरवी छुड़ा सकते हैं। ग्राहक **ईमेल आईडी: recoverynorth@muthootgroup.com** या **7834886464, 7994452461** पर कॉल करके संपर्क कर सकते हैं।

बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड

BAJAJ FINSERV

कॉरपोरेट कार्यालयः सेरेब्रम आईटी पार्क बी2 बिल्डिंग पांचवीं मंजिल, कल्याणी नगर, पुणे, महाराष्ट्र 411014
शाखा कार्यालयः चौदहवीं मंजिल, अग्रवाल मेट्रो हाइट्स, नेताजी सुभाष पैलेस, पीतमपुरा, दिल्ली-110034

कब्जा सूचना

प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(4), प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8-(1) के अधीन. (परिशिष्ट-IV)

चूंकि, मैसर्स बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (बीएचएफएल) के अधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग के तहत यहां नीचे उल्लिखित कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटीदाताओं को मांग सूचनाएं जारी की गई थी, जिसमें उन्हें कथित सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर सूचना में उल्लेखित रकम चुकता करने को कहा गया था। कर्जदारों/सह-कर्जदारों/गारंटीदाताओं द्वारा उक्त रकम का भुगतान करने में विफल होने के कारण, एतद्द्वारा कर्जदारों/सह-कर्जदारों/गारंटीदाताओं एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैसर्स बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड की ओर से अधोहस्ताक्षरी ने कथित अधिनियम की धारा 13(4) के साथ पठित कथित नियमों के नियम 8-(1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग के तहत यहां उल्लेखित सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है। विशेष तौर पर कर्जदारों/सह-कर्जदारों/गारंटीदाताओं तथा आम तौर पर जन साधारण को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी सौदा न करें तथा इस संपत्ति से संबंधित कोई भी सौदा यहां नीचे उल्लिखित रकम के साथ उस पर भविष्य के ब्याज की राशि के लिए बीएचएफएल के प्रथम प्रभार का विषय होगा।

कर्जदारों/गारंटीदाताओं के नाम (एलएएन नं., शाखा का नाम)	प्रत्याभूत सम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का विवरण	मांग सूचना की तारीख एवं रकम	कब्जा की तारीख
शाखाः दिल्ली LAN: 401TFHEQ383821 एवं 401TLHEP713638 **कर्जदार/सह-कर्जदारः** **1. निशांत भास्कर (कर्जदार),** **2. निवेदिता सिंह (सह-कर्जदार),** पताः एसएफ-1 प्लॉट नं. 44 एफ ब्लॉक एसएलएफ वेद विहार अभिनंदन सोसाइटी एसएलएफ वेद विहार सदुल्लाबाद, उ.प्र., गाजियाबाद-201102	नीचे वर्णित कृषितर सम्पत्ति का सम्पूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्साः फ्लैट नं. एसएफ-1, एमआईजी प्लॉट नं. एफ-44 दूसरी मंजिल छत के अधिकार के बिना, फ्रंट एलएचएस प्लॉट नं. एफ-44, ब्लॉक-एफ एसएलएफ वेद विहार ग्राम लोनी परगना एवं तहसील लोनी जिला-गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201102. पूर्वः अन्य की भूमि, पश्चिमः 9 मीटर सड़क, उत्तरः फ्लैट एफ-45, दक्षिणः फ्लैट एफ-43।	**20 जनवरी, 2024** रु. 21,66,992/- (रुपये इक्कीस लाख छियासठ हजार नौ सौ बानवे मात्र)	10-अप्रैल-24
शाखाः दिल्ली LAN: 401THTEI260882 एवं 401TLHEI113095 **कर्जदार/सह-कर्जदारः** **1. राज कुमार (कर्जदार),** **2. गीता (सह-कर्जदार),** पताः पीएल नं. एमएम-72 एफएल नं. एफएफ-02, डीएलएफ अंकुर विहार लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201102	नीचे वर्णित कृषितर सम्पत्ति का सम्पूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्साः पहली मंजिल पर एलआईजी फ्लैट नं. एफ.एफ. 02 छत के अधिकार के बिना, बाईं तरफ सामने की ओर अच्छादित क्षेत्रफल 600 वर्ग फीट, प्लॉट नं. एम.एम. 72 पर निर्मित डीएलएफ अंकुर विहार ग्राम सदुल्लाबाद परगना लोनी गाजियाबाद। पूर्वः 12 मीटर सड़क, पश्चिमः प्लॉट नं. एमएम 72ए, उत्तरः 18 मीटर सड़क, दक्षिणः प्लॉट नं. सी-1/46	**22 जनवरी, 2024** रु. 22,61,869/- (रुपये बाईस लाख इकसठ हजार आठ सौ उनहत्तर मात्र)	10-अप्रैल-24

स्थानः दिल्ली/एनसीआर दिनांकः 16 अप्रैल, 2024 **हस्ता/- अधिकृत अधिकारी, बजाज हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड**

ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित, ग्वालियर

साँची Sanchi दूध एवं दुग्ध उत्पाद — शुद्धता का संकल्प

गोला का मन्दिर, ग्वालियर– 474005, दूरभाष–0751–2368107

साँची दूध एवं दुग्ध उत्पाद वितरक चाहिये

एम.पी. स्टेट को–ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लि., भोपाल से सम्बद्ध ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित को अपने लोकप्रिय एवं मध्य प्रदेश के अग्रणी साँची ब्राण्ड दूध एवं दुग्ध उत्पादों के दिल्ली, आगरा, मथुरा, इटावा एवं धौलपुर शहर तथा आसपास के क्षेत्रों में विक्रय हेतु वितरक नियुक्त करना है। इस हेतु आर्थिक रूप से सक्षम, अनुभवी व्यक्तियों/संस्थाओं जिनके पास सुदृढ़ मार्केटिंग नेटवर्क हो, से दिनांक 31.05.2024 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र व अधिक जानकारी के लिये कृपया निम्न पते व नम्बर पर सम्पर्क करें–

पता :– ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ मर्यादित, ग्वालियर गोला का मन्दिर, रेजीडेन्सी रोड, ग्वालियर – 474005
Email-gwaliordairy@gmail.com

मोबाइल नं 9406900745 9406900719

मुख्य कार्यपालन अधिकारी

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे क्लाईंट, **मेसर्स मुथूट फाईनान्स लि. (GSTIN 32AABCT0343B1Z7), पंजीकृत कार्यालयः तल 2, मुथूट चेम्बर्स, बैनर्जी रोड, कोच्चि–682018, केरल, भारत, CIN: L65910KL1997PLC011300, दूरभाषः +91 484-2396478, 2394712, फैक्स: +91 484-2396506, mails@muthootgroup.com, www.muthootfinance.com** ऋण चुकाने में असफल ऋणियों के गिरवी रखे सोने के गहनों (**30.09.2022** की अवधि तक के **NPA** खातों) की निम्नलिखित विवरणों के अनुसार नीलामी करेगी। इच्छुक सभी व्यक्ति भाग ले सकते हैं।

प्रथम नीलामी की तिथि: 23.04.2024

बिजनोर-(उप्र) (2705): MAL-2652, MOL-2264, **नजीबाबाद-(उप्र) (3242):** MOL-1657, RGL-1784, **धामपुर-(उप्र) (3349):** MAL-1575, RGL-971

द्वितीय नीलामी की तारीख: 24.04.2024, नीलामी स्थान: निचला तल, दुकान नं. 207-208, पुराना नं 30/2 और 30/3 और 14 सिविल लाइन्स-1 का भाग, भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के पास, बिजनौर, उ.प्र.-246701

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

हाथरस (उप्र) (4639): MDL-315, 318, 534, MUL-2416, 2552, 2578

द्वितीय नीलामी की तारीख: 25.04.2024, नीलामी स्थान: मुथूट फाईनान्स लिमिटेड, प्रथम तल, सिटी प्लाजा, सादाबाद गेट, हाथरस, यू.पी-204101

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

चंदौसी-भीम नगर (4105): MAL-1025, RGL-522, 532, 561, 566

द्वितीय नीलामी की तारीख: 26.04.2024, नीलामी स्थान: प्रथम तल, फकीर चंद्र हजारीलाल, घंटा घर चंदौसी, उ.प्र.-244412

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

मुरादाबाद (1276): MDL-724, 741, MOL-860, MUL-2576, 2596, 2634, 2643, **मुरादाबाद-सिविल लाइन्स (1714):** MOL-550

द्वितीय नीलामी की तारीख: 29.04.2024, नीलामी स्थान: पहली मंजिल, स्टेशन रोड, बुध बाजार, महाराजा होटल के पास, मुरादाबाद, उ.प्र.-244001

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

अमरोहा (उप्र) (4675): BLS-9, MAL-441, 464, MDL-513, MUL-1564, RGL-579, 588, 644, 645, 664

द्वितीय नीलामी की तारीख: 30.04.2024, नीलामी स्थान: मुथूट फाईनान्स लिमिटेड, निचला तल, 503/87/1, जय ओम नगर, बाई पास रोड, अमरोहा, उ.प्र.-244221

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

गुलौठी (4626): MAL-725, 951, MDL-637, 762, 770, 784, 810, 938, 1066, 1071, 1118, 1185, 1198, 1245, 1251, MOL-826, 1062, MUL-4798, 5029, 5192, 5272, 5303, 5332, 5417, 5423, 5437, 5440

द्वितीय नीलामी की तारीख: 01.05.2024, नीलामी स्थान: मुथूट फाईनान्स लिमिटेड, ऊपरी निचला तल, 210, श्योदत्त, गुलाओठी, बुलन्दशहर, यू.पी.-245408

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

हापुड-(उप्र) (2291): MAL-3562, 3565, MDL-1856, 1860, 1877, 1913, 1961, 1965, 2052, 2056, MUL-9090, 10352, 10730, 10812, 10863, 10924, **हापुड-मंडी पाटिया (2824):** MDL-1106, 1129, 1132, 1135, 1186, MUL-5420, 5779, 5786

द्वितीय नीलामी की तारीख: 02.05.2024, नीलामी स्थान: प्रथम तल, 19, इंडियन बैंक के ऊपर, रेलवे रोड, हापुड, यू.पी.-245101

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

रामपुर (उप्र) (1713): MDL-939, 1177, 1179, 1181, 1197, 1198, 1221, 1252, MOL-694, RGL-1305, 1365, 1395, 1412, 1479, 1516, 1521, 1545, 1549, 1569, **बिलासपुर (उप्र) (2939):** RGL-2009

द्वितीय नीलामी की तारीख: 03.05.2024, नीलामी स्थान: शबद गेट रोड, जमाते तुस सालेहथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के सामने, रामपुर, उ.प्र.-244901

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

मेरठ-अबू लेन (1610): MDL-1274, 1300, **मेरठ-कुमार प्लाजा (1808):** MOL-719, **मेरठ-दिल्ली रोड (2394):** MOL-626, MUL-3420, 6352, 6696, **मेरठ-शास्त्री नगर (2395):** MDL-967, 1100, MOL-1238, MUL-5740, **मेरठ-गढ़ रोड (2562):** MOL-382, MUL-6392, **मेरठ-मवाना रोड (2866):** MDL-1051, MOL-960, 982, **मेरठ-परतापुर (3308):** MDL-553, 560, 738, MOL-831, MUL-7016

द्वितीय नीलामी की तारीख: 04.05.2024, नीलामी स्थान: मुथूट फाईनान्स लिमिटेड, पहली मंजिल, वैशाली कॉर्नर, पिनेकल टावर, गढ़ रोड मेरठ, उ.प्र.-250004

प्रथम नीलामी की तिथिः 23.04.2024

अलीगढ-नौरंगाबाद (1964): MAL-1459, MDL-1022, 1185, 1190, 1477, 1501, 1509, 1523, 1543, 1561, MHP-216, MOL-1610, MUL-5784, 5791, 5864, 5989, 6174, 6263, 6275, **अलीगढ-केंद्र बिंदु (2053):** MDL-727, 976, 1092, MUL-586, 3535, 3828, 3869, 3877

द्वितीय नीलामी की तारीख: 06.05.2024, नीलामी स्थान: मुथूट फाईनान्स लिमिटेड, निचला तल, मुखियाजी कॉम्प्लेक्स, गोपीमिल कंपाउंड, डी.ए.वी. इंटर कॉलेज के सामने, नौरंगाबाद अलीगढ उ.प्र.-202001

नीलामी नीचे दिखाए अनुसार जिस शाखा हेड में ग्राहक का ऋण खाता है क्रमशः उन्हीं शाखाओं में संचालित की जाएगी।
हालाँकि, कृपया यह ध्यान रखें कि यदि निर्धारित तिथि (तिथियों) में नीलामी सफलतापूर्वक नहीं हो जाती तो ऐसी नीलामी **दूसरी नीलामी की तारीख** को क्रमशः **दिये गए नीलामी केंद्र** में संचालित की जाएगी/जारी रहेगी आगामी और ऐसी स्थिति में जहाँ इस सब के बावजूद कथित गहनो की नीलामी सफलतापूर्वक नहीं हो जाती ऐसी नीलामी आगामी तिथियों में भी इसी स्थान पर जारी रहेगी। इस संबंध में कोई अतिरिक्त सूचनाएं नहीं दी जाएंगी।

कोहली एण्ड सोब्ती, एडवोकेट, ए 59ए, पहली मंज़िल, लाजपत नगर–II, नई दिल्ली–110024

नोटः ग्राहक नीलामी की निर्धारित तिथि से पहले हमारे क्लाइंट की बकाया राशि का भुगतान करके अपने गहनों की गिरवी छुड़ा सकते हैं। ग्राहक **ईमेल आईडीः recoverynorth@muthootgroup.com** या **7834886464, 7994452461** पर कॉल करके संपर्क कर सकते हैं।

बजाज फाइनैंस लिमिटेड

BAJAJ FINSERV

कॉरपोरेट कार्यालयः चौथी मंजिल, बजाज फिनसर्व कॉरपोरेट कार्यालय, ऑफ पुणे-अहमदनगर रोड, विमान नगर, पुणे-411014, महाराष्ट्र, भारत
शाखा कार्यालयः बजाज फाइनैंस लिमिटेड, पहली मंजिल, ब्लैक बिल्डिंग, मानू भंज रोड, आईसीआईसीआई बैंक के निकट, अलीगढ़-202 001 (उ.प्र.)

कब्जा सूचना

प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(4), प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8-(1) के अधीन (परिशिष्ट-IV)

चूंकि, मैसर्स बजाज फाइनैंस लिमिटेड (बीएफएल) के अधिकृत अधिकारी होने के नाते अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग के तहत यहां नीचे उल्लिखित कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटीदाताओं को मांग सूचनाएं जारी की गई थी, जिसमें उन्हें कथित सूचना की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के अंदर सूचना में उल्लेखित रकम चुकता करने को कहा गया था। कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटीदाताओं द्वारा उक्त रकम का भुगतान करने में विफल होने के कारण एतद्द्वारा कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटीदाताओं एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि ऊपर उल्लेखित अधिनियम की धारा 13(4) के साथ पठित उक्त नियमों के नियम 8-(1) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत मैसर्स बजाज फाइनैंस लिमिटेड की ओर से अधोहस्ताक्षरी ने यहां उल्लेखित सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है। विशेष तौर पर कर्जदारों/सह कर्जदारों/गारंटीदाताओं तथा आम तौर पर जन साधारण को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी सौदा न करें तथा इस संपत्ति से संबंधित कोई भी सौदा यहां नीचे उल्लिखित रकम के साथ उस पर भविष्य के ब्याज की राशि के लिए बीएफएल के प्रथम प्रभार का विषय होगा।

कर्जदारों/गारंटीदाताओं के नाम (एलएएन नं., शाखा का नाम)	प्रत्याभूत सम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का विवरण	मांग सूचना की तारीख एवं रकम	ऋण नम्बर	प्रतीकात्मक कब्जा
शाखाः अलीगढ़ **कर्जदार/सह-कर्जदारः 1. मैसर्स प्रेशा लॉक इंटरप्राइजेज अपने स्वत्वाधिकारी (कर्जदार) के जरिए 11/341ए आशिक अली रोड मुल्ला पाड़ा भुजपुरा अलीगढ़ उप्र-202001, और एक पताः अराजी नं. 3285 मोहल्ला मुल्ला पाड़ा, भुजपुरा परगना एवं तहसील कोइल, जिला-अलीगढ़-202001 उप्र, 2. नवाब खान (सह-कर्जदार) 3. मो. शबाब खान** भुजपुरा थाना चौकी आशिक अली रोड मुल्ला पाड़ा भुजपुरा अलीगढ़ 202001 उप्र.	अरजी नं. 3285, मोहल्ला मुल्ला पाड़ा, भुजपुरा परगना तथा तहसील कोइल, जिला अलीगढ़-202001 उप्र में स्थित भूमि का सम्पूर्ण एवं सर्वांगीण हिस्सा, चौहद्दीः पूर्व में: देवी प्रसाद की अरजी, पश्चिम में: 8 फीट चौड़ी सड़क, उत्तर में: सत्तार की अरजी, दक्षिण में: नवाब खान की अरजी।	**19 जनवरी 2024** रु. 22,12,718/- (रुपये बाईस लाख बारह हजार सात सौ अठारह मात्र)	P586PBL 5333841	10-अप्रैल-24

यह कदम असेवित सूचनाओं की वैकल्पिक सेवा के रूप में उठाया गया है। ऊपर उल्लिखित कर्जदारों/सह-कर्जदारों/गारंटीदाताओं को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के अंदर मांग की गई रकम के साथ भविष्य के ब्याज तथा अन्य उपार्जित शुल्कों की रकम चुकता करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा (बजाज फाइनैंस लिमिटेड के पास उपलब्ध समाधान के अन्य किसी भी अधिकार के प्रति बिना किसी भी पूर्वाग्रह के) प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय संपत्तियों के पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(4) के प्रावधानों तथा उसके नियमों के अनुसार प्रत्याभूत सम्पत्तियों/गिरवी पर रखी गई सम्पत्तियों पर कब्जा करने के लिए आगे का कार्रवाई की जाएगी। ऊपर नामित पार्टियों को ऊपर उल्लिखित सम्पत्तियों, जिस पर बजाज फाइनैंस लिमिटेड का प्रथम प्रभार है, के हस्तांतरण, तृतीय पक्ष हित गठित नहीं करने की सलाह दी जाती है।

स्थान : अलीगढ़
तारीखः 16/04/2024

अधिकृत अधिकारी
कृते बजाज फाइनैंस लिमिटेड

Form No. 3
[See Regulation-15 (1)(a)] / 16(3)

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

First Floor, Sudharma-II, Lal Kothis Shopping Center, Tonk Road, Jaipur-302015

Case No.: OA/760/2023

Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993. **Exh. No.: 11720**

STATE BANK OF INDIA
VS
OM PRAKASH

To,
(1) OM PRAKASH
D/W/S/O- RAMRAKH
WARD NUMBERS 10 NEAR JAMBHESHWAR MANDIR PO BILOCHANWALA 2 LKS TEHSIL PILIBANGA Hanumangarh, RAJASTHAN-335803

SUMMONS

WHEREAS, **OA/760/2023** was listed before Hon'ble Presiding **Officer/Registrar** on **04.04.2024.**

WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of **Rs. 2752725/-** (application along with copies of documents etc. annexed).

In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you, the defendants are directed as under :- **(i)** to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted. **(ii)** to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application. **(iii)** You are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties. **(iv)** You shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and / or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal. **(v)** You shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and to appear before **Registrar on 01.07.2024 at 10:30 AM** failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date **05.04.2024.**

Seal

Registrar
Debts Recovery Tribunal, Jaipur

नैनीताल बैंक

शाखा - ई-69 बी, बनी पार्क विस्तार, शास्त्री नगर, जयपुर
जिला जयपुर -302016 फोन-(0141) 2281557, 7455802334

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्तियों हेतु)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता नैनीताल बैंक, ई-69 बी, बनी पार्क विस्तार, शास्त्री नगर, जयपुर, जिला जयपुर -302016 शाखा का प्राधिकृत अधिकारी है तथा सिक्योरिटाइजेशन एण्ड रिकन्सट्रक्शन ऑफ फाइनेन्शियल ऐसेट्स एण्ड, इनफोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरिटी इन्टरेस्ट (SARFAESI) एक्ट 2002 के सेक्शन 13(2) के नियम 3 के अधीन 60 दिन की अवधि का डिमान्ड नोटिस निम्नलिखित ऋणियों तथा जमानतियों को जारी कर चुका है। यह कि ऋणी/जमानती ऋण का पूर्ण भुगतान करने में असमर्थ रहे अतः अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्त अधिनियम की धारा 13(4) व रूल 8 एवं 9 के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित सम्पत्ति का जो है जहां है जैसे है के आधार पर दिनांक 10.04.2024 को कब्जा ले लिया है। विशेष रूप से ऋणियों/जमानतियों तथा सामान्य रूप से सम्पूर्ण जनता को सावधान किया जाता है कि निम्नलिखित सम्पत्ति से सम्बन्धित किसी भी प्रकार का लेन–देन न करें। सम्बन्धित लेन–देन दि नैनीताल बैंक लि0 के संबंधित ऋणियों/जमानतियों पर देय धनराशियों तथा उस पर देय ब्याज एवं अन्य सम्बन्धित खर्चे की सीमा तक बैंक प्रभार के अधीन होंगे। उधारकर्ताओं का ध्यान सुरक्षित परिसम्पत्तियों को मुक्त कराने में उपलब्ध समय के सम्बन्ध में अधिनियम की धारा–13 की उपधारा (8) के प्रावधान को आकर्षित किया जाता है।

(1) ऋणी/जमानतियों का नाम एवं पता

1. मैसर्स न्यू वियर वैल (प्रोपराईटरशिप/कर्जदार) द्वारा इसके प्रोपराईटर मनोज स्वामी पुत्र ताराचंद स्वामी, नि0 20 ए, नारायण नगर विस्तार, उत्सव बाग के पास, दादी का फाटक, झोटवाड़ा, जयपुर–302012 दूसरा पता– एस–1 एस–2, वृन्दावन कॉम्प्लेक्स, सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर, राजस्थान – 302023
2. मनोज स्वामी पुत्र ताराचन्द स्वामी (प्रोपराईटर/कर्जदार), नि0 20 ए, नारायण नगर विस्तार, उत्सव बाग के पास, दादी का फाटक, झोटवाड़ा, जयपुर–302012 3. नवीन कुमार पुत्र सुधीर (जमानती), नि0 सी–5, अपोलो अपार्टमेंट, सेक्टल 3, विद्याधर नगर, जयपुर, राजस्थान–232039 4. विकास टाण्डी पुत्र राजेन्द्र टाण्डी (जमानती) नि0 मकान नं. 62, पुरानी चुंगी, जामेर रोड, अशोक नगर, नोबेल पब्लिक स्कूल के पास, जयपुर।
(डिमान्ड नोटिस दिनांक 02.08.2023 को रु. 14,80,373.64 (रुपये चौदह लाख आस्सी हजार तीन सौ तिहत्तर एवं पैसे चौसठ मात्र दिनांक 01.08.2023 तक) दिनांक 02.08.2023 से आगे का ब्याज एवं अन्य खर्चे जारी किया जा चुका है। घटाये वसूली यदि कोई हो।
दृष्टिबन्धक/बन्धक सम्पत्ति का संक्षिप्त विवरण : बंधक अचल सम्पत्ति (रिहायशी प्लॉट) के सभी भाग व हिस्से जो कि प्लॉट नं. बी–21, बोधीरतनाम विहार, ग्राम रेनवाल, तहसील फागी, जयपुर में स्थित है। क्षेत्रफल 200 वर्ग यार्डस। सम्पत्ति उप निबन्धक फागी (जयपुर) के कार्यालय में बही नं. 1, जिल्द नं. 380, पेज 149, क्रमांक 201803284100243 दिनांक 24.01.2018 एवं प्रतिलिपि जो कि अतिरिक्त बही नं. 1, जिल्द नं. 1324, पेज 400 से 407 पर दर्ज है। सीमाऐं (लीज डीड दिनांक 24.01.2018 के अनुसार) – पूरब में रोड, पश्चिम में प्लॉट नं. बी–7, उत्तर में प्लॉट नं. बी–20, दक्षिण में प्लॉट नं. बी–22.

(2) ऋणी/जमानतियों का नाम एवं पता

1. मैसर्स रजनीश (प्रोपराईटरशिप/कर्जदार), द्वारा इसके प्रोपराईटर रजनीश पुत्र मांगेजा राम, पंजीकृत पता– अल्का सिनेमा के पास, सीकर रोड, जयपुर, राजस्थान–302039 2. रजनीश पुत्र मंगेजा राम (प्रोपराईटर/कर्जदार), नि0 मुख्य ग्राम , बड़ की धानी, गुढ़ा गोरजी, उदयपुरवटी, झुनझुनु, राजस्थान–333022 3. कुमार नवीन पुत्र सुधीर (जमानती), नि0 सी–5,अपोलो अपार्टमेंट्स,सेक्टर 3, विद्याधर नगर, जयपुर–302039 4. महेन्द्र कुमार जैमिनी (जमानती), नि0 36, गुलाब विहार, गांधी पथ, पश्चिमी वैशाली नगर, जयपुर, राजस्थान –302034
(डिमान्ड नोटिस दिनांक 02.08.2023 को रु. 25,69,956.80 (रुपये पच्चीस लाख उनहत्तर हजार नौ सौ छप्पन एवं पैसे आस्सी मात्र दिनांक 01.08.2023 तक) दिनांक 02.08.2023 से आगे का ब्याज एवं अन्य खर्चे जारी किया जा चुका है। घटाये वसूली यदि कोई हो।
दृष्टिबन्धक/बन्धक सम्पत्ति का संक्षिप्त विवरण : बंधक अचल सम्पत्ति (रिहायशी प्लॉट) के सभी भाग व हिस्से जो कि प्लॉट नं. बी–21, बोधीरतनाम विहार, ग्राम रेनवाल, तहसील फागी, जयपुर में स्थित है। क्षेत्रफल 166.66 वर्ग यार्डस। सम्पत्ति उप निबन्धक फागी, जयपुर, राजस्थान के कार्यालय में बही नं. 1, जिल्द नं. 384, पेज 26, क्रमांक 201803284100918 दिनांक 23.03.2018 एवं अतिरिक्त बही नं. 1, जिल्द नं. 1338, पेज 229 से 240 पर कुमार नवीन पुत्र सुधीर के नाम पर दर्ज है। सीमाऐं – पूरब में प्लॉट नं. ए–49, पश्चिम में प्लॉट नं. ए–51, उत्तर में सड़क, दक्षिण में प्लॉट नं. ए–47.

स्थान : जयपुर, राजस्थान दिनांक : 16.04.2024 **प्राधिकृत अधिकारी**

नैनीताल बैंक — ई-नीलामी सूचना

शाखा - सेक्टर-4, प्लॉट नं. 3, कर्मिशियल सेन्टर, मुख्य रोड, वैशाली, गाजियाबाद, उ0प्र0 - 20101 फोन : 0120-2779118

सरफाऐसी अधिनियम 2002 के तहत ऑनलाइन ई-नीलामी माध्यम से आस्तियों की बिक्री

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 9 के साथ पठित प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के तहत आस्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में द नैनीताल बैंक लिमिटेड का अधिकृत प्राधिकारी होने के नाते कर्जदारों **श्री विजय कुमार पुत्र श्री जवाहर लाल एवं श्रीमती चन्द्रावती पत्नी श्री विजय कुमार** तथा जमानतियों 1. **नितेश रंजन कुमार शर्मा, 2. श्री जितेन्द्र कुमार** से सूचना में उल्लिखित राशि **रु. 22,41,216.00 (रुपये बाईस लाख इक्तालिस हजार दो सौ सोलह मात्र)** तथा 20.03.2021 से भावी ब्याज तथा प्रतिभूत आस्तियों की सुरक्षा पर हुए अन्य व्ययों का कथित सूचना की प्राप्ति से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने को कहते हुए 22.03.2021 को एक माँग सूचना जारी की थी। जबकि कर्जदार कथित माँग सूचना में माँगी गयी राशि का बैंक को पुनर्भुगतान करने में असफल रहे, अतः बैंक ने कथित नियमों के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित कथित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में बैंक के बकायों की वसूली हेतु उसकी बिक्री के अधिकार सहित यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति पर 04.01.2024 भौतिक कब्जा कर लिया है। अधोहस्ताक्षरी धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में अधोलिखित सम्पत्ति(यों) की बिक्री द्वारा बैंक के बकायों की वसूली का प्रस्ताव करता है। तदनुसार, एतद्वारा जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार एवं जमानती(यों) को सूचना दी जाती है कि प्रतिभूति लेनदार के पास बंधक नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति, जिसका रचनात्मक/भौतिक कब्जा नैनीताल बैंक लिमिटेड के अधिकृत प्राधिकारी द्वारा किया गया है, की बिक्री भावी ब्याज, लागत तथा व्ययों सहित नीचे तालिका में वर्णित राशि के लिए नैनीताल बैंक लिमिटेड अर्थात प्रतिभूत लेनदार के बकायों की वसूली हेतु "जहाँ है जैसे है", "जो है यही है", "जो भी है वहीं है" तथा "उपचार रहित" आधार पर की जायेगी। एतद्वारा आपको सूचित किया जाता है कि हम वेबसाइट *https://sarfaesi.auctiontiger.net* के माध्यम से सार्वजनिक ई–नीलामी संचालित करने जा रहे हैं।

कर्जदार(रों)/जमानती(यों) का नाम तथा पता	सम्पत्ति का विवरण	धारा 13(2) के तहत सूचना की तिथि / धारा 13(4) के तहत कब्जा करने की तिथि तथा कुल बकाया, वसूली को घटाकर, यदि कोई हो	कब्जे की स्थिति	ईएमडी/बिड राशि जमा करने हेतु खाता संख्या	ईएमडी जमा करने की तिथि व समय / ई-नीलामी की तिथि व समय	सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि व समय	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली बढ़ाने की न्यूनतम राशि
1. श्री विजय कुमार पुत्र श्री जवाहर लाल (कर्जदार), नि0 सी–354, द्वितीय तल, नया पंचवटी कॉलोनी, थाना कवि नगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। एक्सिस इण्टीरियर एण्ड फर्निशर्स, दुकान नं. 350 ए–1, गांधी नगर, आर्शीवाद रोड के पास, अम्बेडकर रोड, चौधरी मोड़ के पास, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश – 201001 अन्य पता–9, शिवम विहार कॉलोनी, स्विस होटल के पीछे, जीटी रोड, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201001	बंधक अचल सम्पत्ति (3 बेडरूम रिहायशी फ्लैट) के सभी भाग व हिस्से जो कि फ्लैट नं. एस–3, द्वितीय तल (बिना छत अधिकार के), प्लॉट नं. III/A/173-A, सेक्टर–3, ब्लॉक ए, नेहरू नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश – 201001 में स्थित है। क्षेत्रफल 117 वर्ग मीटर। सम्पत्ति उप निबन्धक–I. गाजियाबाद के कार्यालय में बही नं. 1, खण्ड 9010, पेज 367 से 454, क्रमांक 4330 दिनांक 12.07.2011 को विजय कुमार पुत्र जवाहर लाल एवं चन्द्रावती पत्नी विजय कुमार के नाम पर दर्ज है। सीमाऐं – पूरबब में 40 फीट चौड़ी रोड, पश्चिम में प्लॉट नं. 183 एवं 184, उत्तर में बिल्डिंग नं. 174, दक्षिण में 20 फीट चौड़ी रोड।	22.03.2021 / 04.01.2024 / ₹ 22,41,216.00 (रुपये बाईस लाख इक्तालिस हजार दो सौ सोलह मात्र) + ब्याज एवं अन्य खर्चे	भौतिक	खाता संख्या : 0544203920000025 आईएफएससी कोड : NTBL0GHA054 अथवा दि नैनीताल बैंक लि0 के नाम से एंव गाजियाबाद में देय डिमाण्ड ड्राफ्ट के माध्यम से बैंक की वैशाली शाखा में जमा किया जाये	ईएमडी जमा करने की अन्तिम तिथि 01.05.2024 सायं 04:00 बजे तक / ई–नीलामी : 02.05.2024 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक (5 मिनट प्रत्येक के असीमित विस्तार सहित)	30.04.2024 प्रातः 10.00 बजे से सायं 03.00 बजे तक	₹ 21.25 लाख रूपये इक्कीस लाख पच्चीस हजार केवल / ₹ 2.13 लाख रूपये दो लाख तेरह हजार केवल / ₹ 10,000/- रूपये दस हजार केवल

2. श्रीमती चन्द्रावती पत्नी श्री विजय कुमार (कर्जदार), नि0 सी–354, द्वितीय तल, नया पंचवटी कॉलोनी, थाना कवि नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश। 3. श्री निलेश राजन कुमार सिन्हा (जमानती), नि0 मकान नं. बी–41, द्वितीय तल, स्वर्ण जयन्ती पुरम्, गोविन्द पुरम्, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश–201003 दूसरा पता – 1339, विवेकानन्द नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश – 201001
4. श्री जितेन्द्र कुमार (जमानती), नि0 केबी – 4, कृष्णा एन्क्लेव, कोको मालती, पश्चिम मॉडल टॉउन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश – 201001

ई–नीलामी बिक्री कार्यवाही में भाग लेने के लिए नियम एवं शर्तो सहित अधिक विवरण के लिए इच्छुक सभी भागीदारों/बोलीदाताओं से वेबसाइट ***https://sarfaesi.auctiontiger.net*** तथा ***www.nainitalbank.co.in*** (बैंक की साइट) देखने का निवेदन किया जाता है और अधिक जानकारी, नियम एवं शर्ते, ई–नीलामी में भाग लेने की प्रक्रिया के लिए बैंक के सेवा प्रदाता ई–प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, श्री राम प्रसाद, सम्पर्क नम्बर 8000023297 तथा ई–मेल : *ramprasad@auctiontiger.net* पर सम्पर्क करने की सलाह दी जाती है।

यह प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के तहत कर्जदार/जमानती/बंधककर्ता के लिए सांविधिक 15 दिवसीय बिक्री सूचना है।

स्थान : गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश दिनांक : 16.04.2024 **प्राधिकृत अधिकारी, दि नैनीताल बैंक लिमिटेड**

DWARIKESH SUGAR INDUSTRIES LIMITED

CIN: L15421UP1993PLC018642; Registered Office: Dwarikesh Nagar, District Bijnore, Uttar Pradesh-246762
Corporate Office: Dwarikesh Sugar Industries Limited, 511, Maker Chambers V, 221, Nariman Point, Mumbai-400 021
Tel No.:01343–267061-64; Email: dsilbom@dwarikesh.com; Website: www.dwarikesh.com;
Contact Person: Mr. Balkishan Jawarilal Maheshwari, Managing Director & Company Secretary cum Chief Compliance Officer

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS / BENEFICIAL OWNERS OF EQUITY SHARES OF DWARIKESH SUGAR INDUSTRIES LIMITED

This post buyback public announcement (the "**Post Buyback Public Announcement**") is being made in compliance with Regulation 24(vi) and other applicable provisions, if any of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, including any statutory modifications or re-enactments thereof (the "**Buyback Regulations**"). This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the public announcement dated March 11, 2024, published on March 12, 2024 (the "**Public Announcement**") and the Letter of Offer dated March 21, 2024 (the "**Letter of Offer**") issued in connection with the Buyback. The terms used but not defined in this Post Buyback Public Announcement shall have the same meanings as assigned in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1. THE BUYBACK

1.1. Dwarikesh Sugar Industries Limited (the "**Company**") had announced the Buyback of up to 30,00,000 (Thirty Lakhs) fully paid-up equity shares of face value ₹1 each ("**Equity Shares**") representing 1.593 % of the total number of equity shares in the paid-up equity share capital of the Company as on March 31, 2023, from the existing shareholders/beneficial owners of Equity Shares as on Record Date i.e., March 20, 2024 on a proportionate basis, through the Tender Offer Route, at a price of ₹105 (Rupees One Hundred and Five only) per equity share payable in cash for an aggregate consideration not exceeding ₹31,50,00,000 (Rupees Thirty-One Crore Fifty Lakhs Only) ("**Buyback Offer Size**") excluding transaction costs viz. brokerage cost, fees, turnover charges, applicable taxes such as, Buyback tax, securities transaction tax, goods and services tax (if any), stamp duty, printing and dispatch expenses, if any, filing fees payable to the Securities and Exchange Board of India, any other appropriate authorities, stock exchange charges, advisor/legal fees, public announcement publication expenses and other incidental and related expenses and charges ("**Transaction Costs**") representing 4.50% of the aggregate of fully paid-up equity share capital and free reserves as per the latest audited accounts of the Company as on March 31, 2023.

1.2. The Company adopted Tender Offer route for the purpose of Buyback. The Buyback was implemented by the Company using the "Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange" notified by SEBI Circular CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015 read with the circular bearing reference number CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016 a, circular bearing reference number SEBI/HO/CFD/DCR III/CIR/P/2021/615 dated August 13, 2021 and circular bearing reference number SEBI/HO/CFD/PoD-2/P/CIR/2023/35 dated March 8, 2023, as amended from time to time ("**SEBI Circulars**").

1.3. The Tendering period for the Buyback Offer opened on Wednesday, March 27, 2024 and closed on Wednesday, April 3, 2024 (both days inclusive).

2. DETAILS OF THE BUYBACK

2.1. 30,00,000 (Thirty Lakhs) Equity Shares were bought back under the Buyback, at a price of ₹105 (Rupees One Hundred and Five only) per Equity Share.

2.2. The total amount utilized in the Buyback is ₹31,50,00,000 (Rupees Thirty-One Crore Fifty Lakhs only) excluding Transaction Costs.

2.3. The Registrar to the Buyback i.e., Link Intime India Pvt. Ltd ("**Registrar**"), considered a total of 27,096 valid applications for 2,97,88,479 Equity Shares in response to the Buyback resulting in the subscription of approximately 9.93 times the maximum number of Equity Shares proposed to be bought back. The details of valid applications considered by the Registrar, are as follows:

Category of Shareholders	No. of Equity Shares reserved in Buyback	No. of valid applications *(Refer notes)*	Total Equity Shares Validly Tendered *(Refer notes)*	No. of times of Total valid Equity Shares to No. of Equity Shares reserved in Buyback
Reserved Category for Small Shareholders	7,10,005	25,489	98,78,900	13.91
General Category for other Shareholders	22,89,995	1,607	1,99,09,579	8.69
Total	**30,00,000**	**27,096**	**2,97,88,479**	**9.93**

Notes:

i. Excludes excess bid by 25,318 shareholders for 80,604 Equity Shares under Reserved Category and 1,581 shareholders for 48,812 Equity Shares under General Category, which were over and above their shareholding as on Record Date, hence such equity shares have not been considered for acceptance

ii. 237 bids for 76,889 Equity Shares were not considered since they were not shareholders as on Record Date

2.4. All valid applications were considered for the purpose of Acceptance in accordance with the Buyback Regulations and the process as described in the Letter of Offer. The communication of acceptance/rejection has been dispatched electronically by the Registrar to the eligible Equity Shareholders on April 12, 2024.

2.5. The settlement of all valid bids was completed by the Indian Clearing Corporation Limited and the National Securities Clearing Corporation Limited (collectively, "**Clearing Corporations**") as applicable, on April 12, 2024.

2.6. The Clearing Corporations have made direct funds payout to Eligible Shareholders whose Equity Shares have been accepted under the Buyback. If any Eligible Shareholders' bank account details were not available or if the funds transfer instruction was rejected by Reserve Bank of India or respective bank, due to any reason, then such funds were transferred to the concerned Stock Brokers' settlement bank account for onward transfer to such Eligible Shareholders.

2.7. Equity Shares held in dematerialized form accepted under the Buyback were transferred to the Company's Demat Account on April 12, 2024. The unaccepted Equity Shares in dematerialized form, if any, tendered by the Eligible Shareholders was released / returned to the respective Eligible Shareholders / lien removed by the Clearing Corporations on April 12, 2024.

2.8. The extinguishment of 30,00,000 (Thirty Lakhs) Equity Shares accepted under the Buyback, comprising of all Equity Shares in dematerialized form, are currently under process and shall be completed on or before April 24, 2024.

2.9. The Company and its Directors, accept full responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Announcement and also accept responsibility for the obligations of the Company laid down under the Buyback Regulations.

3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

3.1. The capital structure of the Company pre and post Buyback is as under:

Particulars	Pre Buyback (As on the Record Date)	Post Buyback*
Authorized Share Capital		
22,50,00,000 Equity Shares of ₹1 each 31,50,000 Preference Shares of ₹100 each	54,00,00,000	54,00,00,000
TOTAL	**54,00,00,000**	**54,00,00,000**
Issued & Subscribed & Paid-up		
18,83,01,470 Equity Shares of ₹1 each fully paid-up	18,83,01,470	18,53,01,470
Paid-up Capital	**18,83,01,470**	**18,53,01,470**

** Subject to Extinguishment of 30,00,000 (Thirty Lakhs) Equity Shares*

3.2. The details of the shareholders/beneficial owners from whom Equity Shares exceeding 1% of the total Equity Shares have been bought back are as under:

Sr. No.	Name	No. of Equity Shares accepted under Buyback	Equity Shares Accepted as a % of total Equity Shares bought back (%)	Equity Shares Accepted as a % of total Post Buyback Equity Shares Capital (%)
1.	Gautam Radheshyam Morarka	4,55,135	15.17	0.25
2.	Dwarikesh Trading Company Ltd.	4,18,194	13.94	0.23
3.	Morarka Finance Ltd.	3,43,988	11.47	0.19
4.	Anil Kumar Goel	1,65,322	5.51	0.09
5.	Seema Goel	1,35,955	4.53	0.07
	Total	**15,18,594**	**50.62**	**0.83**

3.3. The shareholding pattern of the Company Pre and Post Buyback is as under:

Category of shareholder	Pre Buyback (As on the Record Date)		Post Buyback*	
	Number of Equity Shares	% to the existing Equity Share Capital	Number of Equity Shares	% to Post Buyback
Promoter/Promoter Group and persons acting in concert	7,92,62,510	42.09	7,79,99,712	42.09
Foreign Investors (including Non-Resident Indians, FIIs and Foreign Mutual Funds	1,03,60,792	5.50	10,73,01,758	57.91
Financial Institutions/Banks & Mutual Funds promoted by Banks/Institutions	4,04,385	0.21		
Other (public, bodies corporate etc.)	9,82,73,783	52.20		
Total	**18,83,01,470**	**100.00**	**18,53,01,470**	**100.00**

** Subject to Extinguishment of 30,00,000 (Thirty Lakhs) Equity Shares*

4. MANAGER TO THE BUYBACK OFFER

CENTRUM

Centrum Capital Limited
Level 9, Centrum House, CST Road, Vidyanagari Marg, Kalina, Santacruz (E), Mumbai- 400098
Tel. No.: +91 22 4215 9224 / 9816; **Fax No.**: +91 22 4215 9444
E-mail: dsil.buyback@centrum.com
Website: www.centrum.co.in
Contact Person: Ms. Pooja Sanghvi / Mr. Tarun Parmani
SEBI Registration No.: INM000010445
Validity Period of Registration: Permanent
CIN: L65990MH1977PLC019986

5. DIRECTORS RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board of Directors of the Company accepts full responsibility for all the information contained in this Post Buyback Public Announcement or any other advertisement, circular, brochure, publicity material which may be issued and confirms that the information in such document contains true, factual and material information and does not contain any misleading information.

For and on behalf of the Board of Directors of
DWARIKESH SUGAR INDUSTRIES LIMITED

Sd/-	Sd/-
Vijay Sitaram Banka	**Balkishan Jawarilal Maheshwari**
Managing Director	Managing Director & Company Secretary cum Chief Compliance Officer
DIN 00963355	**DIN 00002075**

Date: April 15, 2024
Place: Mumbai

Adfactors 13

GARWARE TECHNICAL FIBRES LIMITED

Registered Office: Plot No. 11, Block D-1, MIDC, Chinchwad, Pune – 411 019.
Tel. No.: +91 020 2799 0224 | **Fax. No.:** +91 020 2799 0341
Contact Person: Mr. Sunil Agarwal, Company Secretary and Compliance Officer
E-mail: secretarial@garwarefibres.com | **Website:** www.garwarefibres.com | **CIN:** L25209MH1976PLC018939

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF THE EQUITY SHAREHOLDERS / BENEFICIAL OWNERS OF THE EQUITY SHARES OF GARWARE TECHNICAL FIBRES LIMITED

This post buyback public announcement ("**Post Buyback Public Announcement**") is being made in compliance with Regulation 24(vi) and other applicable provisions of the Securities and Exchange Board of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018, as amended from time to time ("**Buyback Regulations**"). This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the Public Announcement dated March 09, 2024 and published on March 11, 2024 ("**Public Announcement**") and the Letter of Offer dated March 27, 2024 ("**Letter of Offer**"). All capitalized terms, unless defined herein, shall have the meaning ascribed to them in the Public Announcement and the Letter of Offer.

1. THE BUYBACK

1.1 Garware Technical Fibres Limited ("**Company**") had announced the buyback of up to 5,25,000 (Five Lakhs Twenty Five Thousand Only) fully paid-up equity shares of the company of the face value of INR 10/- (Indian Rupees Ten Only) each, representing 2.58% of the equity shares in the existing total paid-up equity capital of the Company as on the date of the Board Meeting and as of March 31, 2023, from all eligible shareholders (equity shareholders as on the record date, being Tuesday, March 26, 2024) on a proportionate basis, through the '**Tender Offer**' process, at a price of INR 3,800/- (Indian Rupees Three Thousand Eight Hundred Only) per Equity Share, payable in cash, for an aggregate maximum amount not exceeding INR 199,50,00,000/- (Indian Rupees One Ninety Nine Crores Fifty Lakhs Only) excluding any expenses incurred or to be incurred for the Buyback viz. brokerage, costs, fees, turnover charges, taxes such as buyback tax, securities transaction tax and goods and services tax (if any), stamp duty, advisors fees, filing fees, printing and dispatch expenses and other incidental and related expenses and charges. ("**Transaction Costs**") (such amount hereinafter referred to as the "**Buyback Size**") as prescribed under the Buyback Regulations and the Companies Act ("**Buyback**"). The Buyback Offer Size represents 19.63% and 19.91% of the aggregate of the Company's fully paid-up capital and free reserves as per the latest standalone and consolidated audited financials of the Company for the year ended as on March 31, 2023.

1.2 The Company adopted the Tender Offer route for the purpose of Buyback. The Buyback was implemented using the "**Mechanism for acquisition of shares through Stock Exchange**" as notified by SEBI vide circular CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015 read with the SEBI's circular CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016, SEBI circular SEBI/HO/CFD/DCRIII/CIR/P/2021/615 dated August 13, 2021, SEBI Circular SEBI/HO/CFD/PoD-2/P/CIR/2023/35 dated March 8, 2023 or such other circulars or notifications, as may be applicable. For the purpose of the Buyback, BSE Limited was the designated stock exchange.

1.3 The tendering period for the Buyback opened on Monday, April 01, 2024 and closed on Friday, April 05, 2024.

2. DETAILS OF THE BUYBACK

2.1. 5,25,000 (Five Lakhs Twenty Five Thousand Only) Equity Shares were bought back under the Buyback, at a price of INR 3,800/- (Indian Rupees Three Thousand Eight Hundred Only).

2.2. The total amount utilized in the Buyback is INR 199,50,00,000/- (Indian Rupees One Ninety Nine Crores Fifty Lakhs Only), excluding Transaction Costs.

2.3 The registrar to the Buyback, i.e., Link Intime India Private Limited ("**Registrar**"), considered a total of **63,125** valid bids for **59,06,883** Equity Shares in response to the Buyback resulting in the subscription of approximately **11.25** times the maximum number of Equity Shares proposed to be bought back. The details of the valid applications considered by the Registrar are as under:

Particulars	Number of Equity Shares available for Buyback (A)	Total no. of bids received	Total Equity Shares bid for (B)	Total valid Bids	Total valid Equity Shares received ** (C)	% of Total valid Shares to the Buyback Size (C/A)
Reserved Category for Small Shareholders	78,750	59,846	1,92,665	59,846	1,92,444	244.37%
General Category for all Other Eligible Shareholders	4,46,250	3,279	57,14,442	3,279	57,14,439	1,280.55%
Not in Master file*	-	148	389	-	-	-
Total	**5,25,000**	**63,273**	**59,07,496**	**63,125**	**59,06,883**	**1,125.13%**

**148 bids for 389 Equity Shares were not considered since they were not shareholders as on Record Date.*

***Excludes excess bid by 54 shareholders for 221 Equity Shares under Reserved Category and 01 shareholder for 03 Equity Shares under General Category, which were over and above their shareholding as on Record Date. hence such equity shares have not been considered for acceptance.*

2.4. All valid bids were considered for the purpose of Acceptance in accordance with the Buyback Regulations and the Letter of Offer. The communication of acceptance/ rejection was dispatched by the Registrar, via email, to the relevant Eligible Shareholders (who have their e-mail IDs registered with the Company or the Depositories) on April 15, 2024. In cases where email IDs were not registered with the Company or Depositories, physical letters of acceptance / rejection are being dispatched to the Eligible Shareholders by the Registrar and the same shall be completed on or after April 15, 2024.

2.5. The settlement of all valid bids was completed by the Indian Clearing Corporation Limited ("**Clearing Corporation**") on April 15, 2024. The Clearing Corporation has made direct funds payout to Eligible Shareholders, whose Equity Shares have been accepted under the Buyback. If bank account details of any Eligible Shareholders were not available or if the funds transfer instructions were rejected by the Reserve Bank of India or relevant bank, due to any reason, then such amounts payable to the Eligible Shareholders were transferred to the concerned Shareholder`s Broker for onward transfer to such Eligible Shareholders holding Equity Shares in dematerialized form.

2.6. Demat Equity Shares accepted under the Buyback were transferred to the Company's demat account on April 15, 2024. The unaccepted demat Equity Shares have been returned to respective Eligible Shareholders/ lien removed by the Clearing Corporation on April 15, 2024. If the securities transfer instruction is rejected in the depository system, due to any issue then such securities will be transferred to the Shareholder Broker's depository pool account for onward transfer to the Eligible Shareholder. There were no Physical Shares tendered in the Buyback.

2.7. The extinguishment of 5,25,000 (Five Lakhs Twenty Five Thousand Only) Equity Shares (all in dematerialized form) accepted under the Buyback is currently under process and shall be completed on or before April 25, 2024.

2.8. Details of Eligible Shareholders from whom Equity Shares exceeding 1% (one per cent) of the total Equity Shares bought back have been accepted under the Buyback are as under:

Sl no.	Name of the Share holders	Number of Equity Shares accepted under the Buyback	Equity Shares accepted as a % of total Equity Shares bought back	Equity Shares accepted as a % of total post Buyback equity capital of the Company#
1	Vayu Ramesh Garware	85,847	16.35%	0.43%
2	Sukukar Holdings and Trading Co Private Limited*	69,882	13.31%	0.35%
3	Gurukrupa Comtrade Private Limited**	55,840	10.64%	0.28%
4	Kotak Mahindra Trustee Co Ltd A/C Kotak Manufacture IN India Fund	25,840	4.92%	0.13%
5	Ashoka Whiteoak Icav - Ashoka Whiteoak India Opportunities Fund	24,825	4.73%	0.13%
6	Vinodchandra Mansukhlal Parekh	15,198	2.89%	0.08%
7	Sbi Magnum Children's Benefit Fund - Investment Plan	14,678	2.80%	0.07%
8	Al Mehwar Commercial Investments L.L.C. - (Whiting)	11,952	2.28%	0.06%
9	Abu Dhabi Investment Authority - Monsoon	11,078	2.11%	0.06%
10	Pranav Kumarpal Parekh	7,032	1.34%	0.04%
11	Verdipapirfondet Odin Emerging Markets	6,346	1.21%	0.03%
12	V M Parekh HUF	5,359	1.02%	0.03%

#Subject to extinguishment of 5,25,000 Equity Shares

** 10,72,326 Equity Shares are registered in the name of Sukukar Holdings and Trading Company Private Limited as Partner, beneficial interest in which is held by Partnership Firm Ramesh Trading Company.*

*** 8,56,870 Equity Shares are registered in the name of Gurukrupa Comtrade Private Limited as Partner, beneficial interest in which is held by Partnership Firm Sunita Trading Company.*

3. CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

3.1 The capital structure of the Company, pre and post Buy-Back, is as under:

Particulars	Present	Post completion of the Buyback#
Authorised share capital	INR 60,00,00,000/- (5,00,00,000 Equity Shares of INR 10/- each and 1,00,00,000 Unclassified shares of INR 10/- each)	INR 60,00,00,000/- (5,00,00,000 Equity Shares of INR 10/- each and 1,00,00,000 Unclassified shares of INR 10/- each)
Issued, subscribed and paid-up share capital	INR 20,37,81,690/- (2,03,78,169 Equity Shares of INR 10/- each)	INR 19,85,31,690/- (1,98,53,169 Equity Shares of INR 10/- each)#

#Subject to extinguishment of 5,25,000 Equity Shares.

3.2 The shareholding pattern of the Company, pre and post Buyback, is as under:

Category of Shareholder	Pre-Buyback*		Post-Buyback#	
	No. of Equity Shares	% to the existing Equity Share capital	No. of Equity Shares	% to the post-Buyback Equity Share Capital
Promoters and members of the Promoter Group, and persons acting in concert (collectively "the Promoter")	1,07,39,534	52.70	1,05,21,816	53.00
Foreign Investors (including Non-Resident Indians/ FIIs / Foreign Mutual Funds)	21,28,249	10.44	93,31,353	47.00
Financial Institutions/Banks/ Banks & Mutual Funds promoted by Banks/ Institutions	21,63,703	10.62		
Others (Public, Public Bodies Corporate etc.)	53,46,683	26.24		
Total	**2,03,78,169**	**100.00**	**1,98,53,169**	**100.00**

**As on the Record Date, i.e., March 26, 2024*
#Subject to extinguishment of 5,25,000 Equity Shares.

4. MANAGER TO THE BUYBACK

MOTILAL OSWAL INVESTMENT BANKING

Motilal Oswal Investment Advisors Limited
Motilal Oswal Tower, Rahimtullah Sayani Road, Opposite Parel ST Depot
Prabhadevi, Mumbai - 400 025, Maharashtra, India
Tel. No.: +91 22 7193 4380
Contact Person: Subodh Mallya
Email: gtfl.buyback@motilaloswal.com
Website: www.motilaloswalgroup.com
SEBI Registration No.: INM000011005
CIN: U67190MH2006PLC160583

5. DIRECTORS RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board of Directors of the Company accepts full responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Announcement and confirms that such document contains true, factual and material information and does not contain any misleading information. This Post-Buyback Public Announcement is issued under the authority of the Board and in terms of the resolution passed by the Buyback Committee in its meeting held on April 15, 2024.

For and on behalf of the Board of Directors of Garware Technical Fibres Limited

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Vayu Ramesh Garware	**Shridhar Shrikrishna Rajpathak**	**Sunil Agarwal**
Chairman & Managing Director	Director	Company Secretary and Compliance Officer
DIN: 00092201	DIN: 00040387	Membership No.: 6407

Date : April 15, 2024
Place : Pune

चुनावी बॉन्ड पर भ्रम फैला रहा विपक्ष: मोदी

एक समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर लगाए कई आरोप

अर्चिस मोहन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों की भूमिका को ज्यादा अहम बताते हुए संकेत दिया है कि भविष्य में देश का आर्थिक एजेंडा आगे बढ़ाने का काम राज्य ही करेंगे। उन्होंने कहा कि लोक सभा चुनाव संपन्न होने के बाद अगली सरकार नीति आयोग की बैठक में आने वाले पांच साल के लिए कामकाज का अपना दस्तावेज राज्यों के साथ साझा करेगी।

समाचार एजेंसी एएनआई ने मोदी का साक्षात्कार किया था, जिसे आज शाम प्रधानमंत्री की वेबसाइट पर वेबकास्ट किया गया। साक्षात्कार में मोदी ने चुनावी बॉन्ड योजना, भ्रष्टाचारियों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और कांग्रेस के घोषणापत्र समेत कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष का घोषणापत्र लागू हो गया तो वह देश की अर्थव्यवस्था को 'रौंद' देगा।चुनावी बॉन्ड पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि जो लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं, वे जब ईमानदारी से अपने भीतर झांकेंगे तो अफसोस करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्डों के जरिये 3,000 कंपनियों ने राजनीतिक पार्टियों को चंदा दिया, जिनमें से 26 पर जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की है। उनमें से भी 16 कंपनियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चंदा दिया, जो जांच के दायरे में आई सभी कंपनियों द्वारा दिए गए कुल चंदे का 37 फीसदी ही है। बाकी 63 फीसदी रकम विपक्षी दलों को मिली है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं और आलोचकों के दावों के उलट चुनावी बॉन्ड योजना चुनावों में काले धन का बोलबाला कम करने की दिशा में उठाया गया कदम थी। मोदी ने कहा, 'यह चुनावी बॉन्डों की सफलता है। चुनावी बॉन्ड थे, इसलिए आपको पता चल रहा है कि किस कंपनी ने चंदा दिया, कितना दिया और किसे दिया। इस पूरी प्रक्रिया में अच्छा हुआ या बुरा हुआ, इस पर बहस हो सकती है... मैं कभी नहीं कहता कि निर्णय लेने में खामी नहीं होती। हम बातचीत करने और सुधार करने के बाद सीखते हैं। इसमें भी सुधार की बहुत गुंजाइश है। मगर आज हमने देश को पूरी तरह काले धन की ओर धकेल दिया है। इसलिए मैं कहता हूं कि हर किसी को इस पर अफसोस होगा। ईमानदारी से सोचने पर हर कोई इस पर अफसोस करेगा।'

उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि इसे खत्म करना चुनावों के दौरान देश को 'काले धन' की ओर ले जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नोटबंदी ने चुनावों में बेनामी पैसे के इस्तेमाल पर लगाम लगाई। प्रधानमंत्री ने कहा, 'चुनावों के दौरान 1,000 और 2,000 रुपये के नोट बड़ी तादाद में इस्तेमाल होते थे। हमने कदम उठाया ताकि काले धन का खात्मा हो सके।' उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड पेश करने के पीछे उनकी सरकार की मंशा एकदम सही थी। मोदी ने कहा, 'हम कोई रास्ता तलाश कर रहे थे। हमें एक छोटा रास्ता नजर आया। हमने कभी यह दावा नहीं किया कि यही इकलौता रास्ता है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तमिलनाडु में चुनावी सभा को संबोधित किया

यह कहे जाने पर कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 400 से अधिक सीट मिलने को लेकर लोगों का एक धड़ा चिंतित है, प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोगों पर दबाव बनाने या उन्हें डराने के लिए निर्णय नहीं लेते। उन्होंने कहा, 'जब मैं कहता हूं कि हमारे पास भविष्य के लिए बड़ी योजनाएं हैं, तो इससे किसी को भयभीत होने की आशंका नहीं है। मैं लोगों को डराने के लिए निर्णय नहीं लेता हूं। मेरे निर्णय देश के समग्र विकास के लिए हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें जहां दावा करती थीं कि उन्होंने हर जरूरी काम कर दिया है वहीं उन्हें महसूस होता है कि काफी कुछ किया जाना बाकी है। मोदी ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने कहा था कि अब तक जो हुआ है वह महज एक झांकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2019 के चुनाव के पहले भी उन्होंने 100 दिन का एजेंडा बनाया था। उसी के चलते उनकी सरकार कार्यकाल के पहले 100 दिनों के भीतर अनुच्छेद 370 हटाने तथा अन्य कानूनों में संशोधन करने में कामयाब हो सकी। मोदी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके अनुभव ने उन्हें सिखाया कि 40-50 दिनों के लिए वरिष्ठ अधिकारी चुनाव में लगे रहते और सरकार का कामकाज प्रभावित होता। उन्होंने कहा कि चुनावी अवधि को 'छुट्टियों' की तरह नहीं बिताया जाना चाहिए और वह अधिकारियों को पहले ही ऐसे काम दे देते थे जिन्हें अगली सरकार को करना होता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 100 दिन, पांच वर्ष और 25 वर्ष के लिए एजेंडे तैयार किए हैं। ये भाजपा के चुनावी घोषणापत्र तथा नमो ऐप पर 15 लाख लोगों द्वारा दिए गए सुझावों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि वह चुनाव के बाद नीति आयोग की बैठक में उसे राज्य सरकारों के साथ साझा करेंगे।

मोदी ने कहा, 'मैं बीते दो वर्ष से 2047 की योजना पर काम कर रहा हूं। उसके लिए मैंने देश भर के लोगों से सुझाव और विचार आमंत्रित किए। मैंने 15 लाख से अधिक लोगों से यह राय ली कि वे अगले 15 वर्षों में कैसा देश चाहते हैं। मैंने विश्वविद्यालयों से संपर्क किया, मैंने विभिन्न एनजीओ से संपर्क किया और 15-20 लाख लोगों ने अपनी राय दी।' उन्होंने कहा, 'इसके बाद मैंने एआई की मदद से इन मशविरों को विषयवार वर्गीकृत किया। मैंने हर विभाग में अधिकारियों की टीम बनाई जो इस पर काम कर सके। यह अगले कार्यकाल के लिए कैसे हो सकता है? मैं उनके साथ बैठा और उन्होंने ढाई घंटे की प्रस्तुतियां दीं।'

भारतीयों की रिहाई के लिए ईरान से बात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारत ने ईरानी सैनिकों द्वारा जब्त किए गए पुर्तगाली मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीयों को रिहा करने का ईरान से आग्रह किया है और तेहरान ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास और ईरानी अधिकारियों के बीच कुछ बातचीत हुई है। जयशंकर ने कहा, 'रविवार रात, मैंने ईरान के विदेश मंत्री (हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन) से बात की। मैंने उनसे कहा कि चालक दल के 17 सदस्य भारत से हैं। हमने ईरान सरकार से कहा कि इन लोगों को रिहा किया जाना चाहिए, उन्हें हिरासत में नहीं लिया जाना चाहिए।'

जयशंकर ने कहा, 'मुझे कुछ रिपोर्ट मिल रही है लेकिन मैं चाहता हूं कि हमारे दूतावास के लोग वहां जाएं और इन लोगों से मुलाकात करें।' उन्होंने कहा, 'साथ ही, मैं लोगों के शीघ्रता से भारत वापस आने पर जोर दूंगा क्योंकि ईरान के विदेश मंत्री का रुख सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं इसे समझता हूं। मैं कोशिश करूंगा और सचमुच में कुछ अच्छा करूंगा।'

एस जयशंकर, विदेश मंत्री

चालक दल से जल्द मिल सकेंगे भारतीय अधिकारी

ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन ने कहा है कि उनका देश भारतीय अधिकारियों को उस मालवाहक जहाज के चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों से मिलने की अनुमति देगा, जिसे ईरान की सेना ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट अपने कब्जे में ले लिया था। ईरान की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, अमीर-अब्दुल्लाहियन ने रविवार को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर को यह जानकारी दी। इस बातचीत में जयशंकर ने पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज पर सवार चालक दल के भारतीय सदस्यों को रिहा करने के लिए कहा था। **भाषा**

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
Hamesha Aapke Liye
www.bankofbaroda.in

निविदा सूचना

बैंक ऑफ़ बड़ौदा वित्तीय वर्ष 2024-27 के लिए साउंड बॉक्स उपकरणों (यूपीआई क्यूआर) की आपूर्ति, इन्स्टालेशन और रखरखाव के लिए वेंडरों को सूचीबद्ध किए जाने के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध आमंत्रित करता है।

विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाइट **www.bankofbaroda.in** के निविदा खंड के तहत उपलब्ध है।

''अन्य सूचना'', यदि कोई हो, को बैंक की वेबसाइट पर **www.bankofbaroda.in** निविदा खंड में जारी किया जाएगा। प्रस्ताव को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले बोलीकर्ता इसे अवश्य देख लें।

बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 13 मई, 2024 है।

स्थान : वडोदरा
दिनांक : 16.04.2024

मुख्य महाप्रबंधक
(डिजिटल चैनल एवं परिचालन)

4/24-25

कारोबारी धारणा के लिए अच्छा संकेत भाजपा का घोषणा पत्र

राघव अग्रवाल

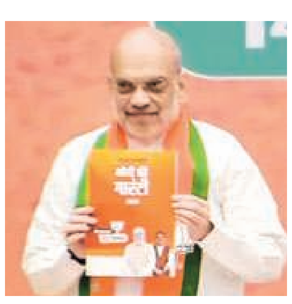

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा रविवार को जारी चुनावी घोषणा पत्र नीतिगत निरंतरता पर केंद्रित है और यह देश में कारोबारी धारणा के लिए अच्छा संकेत हो सकता है और निजी कंपनियों के पूंजीगत व्यय में भी सुधार ला सकता है। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया के अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को एक नोट में ऐसा कहा है। साथ ही कहा है कि कांग्रेस का चुनावी घोषणा पत्र लोकलुभावन है।

यूबीएस की मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता और एसोसिएट अर्थशास्त्री निहाल कुमार ने कहा है, 'भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र बहुत हद तक नीतिगत निरंतरता पर केंद्रित है और पिछले 10 वर्षों से सत्ता में रहने के दौरान उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताया गया है।' दोनों अर्थशास्त्रियों ने विल मोदी विन? इलेक्शन मैनिफेस्टोः पॉलिसी कंटीन्यूटी वर्सेज पॉपुलिज्म शीर्षक से नोट लिखा है। उन्होंने कहा है, 'हमारा मानना है कि नीतिगत निरंतरता पर ध्यान देना कारोबारी धारणा और निजी कंपनियों की पूंजीगत व्यय में सुधार के लिए अच्छा हो सकता है।' भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के बारे में कहा गया है। इनमें 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम, पाइप रसोई गैस कनेक्शन, अगले पांच वर्षों तक के लिए मुफ्त खाद्यान्न और गरीब तबके के लोगों के लिए मुफ्त बिजली सहित कई योजनाओं के विस्तार की बात कही गई है। साथ ही इसमें उच्च बुनियादी ढांचे के खर्च, विनिर्माण को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर बढ़ाने सहित व्यापक सरकारी प्रयासों के बारे में भी उल्लेख किया गया है।

इससे पहले सिटी अर्थशास्त्रियों ने कहा था कि भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में बड़े पैमाने पर संरचनात्मक आर्थिक सुधारों के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। मगर उन्होंने कहा था कि निजीकरण, भूमि सुधार और विदेशी निवेश जैसे सुधारों की घोषणा बाद में की जा सकती है। कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र के बारे में यूबीएस के नोट में कहा गया है कि विपक्षी पार्टी के वादों से राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है, जिसे भाजपा ने वित्त वर्ष 2025 के अपने अंतरिम बजट में 5.1 फीसदी का अनुमान लगाया था। इसने कहा है, 'हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में किए गए लोकलुभावन वादों के क्रियान्वयन से राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7 से 8.5 फीसदी तक बढ़ सकता है जबकि केंद्र की भाजपा सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के अपने अंतरिम बजट में इसे जीडीपी के 5.1 फीसदी के करीब रहने का अनुमान लगाया है।'

नोट में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस के चुनावी वादों को लागू करने से जीडीपी का 2 से 3.3 फीसदी की अतिरिक्त राजकोषीय लागत आएगी।

'गारंटी झूठी, लोगों को नहीं मिले 15 लाख'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गईं गारंटी 'झूठी' हैं, क्योंकि उनमें से कोई भी पूरी नहीं हुई है। कांग्रेस के पुदुच्चेरी लोक सभा सीट से उम्मीदवार वी वैथिलिंगम के समर्थन में 'इंडिया' गठबंधन द्वारा आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन यह पूरा नहीं हुआ। खरगे ने कहा, 'इसी तरह, किसानों को उनकी उपज की कीमतों में बढ़ोतरी या उनकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। विदेश में जमा काले धन की वापसी से प्रत्येक व्यक्ति को 15 लाख रुपये मिलने का वादा भी अभी तक पूरा नहीं हुआ है।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ऐसी गारंटी या वादे 'झूठे' थे और लोगों को 'धोखा दिया गया'। उन्होंने कहा कि इस बार का लोक सभा चुनाव लोगों के लिए 'इंडिया' गठबंधन का समर्थन करने और 'उनके मौलिक अधिकारों एवं लोकतंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने' का अवसर होगा। **भाषा**

मोदी के खिलाफ आयोग से शिकायत

कर्नाटक में कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के लिए शिकायत की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस को 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह का सुल्तान' कहा था। रविवार को मैसूरु में एक विशाल जन सभा को संबोधित करते हुए, मोदी ने कांग्रेस को 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह का सुल्तान' कहा था और विपक्षी दल पर देश को 'बांटने, तोड़ने और कमजोर करने' के खतरनाक इरादे रखने का आरोप लगाया था। **भाषा**

BSmart
Case Study Challenge

Calling all the future leaders!
Dive into a real-world business challenge and stand a chance to win big.

Case Study
Evaluating Zomato's Marketing Strategy

Last day to submit your entry

Rewards
1st Prize ₹5,000
2nd Prize ₹3,000
3rd Prize ₹2,000

- Top 3 winners to be featured on the BSmart Platform
- Certificate to all eligible participants

For more information, write to campus.talk@bsmail.in

Follow us on bit.ly/bsmartchannel

Terms and Conditions applied

Meet the Winners February Case Study

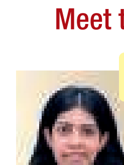
1st YASHNA SHANKER
Managment Development Institute Gurgram, Haryana

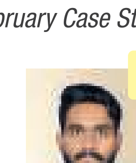
2nd DINESH KESHAVAN R
Kumaraguru College of Technology Business School Coimbatore, Tamil Nadu

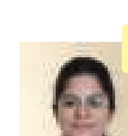
3rd ALUGOLU SWATHI BHARGAVI
Sri Ramchandra Faculty of Management Sciences Chennai, Tamil Nadu

Business Standard 50 Years of Insight

businessstandard bsindia business.standard business-standard.com

आयोग ने की अभी तक की बड़ी जब्ती

वसुधा मुखर्जी

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों ने 4,658.16 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ, शराब, नकद, बहुमूल्य धातु एवं मतदाताओं को लुभाने वाली अन्य वस्तुएं जब्त की हैं। 1 मार्च से लेकर अब तक पिछले 45 दिनों के भीतर रोजाना औसतन 100 करोड़ रुपये की जब्ती की गई है। यह पिछले लोक सभा चुनाव के दौरान कुल 3,475 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती से 34 फीसदी अधिक है और पिछले 75 वर्षों में सर्वाधिक है।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, सबसे चिंतनीय है कि 2,068.85 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनकी कुल जब्ती में 45 फीसदी हिस्सेदारी है। एजेंसियों ने 2,068.85 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की हैं, जबकि साल 2019 में 1,279.9 करोड़ रुपये की जब्त की गई थीं और जब्त किए गए मुफ्त सामान का मूल्य 1,142.19 करोड़ रुपये है, जो साल 2019 में 60.15 करोड़ रुपये था।

मार्च में चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले जनवरी और फरवरी के दौरान 7,502 करोड़ रुपये की जब्ती की गई थी। निर्वाचन आयोग ने कहा कि नशीली दवाओं की बरामदगी पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया था, जो जनवरी और फरवरी में कुल बरामदगी का 75 फीसदी था। निर्वाचन आयोग ने कहा कि जनवरी से लेकर अब तक कुल 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की गई है।

अब तक करीब 395.5 करोड़ रुपये नकद जब्त किए जा चुके हैं। साल 2019 के लोक सभा चुनावों के दौरान एजेंसियों ने कुल 844 करोड़ रुपये नकद जब्त किए थे। आयोग ने कहा, 'लोक सभा चुनावों को प्रलोभन और कदाचार मुक्त कराने के निर्वाचन आयोग के संकल्प में नकदी जब्त करना एक जरूरी कदम है। प्रलोभन मुक्त चुनाव कराना के लिए कड़ाई, निगरानी और जांच पर अधिक विचार-विमर्श किया जाता है।'

अधिकारियों ने राहुल गांधी को नीलगिरि पहुंचाने वाले हेलिकॉप्टर की जांच की

चुनावी जब्ती

अब तक प्रवर्तन एजेंसियों ने 4,658.16 करोड़ रुपये मूल्य की चीजें जब्त कीं, पिछले लोक सभा चुनावों के दौरान कुल 3,475 करोड़ रुपये मूल्य के सामान जब्त किए गए थे

पिछले 45 दिनों के भीतर रोजाना औसतन 100 करोड़ रुपये की जब्ती की गई

अब तक 35 करोड़ लीटर से अधिक की शराब जब्त की गई है, जिसका मूल्य 489.3 करोड़ रुपये है। पिछली बार लोक सभा चुनावों के दौरान 304.6 करोड़ रुपये मूल्य की शराब जब्त की गई थी। एजेंसियों ने 562.1 करोड़ रुपये की बहुमूल्य धातुएं जब्त की हैं, जबकि साल 2019 में जब्त की गई बहुमूल्य धातुओं की कीमत 987.11 करोड़ रुपये आंकी गई थी।

राज्यवार आंकड़ों पर गौर करें तो 13 अप्रैल तक राजस्थान से सर्वाधिक 778.5 करोड़ रुपये की जब्ती की गई है। उसके बाद गुजरात 605.33 करोड़ रुपये, तमिलनाडु 460.8 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र 431.3 करोड़ रुपये और पंजाब 311.8 करोड़ रुपये का स्थान है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से करीब 236 करोड़ रुपये की वस्तुएं और नकदी जब्त की गई है।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने कर्तव्य में ढिलाई बरतने और तमिलनाडु के नीलगिरि निर्वाचन क्षेत्र में एक प्रमुख नेता के काफिले की जांच में कोताही करने वाली उड़न दस्ता दल के प्रमुख को निलंबित कर दिया है। उसने कहा, 'इसी तरह अधिकारियों ने एक राज्य के मुख्यमंत्री के काफिले में वाहनों की जांच की और दूसरे राज्य के उप मुख्यमंत्री के वाहन की भी जांच की है।' साथ ही कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रचार में नेताओं की सहायता करने वाले और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन के दोषी पाए गए 106 सरकारी अधिकारियों पर गाज गिरी है।

निर्वाचन आयोग ने सूत्रों ने यह भी बताया कि हेलीकॉप्टरों की जांच में कुछ भी नया नहीं है। इसी तरह की जांच तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के हेलीकॉप्टर की भी की गई थी। चुनावों से पहले सभी जिला अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को हवाई क्षेत्रों और हेली पैडों की कड़ी निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि इस तरह की तलाशी देश भर में सरकारी और निजी दोनों हवाई क्षेत्रों में की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी प्रलोभन सामग्री हवाई मार्ग के जरिये भी नहीं लाई जा सके।

निर्वाचन आयोग की सहायता करने वाली एजेंसियों में आयकर विभाग, राज्य पुलिस, भारतीय रिजर्व बैंक, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, डाक विभाग, राज्य उत्पाद शुल्क, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, सीमा सुरक्षा बल और अन्य शामिल हैं।